वार्षिक प्रतिवेदन 2018-19

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)

वार्षिक प्रतिवेदन

2018 - 2019

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)

संपादक एवं समन्वयक:

डॉ. बलवन्त सिंह राजपुरोहित
निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

सम्पादक मण्डल:

डॉ. बी.आर. चौधरी, निदेशक अनुसंधान
डॉ. ईश्वर सिंह, निदेशक प्रसार शिक्षा
डॉ. बलवन्त सिंह राजपुरोहित, निदेशक शिक्षा
डॉ. एस.डी. रतनू, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली
डॉ. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मण्डोर–जोधपुर
डॉ. महेश पूनिया, अधिष्ठाता सह विशेष कार्य अधिकारी, कृषि महाविद्यालय, नागौर
डॉ. सीताराम कुम्हार, अतिरिक्त निदेशक (बीज)
डॉ. मदनमोहन कुमावत, उप निदेशक, प्रा. नि. व मूल्यांकन एवं शिक्षा
डॉ. दमा राम, सहायक निदेशक शिक्षा

प्रकाशक:

निदेशक, प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
Email: drpmeaujodhpur@gmail.com

मुद्रक:

एवरग्रीन प्रिण्टर्स, जोधपुर 9414128647

विषय सूची

	प्राक्कथन	i
	कार्यकारी सारांश	iii
1.	संस्थान परिचय	1
2.	अनुसंधान निदेशालय	10
3.	प्रसार शिक्षा निदेशालय	22
4.	कृषि शिक्षा	
	(अ) कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर	30
	(ब) कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली	40
	(स) कृषि महाविद्यालय एवं कृषि डिप्लोमा संस्थान, नागौर	49
5.	प्रकाशन	55
6.	पुरस्कार एवं सम्मान	62

प्राक्कथन

आज मैं अपने हृदय के अंतःकरण से अपने विचारों को प्रकट करते हुए कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की जिन उद्देश्यों के लिये वर्ष 2013 में इसकी स्थापना हुई उन्हें वर्ष 2018 में सही रूप में प्राप्त करने के लियें सही शुरूआत करने के लिये विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों को उनके योगदान के लिये बधाई देता हूँ।

वर्ष 2018 में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा राज्य में उत्कृष्ठ आधारभूत ढ़ाँचे के विकास, आवश्यक अनुसंधान, गुणवत्तायुक्त शिक्षा और सुदृढ़ प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में किये गये अभूतपूर्व कार्यों की अमिट छाप छोड़ी है। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में अतिप्रतिक्षीत मानव संसाधन का विकास यथा शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग के पदों पर भर्ती की गई जो कि विश्वविद्यालय के भावी विकास में अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। वर्ष 2018 में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में कई इकाईयों पर आधारभूत ढ़ाँचे विशेष रूप से विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों का विकास किया गया हैं, जिससे गुणवत्तायुक्त शिक्षा, अनुसंधान तथा विकसित की गई नवीन तकनीकियों का हस्तानान्तरण करने का एक बेहतर माहौल तैयार हो सकें। विश्वविद्यालय को विभिन्न संगठनों, संस्थानों जैसे आईसीएआर, विश्व बैंक, राज्य सरकार, बार्क एवं अन्य अंतराष्ट्रीय संस्थानों से विभिन्न अनुसंधान व विकास परियोजनाओं के शुरू होने के फलस्वरूप आर्थिक मदद प्राप्त हुई जिससे विश्वविद्यालय में बेहतर कार्यकुशलता, क्षमता निर्माण और बाहय संस्थानों से शैक्षणिक आदान–प्रदान के सम्बन्ध स्थापित हुए हैं। इस वर्ष विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर एवं राज्य स्तर के किसान मेलों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जो कि एक पारस्पारिक संवादात्मक मंच था जिसमें नवीन तकनीकियों के आपसी आदान प्रदान और किसानों की समस्याओं का समुचित निराकरण किये जाने का प्रयास किया गया जिससे इस क्षेत्र में कृषि को समुचित ढंग से विकसित किया जा सके ताकि किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सके।

मुझे यह व्यक्त करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही हैं कि इस वर्ष से दो नवीन स्नातकोत्तर पाठयक्रम और तीन नवीन विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय में प्रारंभ किये गये है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय स्तर पर तिल की अधिक उपज देने वाली नवीन किस्म आरटी 372 विकसित की गई जो कि विश्वविद्यालय की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि इस वर्ष रही है। इस क्षेत्र में कम बीज प्रतिस्थापन दर की समस्या के निराकरण हेतु बड़े पैमाने पर बाजरे, मूंग, तिल, जीरा सहित अन्य महत्वपूर्ण फसलों में गुणवत्ता बीज उत्पादन में मात्रात्मक वृद्धि वास्तविक रूप से इस क्षेत्र की समस्या को हल करने में निर्णायक भूमिका रखती है।

मुझे यह बताते हुऐ अत्यंत खुशी हो रही हैं कि विश्वविद्यालय में किये गये विभिन्न उत्कृष्ठ कार्यो को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है, जिनमें से कृषि अनुसंधान व विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने के लिये प्रमुख रूप से मारवाड़ क्षेत्र का प्रख्यात वीर दुर्गादास पुरस्कार 2018 एवं फिक्की द्वारा सम्मानित Chemicals and Petrochemicals Award 2018 प्रमुख है।

मैं विश्वविद्यालय के हर एक व्यक्ति को जिसके प्रयासों के फलस्वरूप कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने वर्ष 2018 में बेजोड़ प्रगति की है उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूँ। मैं यह भी आशा करता हूँ कि आने वाले वर्षों में विश्वविद्यालय के विकास की गति और अधिक बढ़ेगी जिससे उत्कृष्ठ कृषि विद्वानों को तैयार करने, इस क्षेत्र हेतु विशिष्ट कृषि तकनीकियों को तैयार किया जायेगा जिससे यह विश्वविद्यालय शुष्क व अर्द्धशुष्क क्षेत्रों में किये गये विभिन्न कार्यों के लिये एक मील का पत्थर साबित होगा।

(बलराज सिंह)
कुलपति
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

कार्यकारी सारांश

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्रों में विकास, प्रचार–प्रसार के कार्यों को निष्पादित कर क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रिया–कलापों का उन्नयन कर विकासोन्मुखी बनाने हेतु की गई हैं।

यह एक नव सृजित विश्वविद्यालय हैं, जो कि अपने शैशव काल से ही प्रगति की ओर अग्रसर हैं। विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में छः जिलों जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही एवं नागौर का भू–भाग आता हैं। कृषि जलवायु खण्डों के आधार पर यह क्षेत्र तीन भागों में विभक्त किया गया हैं। जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों का भू–भाग 'शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड – I अ' के अंतर्गत आता हैं। जालोर, पाली, सिरोही (पिण्डवाड़ा तथा आबूरोड़ तहसील सम्मिलित नहीं) तथा जोधपुर की बिलाड़ा एवं भोपालगढ़ तहसील का भू–भाग 'लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – II ब' के अंतर्गत हैं। नागौर जिले का भू–भाग 'भीतरी जल निकास के मैदान खण्ड – II अ' के अंतर्गत हैं।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि के लिये काफी चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में कम तथा अनियमित वर्षा, अधिक तापमान, तेज/गरम हवाएं इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड – I अ में औसत वर्षा 100 से 300 मि. मी., उच्चतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता हैं। लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – II ब में औसत वर्षा 330 से 591 मि.मी. तथा अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1 से 5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। इस भू–भाग में औद्योगिकीकरण कम है तथा कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन कृषि जलवायु खण्डों में स्थित कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी/प्रौद्योगिकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एवं मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग वैज्ञानिक पद्वति अपना कर कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्र (मण्डोर–जोधपुर, केशवाना–जालोर) तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों (सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर) पर कृषि अनुसंधान कार्य किया जा रहा हैं। इन केन्द्रों पर बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, सरसों, राजगीरा, गेंहूँ, जीरा, इसबगोल, मैथी इत्यादि फसलों पर अनुसंधान कार्य जारी हैं। मुख्य फसलों के अतिरिक्त निर्यात योग्य फसलें या उससे प्राप्त उत्पाद जैसे– जीरा, अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उद्यानिकी फसलों जैसे–प्याज, लहसुन, गाजर, आलू पर भी अनुसंधान प्रारंभिक स्तर पर शुरू किया जा चुका हैं।

नवीनतम कृषि तकनीकों के प्रचार–प्रसार तथा आवश्यक आंशिक संशोधन हेतु विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीनस्थ छः कृषि विज्ञान केन्द्र (मौलासर – नागौर, अठियासन – नागौर, फलौदी – जोधपुर, केशवाना – जालोर, गुड़ामालानी – बाड़मेर एवं सिरोही) इन क्षेत्रों के किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा समस्याओं का निराकरण व नवीन तकनीकों की जानकारी करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय में तीन कृषि महाविद्यालय (मण्डोर – जोधपुर, सुमेरपुर – पाली तथा नागौर) संचालित किये जा रहे हैं। वर्तमान में सुमेरपुर – पाली में स्नात्तक स्तर तक, मण्डोर – जोधपुर तथा नागौर के महाविद्यालयों में स्नात्तक व पाँच विषयों में स्नातकोत्तर व तीन विषयों में विद्यावाचस्पति स्तर का शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं।

विश्वविद्यालय की लगभग संपूर्ण गतिविधियों हेतु बजट राज्य सरकार की योजना, गैर – योजना, क्षेत्रीय, नार्प तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। यह विश्वविद्यालय

अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की प्रगति हेतु अनुसंधान, कृषि प्रसार तथा कृषि शिक्षा जैसे विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के अनुसार सतत् प्रयासरत हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रबंध मंडल की पंचम्, षष्ठम् एवं सप्तम् बैठक क्रमशः दिनांक 18.02.2018, 10.04.2018 एवं 7.06.2018 को एवं अकादमिक परिषद् की षष्ठम् (9.4.2018), सप्तम् (5.6.2018) एवं अष्ठम् (14.11. 2018) बैठक क्रमानुसार माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इन बैठकों में विभिन्न प्रस्तावों के प्रेषण सम्बन्धित जानकारी देकर सहमति प्राप्त की गई।

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण दिनांक 24.04.2018 को राज्य की माननीया मुख्यमंत्री के करकमलों द्वारा किया गया।

कृषि महाविद्यालय, नागौर का नवनिर्मित भवन, एवं कृषि महाविद्यालय, मण्डोर–जोधपुर के पहले चरण में निर्मित भवन एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, फलोदी और गुडामलानी के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन लोकार्पण के लिए तैयार हैं।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कौशल विकास केंद्र एवं कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (ATIC) के भवन का निर्माण कार्य कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में मण्डोर स्थित जीटीसी फार्म तथा कृषि महाविद्यालय, मण्डोर–जोधपुर में कन्या छात्रावास के निर्माण का कार्य राज्य योजना के तहत किया जा रहा है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र, जालोर व कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बीज हब के तहत बीज भंडारण एवं बीज प्रसंस्करण सह ग्रेडिंग सुविधा का निर्माण किया गया।

कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को बाजरा पर दो बीज हब, तिलहन पर दो बीज हब एवं दालों पर एक और बीज हब आवंटित किये गये हैं, जिसमें लगभग 6.5 करोड़ रूपये की स्वीकृति भी प्रदान की गई हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में भाभा आणविक अनुसंधान केन्द्र, मुंबई के साथ उत्परिवर्तन प्रजनन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए अगले 5 वर्षों के समझौते (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत भाभा आणविक अनुसंधान केन्द्र से 50.0 लाख रूपये वित्त पोषण मिलेगा।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को किर्क हाऊस ट्रस्ट, डी.ए.आर.ई. (एन.बी.पी.जी.आर) द्वारा वित्त पोषित "ऑर्फन लेग्यूम्स" पर एक संस्थागत परियोजना में भारत और अफ्रीकी देशों के बीच "ऑर्फन लेग्यूम्स" के विकास के लिए काम में भागीदार के रूप में शामिल किया गया हैं।

बायोवर्सिटी इन्टरनेशनल / वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को 32,400 अमरीकी डॉलर निधि की एक सहयोगी परियोजना स्वीकृति की गई है।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में वर्ष 2018–19 के लिए कुल 550.0 लाख रूपये प्राप्त किये गये हैं।

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.) के तहत अगले 3 वर्षों में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के तीनों महाविद्यालयों में बुनियादी ढाँचे, प्रयोगशालाओं, कक्षाओं और संकाय के सुधार हेतु 5.0 करोड़ रूपये मंजूर किए गए हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को चार फसलों क्रमशः गेहूँ, सरसों, दालें व औषधीय पौधों पर वोलन्टियर परीक्षण केन्द्र स्वीकृत किए गये हैं।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड.आर.ई.ऐ.सी.) खरीफ–2018 एवं रबी–2018–19 की बैठकें सफलतापूर्वक आयोजित की गई, जिसमें शस्य विज्ञान, पादप विज्ञान, कीट विज्ञान सम्बन्धित नौ विभिन्न तकनिकी विकसित की गई तथा विभिन्न फसलों की आठ किस्मों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज में शामिल किया गया ।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने संकर बाजरा के बीज उत्पादन को बढ़ाने के लिए तीन निजी सीड्स कम्पनियों

के साथ गैर–विशिष्ट सहमति ज्ञापन निष्पादित किया गया हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में कार्यरत अखिल भारतीय बाजरा अनुसंधान परियोजना द्वारा विगत वर्ष में बाजरे की विभिन्न जलवायु क्षेत्रों हेतु नौ किस्में भारत सरकार द्वारा अधिसूचित तथा आठ किस्में अधिसूचना के लिए अखिल भारतीय स्तर पर स्वीकृत की गई हैं।

अखिल भारतीय बाजरा अनुसंधान परियोजना द्वारा वर्ष 2018–2019 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ. एस.एम) कार्यक्रम के तहत 320 हैक्टेयर में अग्र पंक्ति प्रदर्शन राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, मध्यप्रदेश, उतरप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु राज्यों में सफलतापूर्वक लगाये गये ।

कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर–जोधपुर पर आत्मा परियोजना के अंतर्गत 11 कृषक प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया, जिसमें 320 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। इन प्रशिक्षणों में तीन अन्तर्राज्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा विकसित तिल की नई किस्म आर.टी. 372 को देश के जोन – 1 में खरीफ मौसम की वर्षा पोषित स्थिति के लिए राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों के कुछ हिस्सों में उगाने हेतु विकसित एवं चिन्हित किया गया हैं।

अखिल भारतीय अनार उत्पादक संघ के सहयोग से कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर (जोधपुर) में 3–4 अक्टूबर, 2018 को "अनार" पर दो दिवसीय कार्यशाला व कृषि अनुसंधान केन्द्र, जालोर में 22 अक्टूबर, 2018 को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 400 अनार उत्पादकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जालोर में 22 अक्टूबर, 2018 को जालोर जिले के डीलर्स हेतु तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधुपर में 28 अक्टूबर, 2018 को जोधपुर जिले के डीलर्स हेतु डिलर्स डिप्लोमा कोर्स शुरू किया गया।

खरीफ 2017 में तिल का 2.50 क्विंटल एवं बाजरा का 8.85 क्विंटल प्रजनक बीज उत्पादित किया गया ।

विश्वविद्यालय के अलग–अलग केन्द्रों पर फसलों की विभिन्न किस्मों का खरीफ 2017 में कुल 1043.59 क्विंटल, रबी 2017–18 में कुल 759.57 क्विंटल एवं जायद 2018 में संकर बाजरा, एम.पी.एम.एच. 17 का 106.40 क्विंटल सत्यापित बीज उत्पादित किया गया। इस बीज द्वारा किसानों के खेतों पर उगाई गई फसल के परिणाम अन्य किस्मों के मुकाबले बहुत ही प्रभावशाली व उत्साहवर्द्धक रहे है।

अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा बीजीय मसालों की उन्नत कृषि तकनीकों का प्रचार–प्रसार करने हेतु जीरे के 15 प्रदर्शन व मैथी के 40 प्रदर्शन कुल 55 हेक्टेयर क्षेत्र में लगाये गये।

बीजीय मसाला फसलों की उन्नत तकनीक का प्रचार–प्रसार करने हेतु चार कृषक प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें 360 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डॉ. टी. महापात्रा, महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने दिनाँक 1 अक्टूबर, 2018 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं भा.कृ.अ.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, मण्डोर तथा किसान प्रेक्षेत्रों का भ्रमण किया एवं परियोजना का अवलोकन किया।

राजस्थान के राजभवन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार जोधपुर जिले के लूणी गाँव को ग्राम गोद कार्यक्रम के अर्न्तगत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा गोद लेकर स्मार्ट गाँव के रुप में विकसित किया जा रहा है।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि मेला 2018 का आयोजन, किसानों की आय वृद्धि के लिये प्याज और लहसुन की उत्पादन तकनीकी एवं मूल्य श्रृंखला प्रबंधन पर कार्यशाला तथा निर्यात योग्य गुणवत्ता युक्त अनार उत्पादन एवं विपणन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 9100 किसानों ने भाग लिया।

फार्मर फर्स्ट परियोजना अन्तर्गत विभिन्न मॉड्यूल– फसल आधारित मॉड्यूल, उद्यानिकी आधारित मॉड्यूल, समन्वित कृषि प्रणाली मॉड्यूल, मानव संसाधन प्रबंधन मॉड्यूल द्वारा नवीनतम तकनीकी व कौशल आधारित ज्ञान पर एक हजार प्रदर्शनों, 25 कृषक प्रशिक्षणो, 6 कृषक वैज्ञानिक संवाद व अन्य प्रसार गतिविधियों का आयोजन कर समस्त ग्रामवासियों को लाभान्वित किया गया।

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कृषक व कृषक महिलाओं व ग्रामीण युवाओं को कौशल आधारित 12 प्रशिक्षणों द्वारा 550 कृषकों को स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा विभिन्न तकनीकियों एवं उन्नत किस्मों को अधिक से अधिक कृषकों तक पहुँचाने हेतु केन्द्र पर 59 प्रशिक्षणों का आयोजन किया, जिसमें कुल 1715 किसानों ने भाग लिया। किसानों के खेतों पर 80 प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 1838 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा 30 प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें कुल 3852 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए 22 प्रशिक्षण आयोजित किये गये जिसमें 588 प्रसार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

नवीनतम कृषि तकनीकी– उन्नत बीज, पंक्तिबद्ध बुवाई, बीजोपचार, जिंक सल्फेट का प्रयोग, पौध संरक्षण को प्रदर्शित करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों के खेतों पर विभिन्न फसलों पर 990 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की समन्वित कृषि प्रणाली के तहत सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर वर्षा जल संग्रहण इकाई, वर्मी कंपोस्ट इकाई, अजोला इकाई व बकरी इकाई की स्थापना की जा रही हैं।

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर जोधपुर, सुमेरपुर (पाली) एवं नागौर में विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने एवं उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक शैक्षणिक वातावरण जैसे नियमित कक्षाओं का संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल–कूद प्रतियोगिता, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन समय–समय पर किया जा रहा हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में तीन विषयों आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन, शस्य विज्ञान और बागवानी में स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रम के 11 विद्यार्थियों के प्रथम बैच ने इस वर्ष डिग्री पूर्ण कर ली है।

इसी वर्ष कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के दोनों कृषि महाविद्यालयों से 84 विद्यार्थियों ने स्नात्तक डिग्री पूर्ण कर ली हैं।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में वर्तमान शैक्षिक सत्र 2018 के दौरान दो और विषयों प्लांट पैथोलॉजी और फूड टेक्नोलॉजी एवं तीन विषयों आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन, शस्य विज्ञान और बागवानी में विद्यावाचस्पति कार्यक्रम शुरू किये गये हैं।

विश्वविद्यालय के अध्यापकों व वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न शोध पत्र–पत्रिकाओं में 83 अनुसंधान–पत्र, 10 पुस्तकें, 4 पुस्तक अध्याय, 24 तकनिकी/लोकप्रिय प्रकाशित लेख, 2 तकनिकी बुलेटिन, 3 प्रायोगिक गाइड, 12 फोल्डर्स, 5 संगोष्ठी, सम्मेलन, सेमिनार में प्रकाशित शोध पत्र/सारांश प्रकाशित किये गये हैं।

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (फिक्की) द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को पिछले ढ़ाई वर्ष में कृषि के क्षेत्र में रसायनों एवं प्लास्टिक के सही उपयोग हेतु किसानों के मन में सार्वजनिक धारणा में परिवर्तन लाने हेतु किये गये सराहनीय कार्यों हेतु पुरस्कृत किया गया।

1. संस्थान परिचय

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की स्थापना राज्य के पश्चिमी क्षेत्रों में कृषि अनुसंधान, प्रसार शिक्षा एवं कृषि शिक्षा के क्षेत्रों में विकास कार्यों को निष्पादित कर क्षेत्र की समग्र कृषि एवं कृषि आधारित क्रिया–कलापों का उन्नयन कर विकासोन्मुखी बनाने हेतु की गई हैं।

यह एक नव सृजित विश्वविद्यालय हैं, जो कि अपने शैशव काल से ही प्रगति की ओर अग्रसर हैं। विश्वविद्यालय के कार्य क्षेत्र में छः जिलों जोधपुर, बाड़मेर, पाली, जालोर, सिरोही एवं नागौर का भू–भाग सम्मिलित है। कृषि जलवायु खण्डों के आधार पर यह क्षेत्र तीन भागों में विभक्त किया गया हैं। जोधपुर तथा बाड़मेर जिलों का भू–भाग 'शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड – I अ' के अंतर्गत आता हैं। जालोर, पाली, सिरोही (पिण्डवाड़ा तथा आबूरोड़ तहसील के अतिरिक्त) तथा जोधपुर की बिलाड़ा एवं भोपालगढ़ तहसील का भू–भाग 'लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – II ब' के अंतर्गत हैं। नागौर जिले का भू–भाग 'भीतरी जल निकास के मैदान खण्ड – II अ' के अंतर्गत आता हैं।

विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में जलवायुवीय परिस्थितियाँ कृषि के लिये काफी चुनौतीपूर्ण हैं। इस क्षेत्र में वर्षा अल्प तथा अनियमित, अधिक तापमान, तेज/गरम हवाएं इत्यादि कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं। शुष्क पश्चिमी मैदान खण्ड – I अ में औसत वर्षा 100 से 300 मि.मी., उच्चतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक रहता हैं। लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड – II ब में औसत वर्षा 330 से 591 मि.मी. तथा अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 1 से 5 डिग्री सेल्सियस रहता हैं।

क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य का 28 प्रतिशत भू–भाग इस विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में हैं। इस भू–भाग में औद्योगिकीकरण कम है तथा कृषि एवं पशुपालन ही आजीविका का मुख्य साधन हैं। इन कृषि जलवायु खण्डों में कृषकों को नवीनतम कृषि तकनीकी उपलब्ध करा कर उत्पादकता बढ़ाने, लागत घटाने, जल एवं मृदा जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग वैज्ञानिक पद्धति अपना कर कृषि के समग्र विकास हेतु दो कृषि अनुसंधान केन्द्र (मण्डोर–जोधपुर, केशवाना–जालोर) तथा तीन कृषि अनुसंधान उप–केन्द्रों (सुमेरपुर–पाली, समदड़ी–बाड़मेर तथा नागौर) पर कृषि अनुसंधान कार्य किया जा रहा हैं। इन केन्द्रों पर बाजरा, मूँग, मोठ, ग्वार, तिल, अरण्डी, सरसों, राजगीरा, गेंहूँ, जीरा, इसबगोल, मैथी इत्यादि फसलों पर अनुसंधान कार्य जारी हैं।

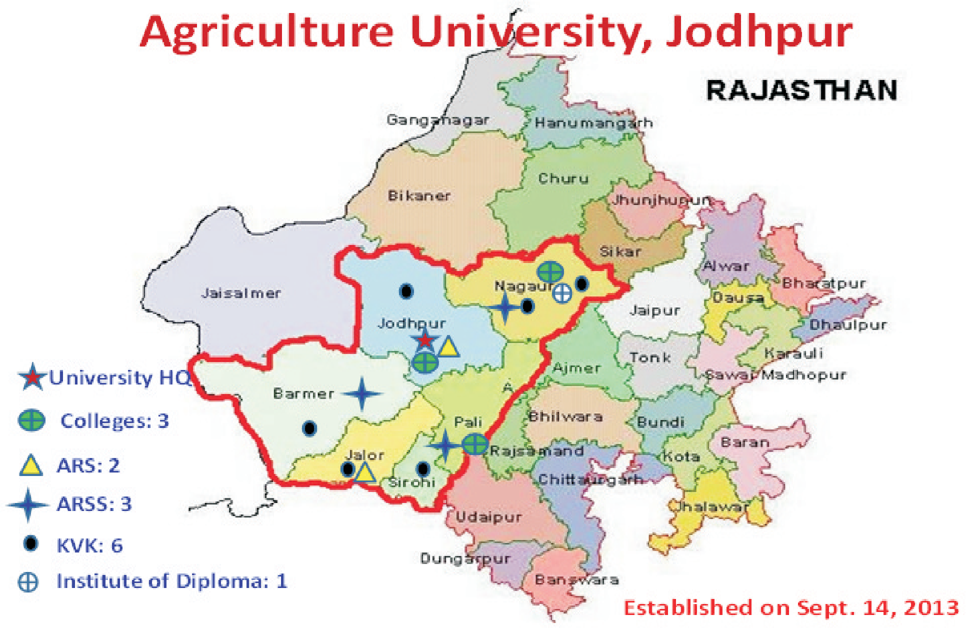

मुख्य फसलों के अतिरिक्त निर्यात योग्य फसलें या उससे प्राप्त उत्पाद जैसे– जीरा, अरण्डी, मसालें एवं औषधीय महत्त्व वाली फसल इसबगोल पर अनुसंधान हेतु विशेष ध्यान दिया जा रहा हैं। उद्यानिकी फसलों जैसे – प्याज, लहसुन, गाजर, आलू पर भी अनुसंधान प्रारंभिक स्तर पर शुरू किया जा चुका हैं।

नवीनतम कृषि तकनीकों के प्रचार–प्रसार तथा आवश्यक आंशिक संशोधन हेतु विश्वविद्यालय के कृषि प्रसार शिक्षा निदेशालय के अधीनस्थ छः कृषि विज्ञान केन्द्र (मौलासर – नागौर, अठियासन – नागौर, फलौदी – जोधपुर, केशवाना – जालोर, गुड़ामालानी – बाड़मेर एवं सिरोही) इन क्षेत्रों के किसानों को विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा समस्याओं का निराकरण व नवीन तकनीकों की जानकारी करवाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय में तीन कृषि महाविद्यालय (मण्डोर – जोधपुर, सुमेरपुर – पाली तथा नागौर) संचालित किये जा रहे हैं। वर्तमान में सुमेरपुर – पाली में स्नातक स्तर तक, मण्डोर – जोधपुर तथा नागौर के महाविद्यालयों में स्नात्तक व स्नातकोत्तर एवम् मण्डोर – जोधपुर में विद्यावाचस्पति शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं।

विश्वविद्यालय की लगभग संपूर्ण गतिविधियों हेतु बजट राज्य सरकार की योजना, गैर – योजना, क्षेत्रीय, नार्प तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा हैं। यह विश्वविद्यालय अपने कार्यक्षेत्र के किसानों की प्रगति हेतु अनुसंधान, कृषि प्रसार तथा कृषि शिक्षा जैसे विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं के अनुसार सतत् प्रयासरत हैं।

1.1 विश्वविद्यालय के उद्देश्य

(क) अध्ययन की भिन्न–भिन्न विधाओं में, विशिष्टतः कृषि, उद्यानिक व मत्स्य पालन में शिक्षा प्रदान करने के लिए उपबंध करना।

(ख) विशिष्टतः कृषि एवं अन्य सहबद्ध विज्ञानों मे शिक्षा का अभिवर्धन और अनुसंधान करना।

(ग) ऐसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकियों की विस्तार शिक्षा को बढ़ावा देना जिससे राज्य की ग्रामीण जनता को लाभ मिले।

(घ) ऐसे अन्य उद्देश्य जिन्हें विश्वविद्यालय समय समय पर अवधारित करें।

संगठनात्मक ढाँचा

कुलपति
- कुलसचिव, सचिव प्रबन्ध मण्डल
- वित्त नियंत्रक, सचिव वित्त समिति
- भू-सम्पति अधिकारी
- निदेशक
  - अनुसंधान
  - प्रसार शिक्षा
  - प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
  - मानव संसाधन विकास
  - शिक्षा
  - छात्र कल्याण
- परीक्षा नियंत्रक
- अधिष्ठाता
  - कृषि महाविद्यालय- मण्डोर, जोधपुर
  - कृषि महाविद्यालय- सुमेरपुर, पाली
  - कृषि महाविद्यालय- नागौर (कृषि डिप्लोमा संस्थान)

संस्थागत ढाँचा

- **शिक्षा**
  - **कृषि महाविद्यालय (3)**
    - मण्डोर, जोधपुर स्थापना - 31/07/2012
    - सुमेरपुर, पाली, स्थापना - 04/03/2012
    - नागौर, स्थापना - 08/07/2015
  - **कृषि डिप्लोमा संस्थान (1)**
    - लांडनू, नागौर, स्थापना - 2013
- **अनुसंधान**
  - **कृषि अनुसंधान केन्द्र (2)**
    - मण्डोर, (जोधपुर), स्थापना - मई 1983
    - केशवाना, (जालोर), स्थापना - 1982
  - **कृषि अनुसंधान उप केन्द्र (3)**
    - नागौर, स्थापना - 1993
    - सुमेरपुर (पाली), स्थापना - 15/01/1972
    - समदड़ी (बाड़मेर), स्थापना - नवम्बर 1995
- **विस्तार**
  - **कृषि विज्ञान केन्द्र (6)**
    - केशवाना (जालोर), स्थापना - 1985
    - सिरोही, स्थापना - 1989
    - मौलासर (नागौर), स्थापना - 1992
    - फलोदी, जोधपुर स्थापना - 31/03/2012
    - अठियासन (नागौर), स्थापना - 31/03/2012
    - गुड़ामालानी (बाड़मेर), स्थापना - 31/03/2012

1.3 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

राज्य योजना, गैर योजना, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संचालित परियोजनाएं एवं विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कृषि विज्ञान केन्द्रों के पदों का विवरण निम्न प्रकार हैं:–

1.3.1 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर : प्रशासनिक पदों का विवरण (राज्य योजना)

पदनाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
कुलपति	1	1	0
कुल सचिव	1	1	0
वित्त नियंत्रक	1	0	1*
अधिष्ठाता/निदेशक	5	3	2
भू–सम्पदा अधिकारी	1	0	1
परीक्षा नियंत्रक	1	0	1
अतिरिक्त निदेशक अनुसंधान (बीज)	1	0	1
पुस्तकालयाध्यक्ष	1	0	1
सहायक निदेशक (शारीरिक शिक्षा)	1	0	1

पदनाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
सहायक कुलसचिव	1	0	1
सहायक अभियन्ता (सिविल)	1	0	1
कोषाधिकारी	1	0	1

* वित्त नियन्त्रक, सरदार पटेल पुलिस विश्वविद्यालय के पास अतिरिक्त प्रभार

1.3.2 शैक्षणिक पदों का विवरण

पदनाम	आई.सी.ए.आर. अनु. परियोजना, पी.सी. ईकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	राज्य योजना	गैर योजना	योग		
				स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
आचार्य	0	5	3	8	2	6
सह–आचार्य/वरिष्ठ वैज्ञानिक	13	16	17	46	17	29
सहायक आचार्य	12	55	32	99	56	43
विषय वस्तु विशेषज्ञ	36	0	0	36	20	16
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	0	3	0	3	0	3

1.3.3. तकनीकीय एवं अशैक्षणिक पदों का परियोजनात्मक विवरण

पदनाम	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
आई.सी.ए.आर. अनु. परियोजना, पी. सी. ईकाई तथा कृषि विज्ञान केन्द्र	82	61	21
राज्य योजना	112	51	61
गैर योजना	52	42	10

विश्वविद्यालय में कुल 454 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से वर्तमान में 254 पद नियुक्त हैं तथा शेष 200 पद रिक्त हैं। स्थानान्तरण एवं कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय सेवा छोड़ने के कारण गणना में आंशिक अन्तर सम्भव हैं।

1.4 प्रमुख विभागीय कार्य तथा वर्ष में प्रत्येक कार्य के समदर्श प्रगति

विश्वविद्यालय के विभिन्न प्राधिकारियों में से प्रबंधन मंडल, अकादमिक परिषद् तथा वित्त समिति की विभिन्न बैठकों में लिये गये महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्नानुसार हैं:–

1.4.1 प्रबंध मंडल

1.4.1.1 प्रबंध मंडल की बैठकें

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रबंध मंडल की पंचम्, षष्ठम् एवं सप्तम् बैठक क्रमशः दिनांक 18.02.2018, 10.04.2018 एवं 7.06.2018 को क्रमानुसार आयोजित की गई। सर्वप्रथम बैठक के प्रारंभ में प्रबंध मंडल के पदेन अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने प्रबंध मंडल के समस्त सदस्यों का स्वागत कर विश्वविद्यालय में किये जा रहे विभिन्न विकास कार्यों के बारे में अवगत कराया। तद्नुपरांत बैठकों की कार्यवाही प्रारंभ की गई तथा निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए –

- राज्य सरकार द्वारा जारी किये गये आदेश क्रमांक एफ 12(6) एफडी/नियम/2005 दिनांक 23.09.2014 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में लागू किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदित किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा विज्ञापित किये शैक्षणिक पदों की सीधी भर्ती प्रक्रिया एवं पदोन्नति (C.A.S.) को पूर्ण किये जाने का प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा शैक्षणिक भर्ती विज्ञापन क्रमांक कृविवि/जोध/2017/01 दिनांक 22.06.2017, कृविवि/जोध/2017/02 दिनांक 22.06.2017, कृविवि/जोध/2017/03 दिनांक 22.06.2017 के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों द्वारा बांड भरवाये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में भी अशैक्षणिक वर्ग के विभिन्न पदों की भर्ती हेतु परीक्षा प्रणाली, पाठ्यक्रम व अन्य नियम जो श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में अपनाये गये है उन्हें इस विश्वविद्यालय में उक्त वर्ग की भर्ती प्रक्रिया में अपनाये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- शैक्षणिक पदों पर पंचम प्रबंधन मंडल की बैठक उपरांत शेष रिक्त रहे पदों एवं प्रतीक्षा सूची में से योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में अशैक्षणिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारूप एवं भर्ती परीक्षा प्रश्नपत्र सेटर के मानदेय का राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के नियमानुसार करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- राज्य सरकार के निर्देशानुसार कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में नवीन पेंशन योजना के अंतर्गत कार्यरत कार्मिकों के ग्रेच्यूटी परिलाभ प्रदान करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा पेंशन कोष के गठन हेतु एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीनस्थ कृषि अनुसंधान केन्द्र, कृषि महाविद्यालय, मंडोर–जोधपुर, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर–पाली एवं कृषि महाविद्यालय, नागौर में सोलर पावर सिस्टम की स्थापना के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- केरियर एडवांसमेंट स्कीम (C.A.S.)के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सहायक प्राध्यापकों के (Stage –III) AGP- Rs. 8000/- से (Stage –IV) AGP-Rs. 9000/- पर पदोन्नति के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधिष्ठाता/निदेशकगणों को वित्तीय स्वीकृति 1.00 लाख रू. से बढ़ाकर रू 5.00 लाख तक प्रदान किये जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा उत्पादित बीजों को मरूधरा–बीज ब्रांड के नाम के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

1.4.2 अकादमिक परिषद एवं अध्ययन मण्डल

1.4.2.1 अकादमिक परिषद

अकादमिक परिषद की षष्ठम् (9.4.2018), सप्तम् (5.6.2018) एवं अष्ठम् (14.11.2018) बैठक आयोजित की गई। इन बैठकों में डॉ. बी. एस. राजपुरोहित, निदेशक शिक्षा व पदेन सचिव ने अकादमिक परिषद के अध्यक्ष माननीय कुलपति डॉ. बलराज सिंह और अन्य सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष ने अपनी टिप्पणी में वर्ष 2018 में विश्वविद्यालय में शिक्षा, अनुसंधान व प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में की गई प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया तथा बुनियादी ढांचा विकास, बीज उत्पादन, बाह्य वित्त पोषण परियोजनाओं एवं अन्य गतिविधियों के बारे में सदस्यों को अवगत कराया। उक्त बैठको में चर्चा के बाद निम्नलिखित कार्यसूची मदों पर विचार कर स्वीकृति प्रदान की गयी :–

1. पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी, शस्य विज्ञान तथा उद्यानीकी विषयों में स्नातकोत्तर छात्रों का प्रथम बैच निकलने, प्रयोगशालाओं की आवश्यक व्यवस्था एवं योग्य फैकल्टी की उपलब्धता को देखते हुए यह निर्णय लिया गया कि शैक्षणिक वर्ष 2018–19 से कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर पर उपरोक्त विषयों में निम्नलिखित नये कार्यक्रम प्रारम्भ किया जाये।
2. (अ) उपरोक्त तीन विषयों में पी.एच.डी. (विद्यावाचस्पति) कार्यक्रम प्रारम्भ कर प्रत्येक विषय में दो–दो नये छात्रों को तथा एकएक सीट (अधिसंख्य) पर सेवारत कर्मचारी को प्रवेश दिया जाये । इन विषयों में प्रवेश प्रक्रिया समन्वय समिति के निर्णयानुसार होगी।

   (ब) पौध व्याधिकी विषय में स्नातकोतर कार्यक्रम प्रारम्भ कर चार छात्रों को प्रवेश दिया जाये।
3. कृषि विज्ञान केन्द्रों पर पदस्थापित पौध संरक्षण विषय (Plant Protection Discipline) हेतु विषय विशेषज्ञ (SMS) की नयी भर्ती प्रक्रिया वास्ते वर्तमान शैक्षणिक योग्यता (कीट विज्ञान, पौध व्याधिकी तथा निमेटोलोजी विषय) के अलावा कृषि रसायन विषय (Agriculture Chemicals Discipline) को भी सम्मिलित किया जावे।
4. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की पंचम डीन कमेटी की सिफारिशानुसार पौध प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग का परिवर्तित नाम आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन किया जाये जिसका क्रियान्वयन चालू सत्र से कर दिया जावे।
5. कृषि महाविद्यालय नागौर, पर नवस्थापित खाद्य तकनीकी विभाग (Food Technology) हेतु राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत पदनाम डीन/प्रिंसीपल को बदल कर प्रोफेसर (खाद्य तकनीकी) कर दिया जावे।
6. कृषि विश्वविद्यालय की आवश्यकता के अनुरुप कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर पर कृषि अभियांत्रिकी विभाग का स्वीकृत पद सहायक आचार्य (प्रोसेसिंग एवं खाद्य इंजीनियरिंग Processing and Food Engineering) का नाम बदलकर सहायक आचार्य (फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग Farm Machinery and Power Engineering) कर दिया जावे।
7. राज्य सरकार के अनुरुप कृषि व्यवसाय विषय में एक वर्षीय डिप्लोमा एवं छः माह का सर्टीफिकेट कोर्स चालू करने हेतु कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं Ironwood Carriers & Training Institute, Adelaide South Australia के बीच करार (एम.ओ.यू) करने के लिए सहमति दी गई।
8. वर्तमान में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा शैक्षणिक पाठ्यक्रम एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर के अनुरुप चलाया जा रहा है अतः परिक्षकों हेतु थीसिस मूल्यांकन, थीसिस

मौखिक परीक्षा, सिनोप्सीस मूल्यांकन एवं कोम्प्रसिव परीक्षा हेतु मानदेय एम.पी.यू.ए.टी., उदयपुर के समरुप लागू किये जाने का निर्णय लिया गया।

9. राज्य सरकार द्वारा कृषि महाविद्यालय, नागौर पर नवस्थापित खाद्य तकनीकी विभाग में खाद्य तकनीकी विषय पर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम इसी शैक्षणिक वर्ष 2018–19 से प्रारम्भ किये जाने हेतु निर्णय लिया गया तथा यह तय किया गया कि इस पाठ्यक्रम हेतु विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा आयोजित कर दो छात्रों को प्रवेश दिया जावे।

10. एम.एस.सी. खाद्य तकनीकी पाठ्यक्रम हेतु अध्ययन मण्डल द्वारा गठित समिति की सिफारिशानुसार प्रत्येक सेमेस्टर में पढ़ाये जाने वाले कोर्स, कुल क्रेडिट ऑवर आदि का अनुमोदन किया गया।

11. स्नात्तक व स्नात्तकोतर प्रोग्राम हेतु सूचना बुलेटिन एवं मार्गदर्शिका को अलग–अलग प्रकाशित कर उनकी उपलब्धता प्रवेश फार्म के साथ सुनिश्चित किये जाने का निर्णय लिया गया।

12. कोर्स नम्बर होर्ट 112 (Introduction to forestry) के सिलेबस में वानिकी की अधिकता के मद्देनजर उक्त कोर्स का नाम फोर्ट 111 (Fort 111) किये जाने का अनुमोदन किया गया।

13. अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के समरुप परीक्षकों द्वारा, प्रश्न पत्र बनवाने हेतु मानदेय बढ़ाने का निर्णय लिया गया।

14. विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्षों एवं फैकल्टी चेयरमेन द्वारा प्रस्तावित विशेषज्ञों की सूची को आगामी शिक्षक चयन प्रक्रिया हेतु अनुमोदित किया गया।

15. कृषि महाविद्यालय, मण्डोर में आगामी शैक्षणिक सत्र 2019–20 से एम.एस.सी. कीट विज्ञान एवं प्रसार शिक्षा विषयों में प्रारम्भ किये जाने तथा प्रत्येक विषय में चार–चार छात्रों को प्रवेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JET) प्रक्रिया के अनुसार दिये जाने का निर्णय लिया गया।

1.4.2.2 अध्ययन मण्डल

विश्वविद्यालय की कृषि संकाय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 23.10.2018 को डॉ. एस. डी. रत्नु, संकाय अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। प्रारम्भ में डॉ. एस. डी. रत्नु, अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल ने सभी सदस्यों का स्वागत कर बैठक में प्रस्तावित बिन्दुओं पर चर्चा की गई तथा निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिए गए :–

1. एम.एस.सी. खाद्य तकनीकी पाठ्यक्रम की समीक्षा हेतु एक समिति का गठन कर पाठ्यक्रम सुनिश्चित कर शिक्षा निदेशक को प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

2. अध्ययन मण्डल द्वारा गठित समिति की सिफारिशानुसार प्रत्येक सेमेस्टर में पढ़ाये जाने वाले कोर्स, कुल क्रेडिट ऑवर आदि का अनुमोदन किया गया।

3. कोर्स नम्बर होर्ट 112 (Introduction to forestry) के सिलेबस में वानिकी की अधिकता के मद्देनजर उक्त कोर्स का नाम फोर्ट 111 (Fort 111) किये जाने का अनुमोदन किया गया।

4. सभी विभागाध्यक्षों एवं प्रभारी विभागाध्यक्षों को एक कमेटी गठित कर स्नात्तकोतर व विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम की समीक्षा कर 3 महिने में प्रतिवेदन शिक्षा निदेशक को प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

5. स्नात्तक, स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम के बुलेटिन और दिशानिर्देशों को अद्यतन कर तीनों कार्यक्रमों हेतु अलग–अलग सूचना बुलेटिन प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया।

6. विश्वविद्यालय में प्रवेशित छात्रों को यूनिक पहचान पत्र देने हेतु निर्णय लिया गया।

1.4.3 वित्तीय लेखा

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन शिक्षा, प्रसार शिक्षा एवं अनुसंधान से सम्बन्धित इकाइयों के लिये वित्त वर्ष 2018–19 के परियोजनावार एवं संस्थावार बजट प्रावधान एवं

नवम्बर 2018 तक हुए व्यय का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैं:–

बजट मद	बजट प्रावधान नवम्बर 2018 तक व्यय (रूपये लाखों में)	
	बजट प्रावधान	नवम्बर 2018 तक व्यय
गैर राज्य आयोजना	530.00	340.00
राज्य आयोजना	2200.73	625.00
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)	700.00	120.00
ए.आई.सी.आर.पी. प्रोजेक्ट (AICRP)	192.50	60.00
पी. सी. यूनिट (बाजरा) मण्डोर	310.00	119.27
समस्त कृषि विज्ञान केन्द्र	717.59	370.00
सीड हब (केवीके, नागौर, जालौर, सुमेरपुर)	215.00	50.00
एन.ए.एच.ई. प्रोजेक्ट (NAHEP)	258.62	10.00
MIDH प्रोजेक्ट	25.00	13.00
अन्य परियोजनाएं (अनुसन्धान केन्द्रों एवं केवीके पर संचालित)	145.50	30.00

1.4.4 अन्य प्रमुख क्रियाकलाप एवं उपलब्धियाँ

1.4.4.1 अनुसंधान

1. तिल की उन्नत किस्म आर.टी. 372 को राष्ट्रीय स्तर पर पहचाना और जारी किया गया।
2. संकर बाजरा एम.पी.एम.एच. 17 का 100 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया।
3. इस वर्ष अन्य फसलों जैसे मूंग, मोठ, ग्वार, गेहूँ, राया, चना, जीरा, धनिया, मैथी, ईसबगोल एवं मिर्च का कुल 1818 क्विंटल बीज उत्पादन किया गया।

1.4.4.2 तकनीकी विस्तार/हस्तांतरण

1. कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में चार दिवसीय पश्चिमी क्षेत्र किसान मेले का आयोजन 28–31 जनवरी, 2018 के दौरान मुख्य परिसर मण्डोर (जोधपुर) में किया, जिसमें विभिन्न राज्यों से लगभग 10,000 किसानों ने भाग लिया।
2. वर्ष 2018 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के सभी छः कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा छह "सुरक्षित भंडारण" पर डब्ल्यू.ए.आर.डी.ए. कार्यशालाएं/कार्यक्रम आयोजित किए गए।
3. कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी में एक किसान मेला का आयोजन 5 जुलाई 2018 को किया गया। जिसमें बाड़मेर जिले के 1000 के अधिक किसानों ने भाग लिया।
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन में आत्मा परियोजना के तहत किसान मेले का आयोजन, अक्टूबर–नवंबर, 2018 के दौरान किया गया, जिसमें 1000 किसानों ने भाग लिया।
5. केन्द्रीय खाद्य वितरण, उपभोक्ता मामले, कॉर्पोरेट और उद्योग राज्य मंत्री श्री सी. आर. चौधरी ने कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन और कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर का क्रमशः 17 मई 2018 व 14 जून 2018 को निरीक्षण व अवलोकन किया।

1.4.4.3 शिक्षा और मानव संसाधन विकास

1. महाविद्यालयों में प्रयोगशाला, पुस्तकालय और कम्प्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना, विद्यार्थियों के अध्यापन हेतु बेहतरीन कक्षा कमरों की स्थापना करना इत्यादि अन्य मुख्य कार्य रहे।
2. कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर से स्नातकोत्तर का प्रथम बैच ने तीन विषयों आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन, शस्य विज्ञान और बागवानी में दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री पूर्ण कर ली है।
3. कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के कई छात्रों ने जे.आर.एफ. प्राप्त कर और देश के विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त किया।
4. कृषि महाविद्यालय, नागौर को कृषि अनुसंधान उप केन्द्र गोगेलाव (नागौर) परिसर में स्थित अपनी नव निर्मित इमारत में स्थानांतरित कर किया गया है जिसमें मृदा विज्ञान, मौलिक विज्ञान और कंप्यूटर की प्रयोगशालाओं सहित उत्कृष्ट सुविधाएं बनाई गई हैं।
5. कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा अपने नव नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए 21 दिनों के दो अभिविन्यास कार्यक्रमों का जून–जुलाई, 2018 और अगस्त–सितम्बर, 2018 में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें 60 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

6. कई संकाय सदस्यों ने वर्ष 2018 के दौरान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं आदि में भाग लिया।
7. कई संकाय सदस्यों ने वर्ष 2018 के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।
8. तीनों कृषि महाविद्यालयों मण्डोर, सुमेरपुर, नागौर व कृषि अनुसंधान केन्द्र मण्डोर, जोधपुर पर 460 किलोवाट (प्रत्येक इकाई पर 120 किलोवाट) क्षमता के सौर ऊर्जा संयन्त्रों की स्थापना की गई।

1.4.4.4 बुनियादी ढांचे का विकास

1. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण दिनांक 24.04.2018 को माननीय् मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया के द्वारा किया गया।
2. कृषि महाविद्यालय, नागौर का 11.0 करोड़ की लागत से नवनिर्मित भवन लोकार्पण के लिए तैयार हैं।
3. कृषि महाविद्यालय, मण्डोर–जोधपुर की पहले चरण में निर्मित भवन लोकार्पण के लिए तैयार हैं।
4. कृषि विज्ञान केन्द्र, मौलासर, फलोदी और गुडामलानी के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन लोकार्पण/समर्पण के लिए तैयार हैं, जिनकी प्रत्येक की लागत मद 142 लाख रूपये (शत् प्रतिशत) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा दिया गया है।
5. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कौशल विकास केंद्र के भवन का निर्माण कार्य कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में मण्डोर स्थित जीटीसी फार्म में शुरू हुआ।
6. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र (ATIC) के भवन का निर्माण कार्य कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में अपने मण्डोर स्थित जीटीसी फार्म में शुरू हुआ।
7. कृषि महाविद्यालय, मण्डोर–जोधपुर में कन्या छात्रावास का निर्माण कार्य शुरू हुआ।
8. कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन में कृषि सहकारिता विभाग के बीज हब के तहत निर्मित बीज भंडारण एवं बीज प्रसंस्करण सह ग्रेडिंग सुविधा का उद्घाटन केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री सी.आर. चौधरी ने किया।
9. कृषि अनुसंधान केन्द्र, जालोर में वर्ष 2018 में कृषि सहकारिता विभाग के बीज हब के तहत निर्मित बीज भंडारण एवं बीज प्रसंस्करण सह ग्रेडिंग सुविधा उद्घाटन के लिए तैयार हैं।
10. कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर में बीज संग्रहण और बीज प्रसंस्करण सह ग्रेडिंग सुविधा का निर्माण किया गया।

1.4.5 गाँव गोद कार्यक्रम

माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के निर्देशानुसार एक गाँव गोद लेकर उसे स्मार्ट गाँव में परिवर्तित करने हेतु कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा जोधपुर जिले के लूणी गाँव को ग्राम गोद कार्यक्रम के अन्तर्गत गोद लेकर स्मार्ट गाँव के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस गाँव में विभिन्न कार्यक्रमों के तहत विभिन्न कार्य किये गये हैं जैसे कि पौध रोपण अभियान के तहत पौध रोपण पर कृषक प्रशिक्षण, पौध संरक्षण पर कृषक प्रशिक्षण, स्वच्छ भारत अभियान, किसान गोष्ठी एवं जैविक खेती पर कृषक समूह का गठन।

1.4.6 नवीन योजनाऐं/नीतियाँ/नवाचार

1. कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को बाजरा पर दो बीज हब एक संकर बाजरा के नर व मादा की पैतृक लाइनों के प्रजनक बीज के उत्पादन के लिए तथा दूसरा डी.ए.सी. द्वारा कृषि अनुसंधान केन्द्र मण्डोर में संकर बीज उत्पादन के लिए आवंटित किये गये हैं, जिसमें लगभग 2.0 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई हैं।

2. तिलहन पर दो बीज हब, एक तिल पर कृषि अनुसंधान उप केन्द्र सुमेरपुर को और एक मूंगफली पर कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को आवंटित किये गये हैं, जिसमें 3.0 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया हैं।

3. दालों पर एक और बीज हब कृषि अनुसंधान उप केन्द्र सुमेरपुर में कृषि विश्वविद्यालय को डी.ए.सी. द्वारा आवंटित किया गया हैं जिसमें 1.5 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

4. कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर ने अनुसंधान और शिक्षा के क्षेत्र में भाभा आणविक अनुसंधान केन्द्र, मुंबई के साथ समझौता (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए हैं। एम.ओ.यू. के तहत भाभा आणविक अनुसंधान के साथ उत्तपरिवर्तन प्रजनन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए अगले 5 वर्षों में कृषि अनुसंधान को 50.0 लाख रूपये का वित्त पोषण मिलेगा।

5. कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को "ऑर्फन लेग्यूम्स" पर एक संस्थागत परियोजना में भागीदार के रूप में शामिल किया गया हैं, जिसे किर्क हाऊस ट्रस्ट, डी.ए.आर.ई. (एन. बी.पी.जी.आर) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यह परियोजना भारत और अफ्रीकी देशों के बीच "ऑर्फन लेग्यूम्स" के विकास के लिए काम करेगी।

6. चार फसलों क्रमशः गेहूँ, सरसों, दालें व औषधीय पौधों पर वोलन्टियर परीक्षण केन्द्र स्वीकृत किए गये हैं।

7. बायोवर्सिटी इन्टरनेशनल/वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को 32,400 अमरीकी डॉलर निधि की एक सहयोगी परियोजना स्वीकृति की गई।

8. कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने श्री साईं सद्गुरु सीड्स, हैदराबाद, श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज, कुरनूल, आन्ध्रप्रदेश और सम्पूर्ण सीड्स, अदोनी, आन्ध्रप्रदेश के साथ हाइब्रिड बाजरा के बीज उत्पादन को बढ़ाने के लिए गैर–विशिष्ट सहमति ज्ञापन निष्पादित किया गया है।

9. राष्ट्रीय उच्च शिक्षा परियोजना (एन.ए.एच.ई.पी.) के तहत अगले 3 वर्षों में कृषि विश्वविद्यालय के तीनों महाविद्यालयों में बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, कक्षाओं और संकाय के सुधार को मजबूत करने के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी मोड में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को 5.0 करोड़ रूपये मंजूर किए गए हैं।

10. वर्तमान शैक्षिक सत्र 2018 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में दो और विषयों में मास्टर डिग्री यानी प्लांट पैथोलॉजी और फूड टेक्नोलॉजी में शुरू की गई है।

11. वर्तमान शैक्षिक सत्र से तीन विषयों आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन, शस्य विज्ञान और बागवानी में विद्या वाचस्पति कार्यक्रम शुरू किया गया है।

12. अखिल भारतीय अनार उत्पादक संघ के सहयोग से कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर (जोधपुर) में 3–4 अक्टूबर, 2018 को "अनार" पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 300 अनार उत्पादकों ने भाग लिया।

13. कृषि अनुसंधान केन्द्र, जालोर में 22 अक्टूबर, 2018 को "अनार" पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 100 से अधिक अनार उत्पादकों ने भाग लिया।

14. कृषि विज्ञान केन्द्र, जालोर में 22 अक्टूबर, 2018 को जालोर जिले के डीलर्स हेतु डिलर्स डिप्लोमा कोर्स शुरू किया गया।

15. कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधुपर में जोधपुर जिले के डीलर्स हेतु डिलर्स डिप्लोमा कोर्स 28 अक्टूबर, 2018 को शुरू किया गया।

2. अनुसन्धान निदेशालय

2.1 संस्थागत ढांचा

कृषि अनुसंधान निदेशालय का मुख्य कार्य प्रयोगों की योजना, समन्वय, निगरानी एवं आवश्यकता जनित कृषि उत्पादन प्रौद्योगिकी का विकास करना हैं। इस हेतु कृषि जलवायु खण्ड की कृषि आवश्यकताओं के अनुसार शोध कार्य किये जा रहे हैं। अनुसंधान कार्य के लिए निदेशालय विभिन्न स्त्रोतों से वित्तीय सहायता के लिए प्रयास करता है।

2.2 कार्यक्षेत्र व प्रमुख कार्य

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के क्षेत्राधिकार में 6 जिले आते हैं। जिसमें कृषि जलवायवीय खण्ड 1 अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) में बाड़मेर व जोधपुर जिले, खण्ड 2 ब (लूणी नदी का अंतर्वर्ती मैदानी क्षेत्र) में पाली, सिरोही व जालोर जिले तथा खण्ड 2 अ (अंतर्क्षेत्रीय जलोत्सरण के अंतर्वर्ती मैदान क्षेत्र) में नागौर जिला शामिल हैं। निदेशालय के प्रत्येक केन्द्र एवं उप केन्द्र के लिए उस क्षेत्र की कृषि परिस्थितियों को मध्यनजर रखते हुए नेतृत्व एवं सत्यापीकरण उत्तरदायित्व निर्धारित हैं।

2.3 अनुसंधान निदेशालय के प्राथमिक कार्य क्षेत्र इस प्रकार है

- प्रमुख खरीफ एवं रबी फसलों की उपयुक्त किस्मों की पहचान, विकास व उन्नत उत्पादन तकनीक विकसित करना।
- विभिन्न फसलों के लिए दबाव सिंचाई प्रणाली का स्वचलनीकरण करना।
- विभिन्न सब्जियों, मसालों एवं औषधीय फसलों में जैविक कृषि तकनीक विकसित करना।
- बागवानी फसलों के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकी का विकास करना।
- कृषि जैव विविधता संरक्षण एवं प्रबंधन हेतु कार्य करना।
- विभिन्न कृषि क्रियाओं का मशीनीकरण कर लागत कम करना।
- प्रजनन एवं उन्नत बीज उत्पादन करना।

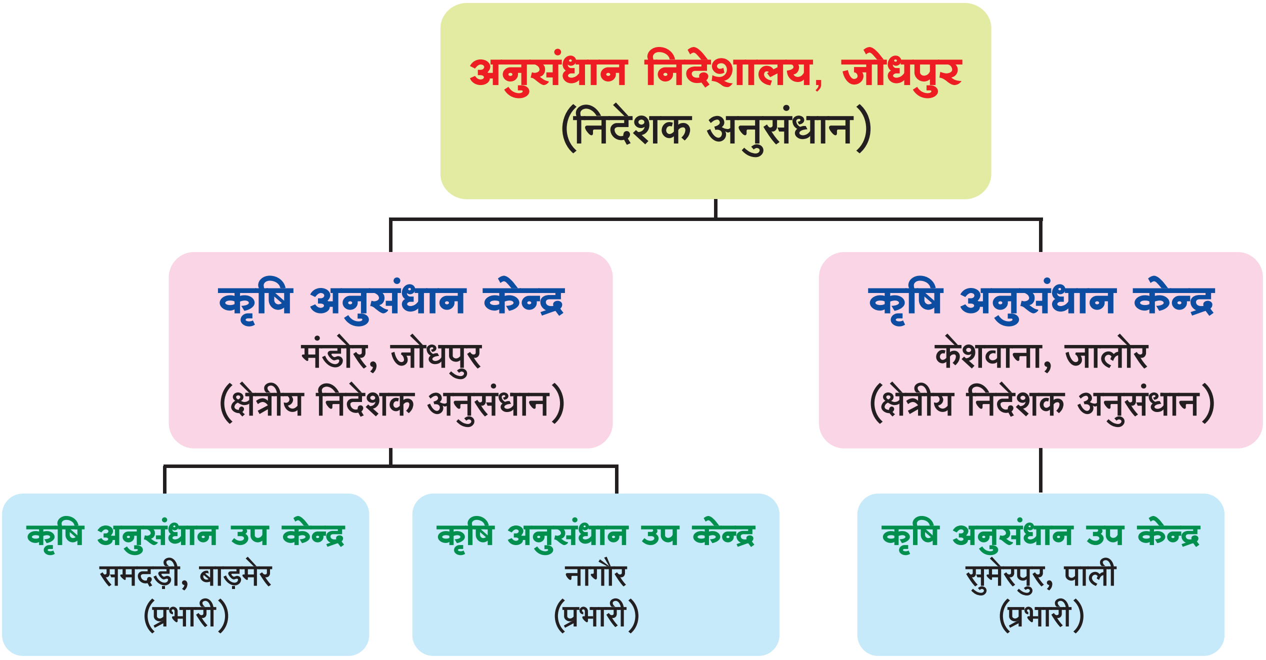

2.4 प्रमुख उपलब्धियाँ

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड.आर.ई.ऐ.सी.), आवश्यकता आधारित अनुसंधान कार्यक्रमों की योजना बनाने और उत्पादन सिफारिशों को अंतिम रूप देने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करती है। जेड.आर.ई.ऐ.सी. द्वारा राज्य के कृषि जलवायु खंड 1 अ व 2 ब के पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज हेतु सिफारिश की गई प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नलिखित हैः–

2.4.1 खरीफ 2018

1. मूंग में खरपतवारों का प्रबंधन करने के लिए सोडियम ऐसीफ्लोरफेन 16.5 प्रतिशत + क्लोडिनाफॉप प्रोपार्जिल 8 प्रतिशत का 187.5 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 15–20 दिनों बाद छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।
2. मूंग की बीज उपज में वृद्धि हेतु फूल आने की अवस्था पर एनपीके (18:18:18) का 2 प्रतिशत घोल का पर्णीय छिड़काव करना प्रभावी पाया गया।
3. तिल में मैक्रोफोमिना तना व जड़ गलन रोग की रोकथाम हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी + स्यूडोमोनास फ्लोरोसेंस 10 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार व बुवाई के समय प्रत्येक की 2.5 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से 100 किलोग्राम गोबर की खाद व 250 किलोग्राम नीम की खली में मिलाकर प्रयोग करना प्रभावी पाया गया।

2.4.2 रबी 2018–19

1. निम्नलिखित किस्मों को पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज में शामिल किया गया–

- गेहूँ – डी.बी.डब्ल्यू. 88, एम.पी. 1201, डब्ल्यू.एच. 1124, एच.आई. 8713 और डी.बी.डब्ल्यू. 90
- चना – जी.एन.जी. 2144
- सौंफ – जी.एफ. 12
- मेथी – ए. एफ. जी. 1

2. जीरे में प्लावन विधि से सिंचाई के साथ शत प्रतिशत अनुशंसित उर्वरकों की खुराक देने की तुलना में फर्टिगेशन विधि से आईडब्ल्यू/सीपीई अनुपात 0.6 पर बूंद–बूंद सिंचाई के साथ 80 प्रतिशत अनुशंसित उर्वरकों की खुराक देना प्रभावी पाया गया।
3. बेर में कटाई–छटाई (प्रुनिंग) का उत्तम समय 15 जून पाया गया जिससे फलों की अधिक उपज व गुणवत्ता प्राप्त की गई।
4. चने में खरपतवार नियंत्रण हेतु पेन्डीमेथालिन 30 ई.सी. का 750 ग्राम सक्रिय तत्व प्रति हैक्टर के हिसाब से प्रयोग करना प्रभावी पाया गया। (खण्ड 2 ब)
5. चने में फली छेदक कीट नियंत्रण हेतु फ्लुबेन्डामाइड 20 प्रतिशत डब्ल्यु. जी. का 250 ग्राम प्रति हेक्टर अथवा इमामेक्टीन बेन्जोएट 5 प्रतिशत एसजी का 220 ग्राम प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करना प्रभावी पाया गया। (खण्ड 2 ब)
6. प्रमुख रबी फसलों में जड़ गलन व उकटा रोगों के नियंत्रण हेतु ट्राईकोडर्मा व स्युडोमोनास प्रत्येक प्रजाति की 3 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टर के हिसाब से 100 किग्रा. गोबर की खाद में अथवा प्रत्येक की 5 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टर के हिसाब से 100 किलोग्राम वर्मीकम्पोस्ट में मिलाकर प्रयोग करना प्रभावी पाया गया।
7. प्रमुख रबी कीटों जैसे सैनिक कीट, पाईरिला, चना फली छेदक व झिंगूर के नियंत्रण हेतु क्युनालफॉस 1.5 डीपी का 25 किग्रा. प्रति हेक्टर से हिसाब से प्रयोग करना प्रभावी पाया गया।

2.4.3 तिल की नई उन्नत किस्म आर.टी. 372 विकसित

आर.टी. 372 ज्यादा बीज और उच्च तेलयुक्त एक सफेद बीज वाली तिल की किस्म है। इसकी औसत बीज उपज 610 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर और तेल उपज 321.1 किलो प्रति हेक्टेयर है। यह अल्टररिया पत्ती धब्बा, जीवाणु पत्ती धब्बा और

तिल किस्म आर.टी. 372

पाउडरी फफूंदी रोग के लिए प्रतिरोधी है। यह किस्म पत्ती मोड़क कीट और कैप्सूल बोरर (एंटीगास्ट्रा) के लिए मामूली प्रतिरोधी है। आर.टी. 372 औसतन 87 दिनों में परिपक्व होती है तथा 41 दिनों में फूल आ जाते है। बीज, तेल उपज और रोग प्रतिरोध के गुणों को देखते हुए, आर.टी. 372 को देश के जोन – 1 में खरीफ मौसम की वर्षा पोषित स्थिति के लिए राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों के कुछ हिस्सों में उगाने हेतु विकसित व चिन्हित की गई।

2.4.4 नवीन क्षमतावान फसलों पर अनुसंधान कार्य

विभिन्न क्षमतावान फसलों जैसे असालिया, चिया, किनोवा व ड्रैगन फल पर प्रारम्भिक परीक्षण प्रारम्भ किया गया। असालिया के 12 जिनोटाइप व चिया के 24 जिनोटाइप में से अच्छे प्रदर्शन के आधार पर जिनोटाइप की छंटनी की गयी। अन्तिम परिणाम उपरान्त इन फसलों की उपयुक्त किस्मों की सिफारिशें की जा सकेगी।

2.5 बीजीय मसालों पर सी.एस.एस. परियोजना

सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय (कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार) कालीकट, केरल द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित योजना, जो कि केन्द्रीय प्रायोजित योजना–मिशन फॉर इन्टीग्रेटेड होर्टीकल्चर डवल्पमेन्ट के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर पर संचालित की जा रही है। इस योजना के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:–

- बीजीय मसालों का उन्नत बीज उत्पादन तथा वितरण।
- बीज विधायन तथा भण्डारण हेतु बुनियादी ढाँचा विकसित करना।
- अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा प्रौद्योगिकी का प्रसार–प्रचार।
- प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमीनार, कार्यशाला तथा किसान गोष्ठी इत्यादि का आयोजन कर उन्नत तकनीकी का प्रचार–प्रसार करना।

भूरा चिया फसल परीक्षण

भूरा चिया फसल परीक्षण

असालिया फसल परीक्षण

ड्रैगन फल का पौधा

उक्त उद्देश्यों के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा बीजीय मसालों पर कार्य किया जा रहा हैं। जिसका वर्ष 2018–19 में प्रगति विवरण निम्नलिखित हैंः–

- योजना के अंतर्गत बीजीय मसालों का उच्च गुणवत्तायुक्त बीजोत्पादन विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर किया गया जिनकी मात्रा निम्नानुसार हैं–

- अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों द्वारा बीजीय मसालों की उन्नत कृषि तकनीकों का प्रचार–प्रसार करने हेतु जीरे के 15 प्रदर्शन व मैथी के 40 प्रदर्शन सहित कुल 55 हेक्टेयर क्षेत्र में लगाये गये। किसानों को विभिन्न आदान जैसे बीज, उर्वरक, खरपतवारनाशी, कीटनाशी, फफूंदनाशी इत्यादि प्रदान किये गये।

क्र. सं.	केन्द्र	बीज उत्पादन (क्विंटल)					
		जीरा	मैथी	धनिया	सौंफ	कलोंजी	सुवा
1.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर	25.0	7.0	–	–	–	0.5
2.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, केशवाना–जालोर	22.6	16.5	–	–	–	–
3.	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर–पाली	–	28.3	13.78	3.4	0.6	–
4.	कृषि महाविद्यालय, मण्डोर	10.5	–	–	–	–	–
	कुल	58.1	51.8	13.78	3.4	0.6	0.5

जीरा व मैथी के 2017–18 के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों के लिए किसानों को आदान वितरण

- जीरे व मैथी की उन्नत फसलोत्पादन तकनीक अपनाकर उत्पादन बढ़ाने हेतु किसानों को जानकारी प्रदान की गई। इन प्रदर्शनों में जीरे की 21.1 प्रतिशत व मैथी की 19.3 प्रतिशत अधिक उत्पादकता दर्ज की गई।
- बीजीय मसाला फसलों की उन्नत तकनीक का प्रचार–प्रसार करने हेतु चार कृषक प्रशिक्षण शिविरों {कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर–जोधपुर (1), बिलाड़ा (1), डूंधाड़िया (Dundhadiaa)–ओंसिया (1) व कदम कदमनी भुरयासनी (Kadam Kadamni Bhuryasni)–मेड़ता सिटी (1)} का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में कुल 401 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्नत कृषि क्रियाओं की जानकारी प्राप्त की।

विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते प्रतिभागी कृषकगण

2.6 परियोजना समन्वय इकाई (बाजरा), ए.आई.सी.आर.पी. बाजरा परियोजना

अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना के परियोजना समन्वयक का मुख्यालय कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर पर स्थित हैं। इस परियोजना का शत प्रतिशत बजट भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित है।

- डॉ. टी. महापात्रा, महानिदेशक ने दिनांक 1 अक्टूबर, 2018 को भा.कृ.अ.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, मण्डोर तथा किसान प्रेक्षेत्रों का भ्रमण किया एवं परियोजना का अवलोकन किया।

बाजरा फसल का अवलोकन करते माननीय कुलपति, परियोजना समन्वयिका व महानिदेशक

- भा.कृ.अ.प.–अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना मण्डोर द्वारा दिनांक 24 सितम्बर 2018 को DUS परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया।
- भा.कृ.अ.प. – अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना मण्डोर द्वारा दिनांक 25 सितम्बर 2018 को जनन द्रव्य प्रक्षेत्र दिवस रखा गया।
- पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण निगरानी टीम द्वारा दिनांक 11 अक्टूबर 2018 को DUS परीक्षण प्रक्षेत्रों का अवलोकन किया गया।

शस्य विज्ञान

- वर्ष 2018–2019 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ. एस.एम) कार्यक्रम के तहत कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा इस परियोजना के अंतर्गत 320 हैक्टेयर में अग्र पंक्ति प्रदर्शन राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, मध्यप्रदेश, उतरप्रदेश, महाराष्ट्र कर्नाटक, आंध्रप्रदेश एवं तमिलनाडु राज्यों में सफलतापूर्वक लगाये गये ।

DUS परीक्षण प्रक्षेत्र का अवलोकन

- बायोवर्सिटी इन्टरनेशनल के तहत बाजरे की विभिन्न किस्मों यथा कृषकों से प्राप्त किस्मों एवं विभिन्न Landraces को कृषकों के खेत एवं परियोजना फार्म पर प्रदर्शन एवं अनुसंधान हेतु लगाये गये।
- अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना मण्डोर द्वारा शस्य विज्ञान से सबन्धित 05 प्रयोग बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलतापूर्वक लगाये गये।

DUS परीक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम

बाजरा जनन द्रव्य प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम

पादप प्रजनन

- परियोजना द्वारा विगत वर्ष में नौ किस्में क्रमशः पूसा 1201, बी.एच.बी 1202, बलवान (एन.बी.एच 4903) (राजस्थान के लिए), जी.के. 1116, आर.एच.बी. 223, एच.एच.बी. 299, पी.बी. 1705, ए.एच.बी. 1200, एन.बी.एच. 4903 (महाराष्ट्र, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तेलगांना एवं तमिलनाडू) को भारत सरकार द्वारा अधिसूचित की गई तथा आठ किस्में क्रमशः पी.बी. 1756, डी.एच.बी.बच. 1397, पी.बी. 1720, एम.पी. 7878, एच.एच.बी. 311, आर.एच.बी. 234, ए.एच.बी.1269, आर.एच.बी. 233 अधिसूचना के लिए स्वीकृत की गई।
- DUS परीक्षण के अन्तर्गत 41 प्रविष्टियाँ 26 विभिन्न लक्षणों के लिए परियोजना मण्डोर एवं महात्मा फूले कृषि विद्यापीठ, राहुरी में लगाई गई।
- अखिल भारतीय बाजरा अनुसंधान परियोजना–मण्डोर द्वारा पादप प्रजनन से संबधित 150 प्रयोग बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर सफलता पूर्वक लगाऐ गये।

पादप व्याधि विज्ञान

- वर्ष 2018 में परियोजना द्वारा पादप व्याधि विज्ञान के प्रयोगों के तहत कुल 339 संकर किस्म/पैतृक पंक्तियों का (Parental Line) बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रों पर परीक्षण किया गया।

पादप कार्यिकी

- वर्ष 2018 में परियोजना द्वारा पादप कार्यिकी विभाग से संबधित 6 प्रयोग बाजरा उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्यों के अनुसंधान केन्द्रो पर सफलता पूर्वक लगाये गये।

उन्नत किस्मों का विकास

- बाजरा परियोजना द्वारा विकसित उन्नत संकर किस्म MPMH-21 विकसित की गई हैं, जो राजस्थान, हरियाणा एवं गुजरात प्रदेश के सूखाग्रस्त क्षेत्र के लिए उपयुक्त हैं। यह संकर किस्म जल्दी पकाव अवधि वाली, पकने के समय तक हरी रहने वाली तथा जोगियां एवं अन्य रोगों से रोधक हैं। इसकी औसत उपज 25 क्विंटल प्रति हैक्टेयर तथा सूखे चारे की उपज 48 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हैं।

2.7 क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड.आर.ई.ऐ.सी.) की बैठकें

- क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेड.आर.ई.ऐ.सी.) खरीफ–2018 की बैठक दिनांक 15 व 16 मार्च, 2018 को आयोजित की गई। इस बैठक में कृषि जलवायु खण्ड 1 अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) व खण्ड 2 ब (लूणी नदी का अन्तर्वर्ती मैदान क्षेत्र) में स्थित राज्य कृषि विभाग के अधिकारियों व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- क्षेत्रीय अनुसंधान एवं विस्तार सलाहकार समिति (जेडआरईऐसी) रबी–2018–19 खण्ड 1 अ की बैठक दिनांक 17–18 सितम्बर, 2018 को तथा खण्ड 2 ब की बैठक दिनांक 10–11 सितम्बर 2018 को आयोजित की गई। इस बैठक में क्रमशः कृषि जलवायु खण्ड 1 अ (शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र) व खण्ड 2 ब (लूणी नदी का अन्तर्वर्ती मैदान क्षेत्र) में स्थित राज्य कृषि विभाग के अधिकारीयों व कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

2.8 कार्यशाला/प्रशिक्षणों का आयोजन

- कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर–जोधपुर पर आत्मा परियोजना के अंतर्गत 11 कृषक प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। जिसमें 320 प्रगतिशील किसानों के भाग लिया। इन प्रशिक्षणों में तीन अन्तर्राज्य प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर–जोधपुर पर आत्मा परियोजना के अंतर्गत 15–16 नवम्बर 2018 को दो दिवसीय कृषक–वैज्ञानिक संवाद का आयोजन किया गया। जिसमें जिले के 25 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।
- कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर–जोधपुर पर अखिल भारतीय समन्वित तिल अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत 27–28 सितम्बर 2018 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें 17 प्रसार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

क्र.सं.	प्रशिक्षण विवरण	दिनांक	कुल प्रशिक्षणार्थी
अ.	अन्तर्राज्य प्रशिक्षण		
1.	समन्वित कृषि पद्धति (मंदसौर, मध्यप्रदेश)	8–12 जनवरी, 2018	20
2.	समन्वित कृषि पद्धति (सीहोर, मध्यप्रदेश)	17–21 जनवरी, 2018	30
3.	समन्वित कृषि पद्धति (सीहोर, मध्यप्रदेश)	18–22 अगस्त, 2018	30
ब.	राज्य प्रशिक्षण		
1.	सब्जियों में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन एवं बीजोपचार	22–23 जनवरी, 2018	30
2.	रबी दलहन फसलों का प्रबन्धन एवं पौध संरक्षण	1–2 फरवरी, 2018	30
3.	रबी फसलों में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन एवं पौध संरक्षण	5–6 फरवरी, 2018	30
4.	जीरा, सौंफ एवं ईसबगोल की फसल में ड्रिप सिंचाई पद्धति की स्थापना, लाभ एवं प्रबन्धन	8–9 फरवरी, 2018	30
5.	फल उद्यानों का संस्थापन एवं प्रबन्धन	12–13 जुलाई, 2018	30
6.	वर्षाकालीन फल एवं सब्जियों का परिरक्षण	17–18 जुलाई, 2018	30
7.	वर्षा ऋतु में पशुओं की देखभाल, सामान्य बीमारियों से बचाव के उपाय एवं प्रबन्धन	19–20 जुलाई, 2018	30
8.	खरीफ दलहन फसलों में खरपतवार प्रबन्धन	30–31 जुलाई, 2018	30

2.9 परियोजनाओं की स्वीकृत राशि

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में वर्ष 2018–19 के लिए कुल 550.0 लाख रूपये प्राप्त किये गये।

- अच्छी गुणवत्ता युक्त बीज की उपलब्धता में वृद्धि के लिए आईसीएआर द्वारा निम्नलिखित बीज हब स्वीकृत किए गये।
- चार फसलों क्रमशः गेहूँ, सरसों, दालें व औषधीय पौधों पर वोलन्टियर परीक्षण केन्द्र स्वीकृत किए गये हैं।
- बायोवर्सिटी इन्टरनेशनल/वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को 32,400 अमरीकी डॉलर निधि की एक सहयोगी परियोजना स्वीकृत की गई।
- कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने श्री साईं सद्गुरु सीड्स, हैदराबाद, श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर बीज, कुरनूल, आन्ध्रप्रदेश

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल स्वीकृत राशि (लाखों में)
1.	Establishment of Kisan Kausal Vikas Kendra: A model for Agricultural University	196.09
2.	Establishment of ATIC and development of digital library cum Information Technology (IT) tool based interactive system for farmers training and benefit at Agriculture University, Jodhpur	106.33
3.	Strengthening of seed processing and grading facility for quality seed production to enhance agricultural productivity of arid and semi-arid regions of Rajasthan	118.36
4.	Studies on cropping sequence and intercropping modules to minimize risk incurred in cumin cultivation for the benefit of growers	16.66
5.	Development of integrated farming system models for small farm holders and tribal farmers of district Sirohi	35.65
6.	An Approach Towards to Farmers Income Enhancement in Barmer District of Rajasthan	76.91
	योग	550.0

क्र.सं.	केन्द्र	फसल	परियोजना लागत (लाख रुपये)
1.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, केशवाना, जालोर	दालें	150
2.	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर	दालें	150
3.	कृषि अनुसंधान उप केन्द्र, सुमेरपुर	तिल	150
4.	कृषि अनुसंधान केन्द्र,,मण्डोर	बाजरा (ए, बी व, आर लाइनें)	70
5.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर	बाजरा (संकर)	विचाराधीन
6.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर	मूंगफली	विचाराधीन
7.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन	दालें	150

और सम्पूर्ण सीड्स, अदोनी, आन्ध्रप्रदेश के साथ हाइब्रिड बाजरा के बीज उत्पादन को बढ़ाने के लिए गैर–विशिष्ट सहमति ज्ञापन निष्पादित किया।

- विश्वविद्यालय ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) निष्पादित किया। जिसके अन्तर्गत भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई द्वारा विश्वविद्यालय को विभिन्न सहयोगी शोध गतिविधियों और प्रयोगशाला सुविधाओं के लिए लगभग 50 लाख रूपये की सहायता प्रदान की जायेगी।

2.10 स्वच्छता और पादप स्वच्छता प्रयोगशाला

- विगत एक वर्ष में स्वच्छता और पादप स्वच्छता प्रयोगशाला में कई जाँचें की गई। स्वस्तिक एंटरप्राइजेज द्वारा दिये गये आठ मूँगफली के नमूनो में पादप रोगों व कीटों की जाँच की गई। स्नातक व स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षण कराये गये। शोधार्थियों को शोध कार्य कराया गया, जिसमें जीरा व सौंफ का वाष्पीकृत तेल निकाला गया। चिया के 24 जननद्रव्य लाइनों का कुल तेल ज्ञात किया गया। इसी तरह तिल के नमूनों में भी कुल तेल ज्ञात किया गया। करेलो के नमूनों में भी कुल प्रोटीन व कार्बोहाइड्रेट ज्ञात किया गया और ककोडो (स्पाइन गार्ड) में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, नमी, राख का परीक्षण किया गया। बाजरे में कुल क्लोरोफिल व तनाव एंजाइम की जाँच की गई।

2.11 सम्मान / पुरस्कार

- भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (फिक्की) द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को कृषि के क्षेत्र में सराहनीय कार्यो हेतु पुरस्कृत किया गया। कृषि

विश्वविद्यालय, जोधपुर को पिछले ढ़ाई वर्ष में कृषि के क्षेत्र में रसायनों एवं प्लास्टिक के सही उपयोग हेतु किसानों के मन में सार्वजनिक धारणा में परिवर्तन लाने हेतु किये गये सराहनीय कार्यो हेतु पुरस्कृत किया गया। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को यह पुरस्कार माननीय कुलपति डॉ बलराज सिंह के द्वारा पिछले ढ़ाई वर्षो से किये जा रहे अथक प्रयासों एवं विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किये गये संयुक्त प्रयासों के फलस्वरूप प्राप्त हुआ है। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को यह पुरूस्कार दिनांक 4.10.2018 को भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल महासंघ (फिक्की) द्वारा मुंबई में आयोजित दो दिवसीय अर्न्तराष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया।

2.12 वैज्ञानिक सम्मेलन / कार्यशाला में वैज्ञानिकों की भागीदारी

1. Dr. S. R. Kumhar, Dr. M. M. Sundria, Dr. Moola Ram, Dr. Ramesh, Dr. Neelam Geat and Dr. Mamta Nehra participated in 53rd Annual Group Meeting of ICAR-All India Coordinated

Research Project on Pearl Millet Agriculture University, Jodhpur held at ARS, Mandor from March 22nd to 24th, 2018.

2. Dr. S. R. Kumhar, Dr. M. M. Sundria, Dr. Moola Ram, Dr. Ramesh, Dr. Neelam Geat and Dr. Rakesh Kumar participated in Annual Group Meeting on Sunflower and Sesame & Niger and Castor, 2018 held at IIOR, Hyderabad from 17-19th May, 2018.

3. Dr. S. R. Kumhar, Dr. M. M. Sundria, Dr. Moola Ram, Dr. Ramesh and Dr. Neelam Geat attended 6th QRT meeting of AICRP on Sesame and Castor held at AAU, Anand, Gujarat on 16th July, 2018.

4. Dr. M. M. Sundria participated and delivered lecture entitled on "Emphasis of insect pest management of Onion and garlic through organic practices" in Seminar entitled on "Improved production technologies and value chain management of onion and garlic for uplifting farmer's income in Rajasthan" held from 13-14 April, 2018.

5. Dr. M. M. Sundria participated and delivered lecture entitled on "Insect pest management in spices crops" in "Western Region Farmers" Fair held from 28-31st January, 2018.

6. Dr. M. L. Mehriya participated in 12th Annual Review Meeting of the schemes on spices & aromatic plants under MIDH implemented through DASD held at IGKV, Raipur (Chhatisgarh) from June 26-27, 2018.

7. Dr. M. L. Mehriya participated in Annual Group Meeting of 29th All India Coordinated Research Project on Spices (AICRPS-XXVII) held at Dr.YSPUH&F, Solan, HP from Oct., 03-06, 2018.

8. Dr. Manish Kumar, Asstt. Prof. (Plant Pathology), Dr. Neelam Geat, Asstt. Prof. (Plant Pathology), Dr. Shalini Pandey, Asstt. Prof., (Entomology), Dr. Ramesh, Asstt. Prof., (GPB) & Dr. Rahul Bhardwaj, Asstt. Prof. (PBG) participated in orientation course on 'Agricultural Education, Research and Extension Management' at Agriculture University, Jodhpur during 11 June to 01 July, 2018.

9. Dr. Rahul Bhardwaj, Asstt. Prof. (GPB) participated in 5th Rabi Gorup Meet of All India Coordinated Research Network Project on Potential Crops held at PAU, Ludhiana on 10th Sept., 2018.

10. Dr. Ramesh, Asstt. Prof. (GPB) participated in 28th Gorup Meet of All India Coordinated Research Network Project on Potential Crops held at CSK HPKV, Palampur (HP) during 27-28 April, 2018.

2.13 प्रकाशन

1.	अनुसंधान पत्र	–	7
2.	पुस्तक	–	1
3.	लोकप्रिय लेख	–	4
4.	भाषण प्रस्तुति	–	2

2.14 बीज उत्पादन

कृषि विश्वविद्यालय अपने अधीनस्थ विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों/संस्थानों, कृषि विज्ञान केन्द्रों पर खरीफ, रबी व जायद में विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के प्रजनक बीज व सत्यापित बीज के उत्पादन से विधायन तक के कार्य की देख रेख करता है। साथ ही जहाँ आवश्यकता हो वहाँ पर विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के आधार बीज व प्रमाणित बीज उत्पादन कार्य की देखरेख भी करता है। विश्वविद्यालय यहाँ उत्पादित उन्नत बीज (प्रजनक बीज) अन्य बीज उत्पादन संस्थानों जैसे राजस्थान राज्य बीज निगम, राष्ट्रीय बीज निगम तथा निजी बीज उत्पादन करने वाली कम्पनियों को उपलब्ध करवाता है तथा साथ ही अनुसंधान संस्थान व कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से राज्य के किसानों को सत्यापित बीज उपलब्ध करवाने का कार्य करता है। विश्वविद्यालय की वर्ष 2017–18 में बीज उत्पादन प्रगति निम्नानुसार है–

प्रजनक बीज उत्पादन

खरीफ 2017 में तिल का 2.50 क्विंटल एवं बाजरा का 8.85 क्विंटल (तालिका 1) बीज उत्पादित किया गया।

तालिका 1. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2017 में प्रजनक बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र मण्डोर	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कुल बीज
बाजरा	एम.पी.एम.एच. 17 (मादा पैतृक) आई.सी.एम.ए. 04999	4.65	–	4.65
	एम.पी.एम.एच. 17 (नर पैतृक) एम.आई.आर. 525–2	–	2.25	2.25
	एम.पी.एम.एच. 21 (मादा पैतृक) आई.सी.एम.ए. 93333	1.15	–	1.15
	एम.पी.एम.एच. 21 (नर पैतृक) एम.आई.आर. 524	–	0.80	0.80
	कुल बीज उत्पादन	5.80	3.05	**8.85**
तिल	आर.टी. 346	0.30	–	0.30
	आर.टी. 351	2.20	–	2.20
	कुल बीज उत्पादन	**2.50**	–	**2.50**

सत्यापित बीज उत्पादन

खरीफ 2017 में विश्वविद्यालय के अलग–अलग केन्द्रों पर फसलों की विभिन्न किस्मों का कुल 1043.59 क्विंटल बीज (तालिका 2) उत्पादित किया गया। जिसमें मूंग 934.72 क्विंटल, मोठ 53.05 क्विंटल, ग्वार 26.16 क्विंटल तथा तिल 22.79 क्विंटल था।

अन्य फसलों का बीज उत्पादन

विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर फसलों की अलग–अलग किस्मों का रबी 2017–18 में कुल बीज 759.57 क्विंटल उत्पादित किया गया (तालिका 3) । जिसमें गेहुँ 68.31 क्विंटल, राया 19.78 क्विंटल, चना 514.43, जीरा 64.33 क्विंटल, धनियाँ 13.93 क्विंटल, सौंफ 3.40 क्विंटल, मैथी 48.08 क्विंटल, ईसबगोल 8.00 क्विंटल, मटर 18.31 क्विंटल तथा मिर्च 1.00 क्विंटल था। इसी के साथ विश्वविद्यालय के अथक प्रयासों द्वारा संकर बाजरा, एम.पी.एम.एच. 17 का जायद 2018 में 106.40 क्विंटल बीज (तालिका 4) मण्डोर, जालोर व सुमेरपुर केन्द्रों पर उत्पादित किया गया।

तालिका 2. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर खरीफ 2017 में फसलवार टी.एल. बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र / उप केन्द्र					कृषि विज्ञान केन्द्र				कृषि महा–विद्यालय, मण्डोर	कुल बीज
		मण्डोर	जालोर	सुमेरपुर	नागौर	समद.	जालोर	सिरोही	नागौर	मौलासर		
बाजरा	**एम.पी.एम.एच. 17**	–	–	–	**7.20**	–	–	–	–	**0.41**	–	**7.61**
मूंग	जी.एम. 4	22.24	18.21	46.67	–	8.09	–	–	–	–	15.50	110.71
	जी.ए.एम. 5	31.93	–	44.17	55.37	7.07	40.27	9.00	81.00	26.15	5.00	299.96
	आई.पी.एम.02–03	8.75	86.74	–	–	8.74	217.47	–	–	–	–	321.7
	एम.एच. 421	–	–	45.74	23.55	–	–	–	52.00	27.26	–	148.55
	सत्या	–	–	–	26.80	–	–	–	27.0	–	–	53.80
	कुल मूंग बीज	**62.92**	**104.95**	**136.58**	**105.72**	**23.9**	**257.74**	**9.0**	**160.0**	**53.41**	**20.5**	**934.72**
मोठ	आर.एम.ओ. 435	–	–	–	18.06	–	–	–	30.0	–	–	48.06
	सी.जेड़.एम. 2	0.30	–	–	–	3.79	–	–	–	–	–	4.09
	आर.एम.ओ. 257	0.90	–	–	–	–	–	–	–	–	–	0.90
	कुल मोठ बीज	**1.20**	–	–	**18.06**	**3.79**	–	–	**30.0**	–	–	**53.05**
ग्वार	आर.जी.एम. 112	7.23	–	–	2.63	–	–	–	–	–	–	9.86
	आर.जी.सी. 1017	–	–	–	–	–	8.07	–	–	–	–	8.07
	आर.जी.सी. 1038	–	–	–	–	–	–	–	–	8.23	–	8.23
	कुल ग्वार बीज	**7.23**	–	–	**2.63**	–	**8.07**	–	–	**8.23**	–	**26.16**
तिल	आर.टी. 346	0.30	–	–	–	–	–	–	–	–	–	0.30
	आर.टी. 351	0.50	9.02	11.27	0.96	–	–	–	–	–	–	22.49
	कुल तिल बीज	**0.80**	**9.02**	**11.27**	**0.96**	–	–	–	–	–	–	**22.79**
कुल बीज उत्पादन		**72.15**	**113.97**	**147.85**	**134.57**	**27.69**	**265.81**	**9.0**	**190.0**	**62.05**	**20.5**	**1043.59**

तालिका 3. कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों पर रबी 2017–18 में फसलवार टी.एल. बीज उत्पादन (क्विंटल)

फसल	किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र		कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कृषि महा–विद्यालय, मण्डोर	कृषि विज्ञान केन्द्र, जालोर	कुल बीज
		मण्डोर	जालोर				
गेहूँ	राज. 4083	37.63	17.57	–	–	–	55.20
	जी.डब्ल्यू. 11	13.11	–	–	–	–	13.11
	कुल गेहूँ बीज	**50.74**	**17.57**	–	–	–	**68.31**
राया	एन.आर.सी.एच.बी.101	3.24	–	–	–	–	3.24
	एन.आर.सी.डी.आर.2	6.76	–	–	–	–	6.76
	पी.एम. 26	–	–	9.78	–	–	9.78
	कुल राया बीज	**10.00**	–	**9.78**	–	–	**19.78**
चना	जी.एन.जी. 1581	–	–	78.55	–	**130.91**	209.46
	आर.एस.जी. 895	–	74.63	–	–	–	74.63
	आर.एस.जी. 974	14.40	85.23	130.71	–	–	230.34
	कुल चना बीज	14.40	**159.86**	**209.26**	–	–	**514.43**
जीरा	जी.सी. 4	**20.00**	**21.96**	–	**10.00**	**12.37**	**64.33**
धनियाँ	ए.सी.आर.1	–	–	**13.93**	–	–	**13.93**
सौंफ	ए.एफ. 2	–	–	**3.40**	–	–	**3.40**
मैथी	आर.एम.टी. 305	4.00	15.78	–	–	–	19.78
	ए.एफ.जी. 3	–	–	28.30	–	–	28.30
	कुल मैथी बीज	**4.00**	**15.78**	28.30	–	–	**48.08**
ईसबगोल	आर.आई. 1	**8.00**	–	–	–	–	**8.00**
मटर	प्रकाश	–	–	3.96	–	–	3.96
	आई.पी.एफ.डी. 10–12	–	–	8.10	–	–	8.10
	विकास	–	–	6.25	–	–	6.25
	कुल मटर बीज	–	–	**18.31**	–	–	**18.31**
मिर्च	आर.सी.एच. 1	**1.00**	–	–	–	–	**1.00**
कुल बीज उत्पादन (क्विंटल)		108.14	215.17	282.98	10.00	143.28	**759.57**

तालिका 4. कृषि विश्वविद्यालय के मण्डोर केन्द्र पर जायद 2018 में संकर बाजरा बीज उत्पादन (क्विंटल)

किस्म	कृषि अनुसंधान केन्द्र		कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर	कृषि महाविद्यालय, मण्डोर	कुल बीज
	मण्डोर	जालोर			
एम.पी.एम.एच. 17 (संकर)	39.90	11.46	36.69	9.00	106.40

बाजरा बीज उत्पादन फसल

मूंग बीज उत्पादन फसल

3 प्रसार शिक्षा निदेशालय

3.1 संस्थागत ढांचा

प्रसार शिक्षा का मुख्य ध्येय प्रशिक्षण, प्रदर्शन, कृषि सलाह व अन्य प्रसार माध्यमों से प्रभावी कृषि प्रौद्योगिकी का हस्तान्तरण कर मानव संसाधन विकास, ग्रामीण समुदाय की समृद्धि, कृषक एवं कृषक महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक उत्थान, ग्रामीण युवाओं हेतु कृषि आधारित स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। यह कार्य कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के अधीन कार्यरत प्रसार शिक्षा निदेशालय के माध्यम से 06 कृषि विज्ञान केन्द्रों के द्वारा संपादित किया जा रहा है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय का मिशन कृषकों की आय बढाना, आजीविका सुरक्षा, फसल विविधता जोखिम एवं कृषि की स्थिरता की गुणवत्ता में सुधार हेतु सामाजिक समानता एवं समावेश के साथ विकास करना।

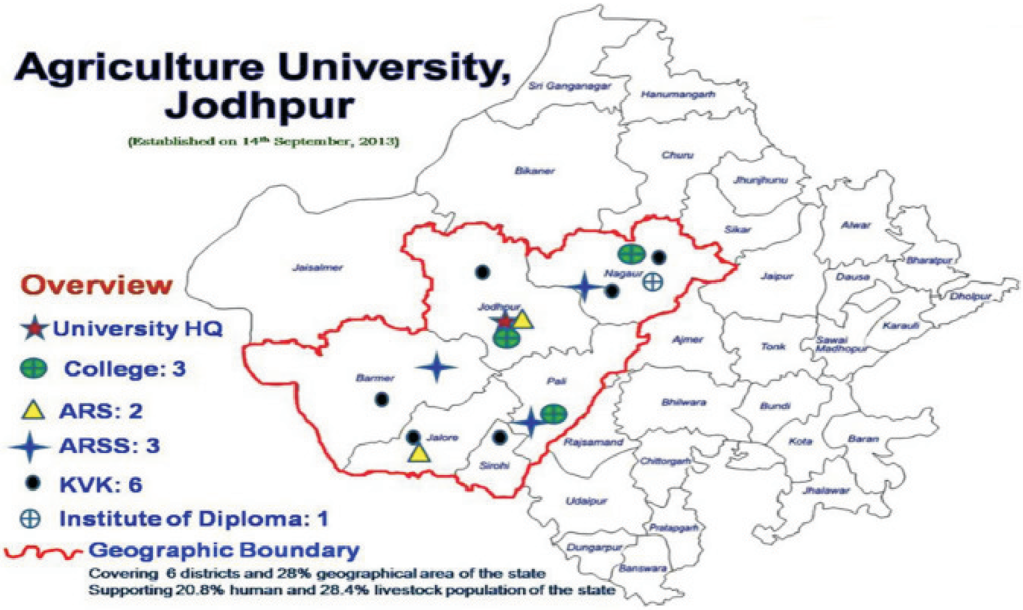

प्रसार शिक्षा

- **कार्यालय मुख्यालय**
  - प्रशासनिक इकाई (लेखा, स्थापना, भण्डार एवं यातायात)
  - तकनीकी इकाई (प्रशिक्षण, योजना, परिवेक्षण एवं मूल्यांकन)
  - परियोजना
    - फार्मर फर्स्ट प्रोग्राम
    - किसान कौशल विकास केंद्र
    - कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र
- **कृषि विज्ञान केन्द्र**
  - कृषि विज्ञान केन्द्र केशवना
  - कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही
  - कृषि विज्ञान केन्द्र अठियासन
  - कृषि विज्ञान केन्द्र फलौदी
  - कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी
  - कृषि विज्ञान केन्द्र मौलासर

3.2 प्रसार शिक्षा निदेशालय के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं–

- विश्वविद्यालय के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्रों की विभिन्न गतिविधियों का सुचारू रूप से संचालन, परिवेक्षण व मूल्यांकन करना।
- कृषकों के प्रक्षेत्रों पर नवीनतम कृषि प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रसार के लिये प्रथम पंक्ति प्रदर्शन व परीक्षण आयोजित कर उनका मूल्यांकन एवं परिष्करण करना।
- राज्य के कृषक, कृषक महिलाओं एवं विद्यालय छोड़ चुके युवा वर्ग के कृषक बालकों एवं बालिकाओं हेतु लघु एवं दीर्घ अवधि के रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण आयोजित करना।
- राज्य सरकार व गैर सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं व विभिन्न अधिकारियों के लिये अनुसंधान द्वारा विकसित तकनीकी के पाठ्यक्रम तैयार कर प्रशिक्षण देना।
- प्रौद्योगिकी के शीघ्र प्रसार हेतु कृषि साहित्य तैयार करना तथा विविध माध्यमों से कृषि सूचनाएं कृषकों तक पहुँचाना।

3.2.1 कृषि विज्ञान केन्द्र

राजस्थान राज्य के 10 कृषि जलवायु खण्ड में से में तीन कृषि जलवायु खण्ड कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सेवा क्षेत्र में आते हैं जिनमें 9 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत है।जिनमें से कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा निम्नलिखित कृषि विज्ञान केन्द संचालित किये जा रहे है :–

कृषि जलवायु खण्ड	जिला	स्थान	स्थापना वर्ष	प्रक्षेत्र फार्म (हे.)
शुष्क मैदानी पश्चिमी क्षेत्र – I अ	जोधपुर बाड़मेर	फलौदी गुड़ामालानी	2012 2012	20 20
लूनी नदी की अन्तर्वती मैदानी क्षेत्र– II ब	जालौर सिरोही	केशवना सिरोही	1985 1989	62 31
अन्तःस्थलीय जलोत्सरण के अन्तर्वती मैदान क्षेत्र– II अ	नागौर	अठियासन मौलासार	1992 2012	20 20

जबकि पाली तथा जोधपुर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों का संचालान केन्द्रीय शुष्क अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर तथा दांता–बाड़मेर का संचालान स्वयं सेवा संस्था श्योर द्वारा किया जा रहा हैं।

3.2.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर कार्यरत कार्मिकों की स्थिति

कृषि विज्ञान केन्द्रों का नाम	व. वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	विषय विशेषज्ञ	फार्म प्रबन्धक / कार्यक्रम सहायक	स्टेनो, सहायक, एवं अन्य	कुल स्वीकृत पदों की संख्या	कुल रिक्त पदों की संख्या
अठियासन	1	4	2	4	16	5
गुड़ामालानी	1	2	3	2	16	8
केशवना	0	3	3	4	16	6
मौलासर	1	4	3	3	16	5
फलौदी	1	4	3	5	16	3
सिरोही	1	4	3	5	16	3
कुल योग	**5**	**21**	**17**	**23**	**96**	**30**

3.3 प्रसार शिक्षा निदेशालय की गतिविधियाँ

3.3.1 किसान मेले का अयोजन

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर व भारत सरकार के कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के मुख्यालय पर दिनांक 28 से 31 जनवरी 2018 को पश्चिम क्षेत्रीय कृषि मेले का आयोजन किया गया। इस मेले के मुख्य अतिथि माननीय श्री सी.आर. चौधरी, केन्द्रीय राज्य मंत्री उपभोक्ता मामले, खाद्य, सार्वजनिक वितरण विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, विशिष्ट अतिथि के रूप में मिजोरम के पूर्व राज्यपाल माननीय श्री ए. आर. कोहली तथा अध्यक्षता कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डॉ. बलराज

सिंह उपस्थित थे। इस मेले में राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से लगभग 8000 कृषक व कृषक महिलाओं ने भाग लिया। कृषक को नवीनतम कृषि ज्ञान से अवगत कराने हेतु 70 कृषि प्रदर्शनीयों के साथ–साथ अनुसंधान फार्म पर सजीव प्रयोगों का भी भ्रमण कराया गया। मेला का मुख्य आकर्षण किसान गोष्ठी का आयोजन करना था जिसमें किसानों की समस्याओं का समाधान इस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया।

3.3.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र	दिनांक
कृषि विज्ञान केन्द्र अठियासन	25 अक्टूबर, 2018
कृषि विज्ञान केन्द्र गुड़ामालानी	6 सितम्बर, 2017
कृषि विज्ञान केन्द्र केशवाना	7 सितंबर, 2017
कृषि विज्ञान केन्द्र मौलासर	26 अक्टूबर, 2018
कृषि विज्ञान केन्द्र सिरोही	28 जुलाई, 2017
कृषि विज्ञान केन्द्र फलोदी	24 अप्रैल, 2018

3.3.3 कृषि विज्ञान केन्द्र की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में किया जाता है। जिसमें उस मास की गतिविधयों का मूल्यांकन तथा आगामी माह की कार्य योजना तैयार की जाती है।

3.3.4 प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि प्रदर्शनियों का आयोजन

स्थान	दिवस	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	अतिथि का भ्रमण
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि मेला 2018	28–31 जनवरी 2018	8000	श्री सी.आर चौधरी, केन्द्रीय राज्यमंत्री, उपभोक्ता मामले श्री ए.आर कोहली पूर्व राज्यपाल मिजोरम, डॉ. महेन्द्र सिंह राठौड़ अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री, विकास प्राधिकरण जोधपुर, श्री दिलीप जाखड, उपमहानिदेशक आरएसी डॉ. एस.के. सिंह निदेशक अटारी
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	राजस्थान के किसानों की आय वृद्धि के लिये प्याज और लहसुन की उत्पादन तकनीकी एवं मूल्य श्रृंखला प्रबंधन (एन.एच.आर.डी.एफ.)	13–14 अप्रैल 2018	800	डॉ. बिजेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली डॉ. एस.पी. सिंह, संयुक्त सचिव, कृषि, राजस्थान सरकार, जयपुर,

स्थान	दिवस	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	अतिथि का भ्रमण
				डॉ. एस.के. सिंह, निदेशक, अटारी, डॉ. दयाल सिंह, निदेशक, समेती जयपुर, डॉ. पी.के. गुप्ता, निदेशक, राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, कोटा
केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर	किसानों की आय दोगुनी करने में सहायक भेड़–बकरी एवं खरगोश कार्यशाला का आयोजन किया	29 सितंबर 2018	600	श्री राधा मोहन सिंह, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, प्रभुलाल सैनी, कृषि मंत्री, राजस्थान सरकार
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर	निर्यात योग्य गुणवत्ता युक्त अनार उत्पादन एवं विपणन कार्यशाला का आयोजन	3–4 अक्टूबर 2018	500	डॉ ज्योत्स्ना, राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र सोलापुर, श्री अनिल राठी उत्पादन संघ अध्यक्ष, श्री बी.के. पांडे संयुक्त निदेशक कृषि विस्तार, बी.के. त्रिवेदी, उपनिदेशक कृषि विस्तार
केंद्रीय शुष्क अनुसंधान संस्थान जोधपुर	राज्य स्तरीय किसान मेला	13–15 सितंबर 2018	600	श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सांसद एवं केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
अखिल भारतीय समन्वित बाजरा अनुसंधान परियोजना, जोधपुर	कृषक अधिकार बाजरे मे डी.यू.एस. प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र दिवस	23–24 सितंबर 2018	300	डॉ. जे. सी. राणा, राष्ट्रीय समन्वयक, यूएन एन्वायरमेन्ट – जेफ परियोजना, डॉ. पी. राघव रेडी, कार्यक्रम अध्यक्ष पूर्व कुलपति, आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद

काजरी जोधपुर में आयोजित किसान मेले में कृषि विश्वविद्यालय का स्टॉल

निर्यात योग्य गुणवत्ता युक्त अनार उत्पादन एवं विपणन कार्यशाला का आयोजन

बाजरा एम.पी.एम.एस. 17 का प्रक्षेत्र दिवस गाँव दईकड़ा, जोधपुर

3.4 प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित विशेष परियोजनाएँ

3.4.1 फार्मर फर्स्ट परियोजना

भारतीय कृषि अनुसंधान द्वारा कृषि विश्वविद्यालय को यह परियोजना स्वीकृत की गई जिसका संचालन जोधपुर जिले के तीन गांव बालरवा, मणाई व बिंजवाडिया में वर्ष 2016–17 से किया जा रहा है। इस परियोजना का संचालन विभिन्न मॉड्यूल– फसल आधारित मॉड्यूल, उद्यानिकी आधारित मॉड्यूल, समन्वित कृषि प्रणाली मॉड्यूल, मानव संसाधन प्रबंधन मॉड्यूल द्वारा किया जा रहा है। इस परियोजना में नवीनतम तकनीकी कौशल आधारित ज्ञान पर एक हजार प्रर्दशनों, 25 कृषक प्रशिक्षणों, 6 कृषक वैज्ञानिक संवाद व अन्य प्रसार गतिविधियों का आयोजन कर समस्त ग्रामवासियों को लाभान्वित किया गया।

3.4.2 किसान कौशल विकास केन्द्र परियोजना

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत विश्वविद्यालय को स्वीकृत किये गये जिसमें कृषक व कृषक महिलाओं व ग्रामीण युवाओं को कौशल आधारित 12 प्रशिक्षणों द्वारा 550 कृषकों को स्वरोजगार हेतु प्रशिक्षण दिया गया।

3.4.3 कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र परियोजना

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत विश्वविद्यालय को स्वीकृत किये गये जिसमें विश्वविद्यालय पर आने वाले कृषकों को एकल खिड़की के रुप में सभी कृषि आदान व सेवाओं से संबंधित सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है।

3.4.4 ग्राम गोद कार्यक्रम

राजस्थान के राजभवन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार जोधपुर जिले के लूणी गाँव को ग्राम गोद कार्यक्रम के अर्न्तगत कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा गोद लेकर स्मार्ट गाँव के रुप में विकसित किया जा रहा है। इस गाँव में निम्न लिखित प्रशिक्षण आयोजित किये गयेः–

प्रशिक्षण	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
पौध रोपण अभियान के तहत पौध रोपण पर कृषक प्रशिक्षण	26.07.2018	300
पौध संरक्षण पर कृषक प्रशिक्षण	15.08.2018	55
स्वच्छ भारत अभियान के तहत गोदीत गाँव लूनी में स्वच्छता रैली	05.10. 2018	150
किसान गोष्ठी	25.10.2018	45
जैविक खेती पर कृषक समूह का गठन	सितम्बर 18	25

3.5 कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियाँ

प्रसार शिक्षा निदेशालय के प्रशासनिक नियंत्रण में छः कृषि विज्ञान केन्द्रों की मुख्य गतिविधियों के तहत कृषक व कृषक महिला तथा ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल आधारित प्रशिक्षण, विभिन्न विभागों के प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रशिक्षणों का आयोजन, नवीनतम कृषि तकनीकी को किसानों के खेतों पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (कलस्टर) का आयोजन, प्रक्षेत्र प्रशिक्षण के साथ–साथ अन्य प्रसार गतिविधियों का आयोजन कर जिले के कृषकों को उन्नत खेती के साथ साथ अधिक लाभ प्राप्त कर कृषकों को रोजगारोन्मुखी बनाने की ओर अग्रसर है।

3.5.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कृषक व कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र	संस्थागत		असंस्थागत		प्रायोजित	
	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
अठियासन (नागौर I)	9	374	4	88	3	150
गुड़ामालानी (बाड़मेर II)	4	110	4	119	4	130
केशवाना (जालोर)	9	272	20	419	5	170
मौलासर (नागौर II)	9	252	22	421	0	0
फलौदी (जोधपुर II)	16	400	21	525	9	290
सिरोही	12	307	9	266	9	3112
कुल योग	59	1715	80	1838	30	3852

3.5.2 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र	प्रसार कार्यकर्ता	
	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी
अठियासन (नागौर I)	17	345
गुड़ामालानी (बाड़मेर II)	0	0
केशवाना (जालोर)	1	25
मौलासर (नागौर II)	2	113
फलौदी (जोधपुर II)	0	0
सिरोही	2	110
कुल योग	**22**	**588**

3.5.3 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

प्रत्येक प्रदर्शन में नवीनतम कृषि तकनीकी–उन्नत बीज, पंक्तिबद्ध बुवाई, बीजोपचार, जिंक सल्फेट का प्रयोग, पौध संरक्षण को प्रदर्शित किया जा रहा है।

फसल	किस्म	प्रदर्शनों की संख्या						
		अठियासन	मौलासर	फलौदी	सिरोही	जालौर	गुड़ामालानी	योग
मूंग	जी.एम–5 व जी.एम–4	30	20	30	50	60	30	220
मोठ	आर.एम.ओ. 435	30	10	20	0	0	20	80
चना	जी.एन.जी1581	40	30	20	40	40	30	200
तिल	आर.टी. 351	30	20	20	30	20	0	120
सरसों	गिरीराज, एन.आर.सी.एच.बी. 101	30	30	30	30	30	30	180
मुंगफली	एच.एन.जी.123	20	20	20	0	0	0	60
अरण्डी	जी.सी.एच 7 व 8	0	0	20	30	20	0	70
कपास	बी.टी.किस्में	0	0	20	20	20	0	60

3.5.4 प्रसार गतिविधियां

गतिविधि का नाम	गतिविधियों की संख्या						
	अठियासन	मौलासर	फलौदी	सिरोही	जालौर	गुड़ामालानी	योग
वैज्ञानिकों का किसानों के खेत पर भ्रमण	54	62	30	56	25	40	267
किसानों का केन्द्र पर आना	548	358	500	250	325	456	2437
जाँच सेवा	63	112	110	200	150	80	715
कृषक वैज्ञानिक संवाद	5	10	8	9	7	10	49
प्रक्षेत्र दिवस	8	3	12	5	8	2	38
किसान मेला	1	0	0	0	1	1	3
किसान गोष्ठी	1	1	5	7	22	2	38
शैक्षणिक भ्रमण	1	2	2	2	1	1	9
फिल्म दिखाना	19	12	10	12	25	5	83
विशेष दिवस मनाना	6	5	5	6	7	6	35
व्याख्यान	35	11	20	17	15	05	103
रेडिओ वार्ता	10	1	5	6	12	0	34
प्रेस विज्ञप्ति	15	19	20	21	15	5	95
प्रदर्शनी का आयोजन	5	4	1	2	1	1	14

3.6 कृषि विज्ञान केंद्रों पर विशेष परियोजनाएँ

3.6.1 दलहन फसलों का सीड हब

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र नागौर पर वर्ष 2016 में दलहन फसलों के सीड हब के लिए

कुल 150 लाख रुपए की परियोजना स्वीकृत की गई जिसके अन्तर्गत 3 वर्षों में 2500 क्विंटल दलहन मूंग मोठ व चना का बीज उत्पादन किया जा रहा है वर्ष 2018 में मूंग की विभिन्न किस्मों का बीज उत्पादन 125 हेक्टेयर में लिया गया था।

3.6.2 समन्वित कृषि प्रणाली की स्थापना

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर 6 लाख रुपए से वर्षा जल संग्रहण इकाई, वर्मी कंपोस्ट इकाई, अजोला इकाई व बकरी इकाई की स्थापना की जा रही हैं जिसको देखकर जिले के किसान इस तरह की कृषि प्रणाली अपनाकर मौसम की विशेष परिस्थितियों में भी लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

4. कृषि शिक्षा

4.1 कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर की स्थापना 14 सितंबर, 2013 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के मुख्यालय परिसर में कृषि उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से की गई। महाविद्यालय का भवन जो कि सभी आधारभूत सुविधाओं से युक्त हैं जिसमें आधुनिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालाएँ (मृदा विज्ञान, शस्य विज्ञान, फसल संरक्षण, फसल सुधार एवं उद्यान विज्ञान), पुस्तकालय, आधुनिक (प्रोजेक्टर युक्त) व्याख्यान कक्ष, सम्मेलन कक्ष, संगणक कक्ष (ARIS Cell) एवं इन्टरा नेटवर्क हैं। महाविद्यालय में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के उद्धेश्य को साकार करते राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरीय अनुभवी प्राध्यापक हैं। कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर में कुल 238 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। जिनमें कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में 205, स्नातकोत्तर में 27 एवं पी.एच.डी. में 06 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थियों के तीसरे बैच ने जून, 2018 में अपनी स्नातक डिग्री पूर्ण की है तथा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के प्रथम बैच ने अपनी डिग्री पूर्ण की है। इस साल चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों का कोर्स वर्क समाप्त हो चुका हैं तथा इस सेमेस्टर में उन्हें (ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव) कार्यक्रम के तहत् कृषि सम्बन्धित कार्य एवं कृषकों की सामाजिक, आर्थिक, कृषि तकनीकी ज्ञान सम्बन्धी कार्यानुभव प्राप्त करने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से गाँवों में भेजा गया है।

महाविद्यालय के उद्देश्य

1. कृषि से सम्बन्धित विभिन्न विषयों का संपूर्ण ज्ञान प्रदान करना ।
2. व्याख्यान कक्षों में स्मार्ट बोर्ड व डिजीटल पुस्तकालय को बढ़ावा देना।
3. शिक्षा के साथ–साथ विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए कार्यक्रमों का आयोजन।
4. राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सहभागिता से कृषि अनुसंधान में उच्च आयाम हासिल करना।
5. महाविद्यालय का प्रमुख कार्य कृषि से सम्बन्धित सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक शिक्षा प्रदान करना, जो कि सफलतापूर्वक चल रहा हैं।

4.1.1 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

इस महाविद्यालय में स्वीकृत शैक्षणिक तथा गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण इस प्रकार हैं:–

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
सहायक आचार्य	16	10	06
सह–आचार्य	05	01	04
आचार्य	02	01	01
सह–पुस्तकालय अध्यक्ष	01	–	01

ब. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
प्रयोगशाला सहायक+	04	04	–
निजी सहायक	01	01	–
कनिष्ठ लिपिक	01	01	–
फार्म मैनेजर	01	01	–
पम्प ऑपेरटर+	01	01	–
पुस्तकालय सहायक	01	–	01
कृषि पर्यवेक्षक	01	01	–
वाहन चालक'	02	02	–
कार्यालय सहायक	01	01	–
क्रीड़ा प्रशिक्षक	01	–	01
तकनिकी सहायक	02	–	02
बुक लिफ्टर	01	–	01

+ विरुद्ध पद, 'संविदा पर REXO द्वारा

4.1.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं की संख्या

4.1.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम

अ. लड़कों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि. व.	एस. बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	2	28	1	4	3	38
द्वितीय वर्ष	6	20	0	7	4	37
तृतीय वर्ष	2	24	2	9	2	39
चतुर्थ वर्ष	3	24	0	5	4	36
कुल योग	**13**	**96**	**3**	**25**	**13**	**150**

ब. लड़कियों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	2	3	0	2	3	10
द्वितीय वर्ष	0	9	0	2	1	12
तृतीय वर्ष	2	13	0	1	2	18
चतुर्थ वर्ष	2	7	1	4	1	15
कुल योग	6	32	1	9	7	55

4.1.2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम

अ. लड़कों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
शस्य विज्ञान	0	0	2	4	1	0	0	0	0	0	7
उद्यानिकी	0	0	1	1	0	0	1	1	2	0	6
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1
पादप रोग विज्ञान	0	0	2	0	0	0	1	0	0	0	3
कुल योग	0	0	5	6	1	0	2	1	2	0	17

ब. लड़कियों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग		अ.पि.व.		एस.बी.सी.		अनु.जाति		अनु.जनजाति		कुल
	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	
शस्य विज्ञान	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1
उद्यानिकी	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	2
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	1	0	2	3	0	0	0	0	1	0	7
पादप रोग विज्ञान	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल योग	1	0	3	4	0	0	0	1	1	0	10

4.1.2.3 पी.एच.डी. कार्यक्रम

अ. लड़कों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु.जाति	अनु.जनजाति	कुल
	प्रथम वर्ष	प्रथम वर्ष	प्रथम वर्ष	प्रथम वर्ष	प्रथम वर्ष	
शस्य विज्ञान	0	0	0	1	0	1
उद्यानिकी	0	1	0	0	0	1
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	0	2	0	0	0	2
कुल योग	0	3	0	1	0	4

ब. लड़कियों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	अ.पि.व.	एस.बी.सी.	अनु.जाति	अनु.जनजाति	कुल
	प्रथम वर्ष	प्रथम वर्ष	प्रथम वर्ष	प्रथम वर्ष	प्रथम वर्ष	
शस्य विज्ञान	0	1	0	0	0	1
उद्यानिकी	0	1	0	0	0	1
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	0	0	0	0	0	0
कुल योग	0	2	0	0	0	2

4.1.2.4 कुल उत्तीर्ण विद्यार्थी जिन्होंने डिग्री पूरी कर ली हैं (वर्ष 2018)

डिग्री कार्यक्रम	सामान्य वर्ग	एस.बी.सी.	अ.पि.व.	अनु.जाति	अनु.जनजाति	कुल
स्नात्तक कार्यक्रम	2	0	30	6	6	44
स्नातकोत्तर कार्यक्रम						
शस्य विज्ञान	0	0	3	1	0	4
उद्यानिकी	0	0	3	0	1	4
आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन	0	0	2	1	0	3
कुल योग	0	0	8	2	1	11

4.1.3 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2018-19 की प्रगति

महाविद्यालय का प्रमुख कार्य कृषि में शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ विद्यार्थियों का सम्पूर्ण विकास करना हैं। विद्यार्थियों की नियमित कक्षाएँ हो रही हैं। समय पर सम्बन्धित विषय के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक कालांश संबंधित शिक्षक द्वारा लिए जा रहे हैं। प्रथम, तृतीय, पंचम व सप्तम सेमेस्टर के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षाएँ समय पर सफलता पूर्वक सम्पन्न हो चुकी हैं। जनवरी, 2019 से द्वितीय, चतुर्थ, षष्ठम् व अष्टम् सेमेस्टर की कक्षाएँ नियमित रूप से प्रारंभ होने जा रही

उद्यान–विज्ञान प्रयोगशाला

मृदा विज्ञान प्रयोगशाला

फसल संरक्षण प्रयोगशाला

साप्ताहिक सलाहकार बैठक

संगणक कक्ष (ARIS Cell)

संगणक कक्ष (ARIS Cell)

हैं। महाविद्यालय द्वारा छात्रों की शिक्षा सुचारू रूप से निष्पादित की जा रही हैं तथा छात्रों का प्रदर्शन उत्तम हैं। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्तांकों की तालिका नीचे दी जा रही हैं, जिससे अवगत होता हैं कि छात्र शिक्षा ग्रहण करने में अग्रणी हैं। महाविद्यालय के तीन विभागों से 11 छात्रों का स्नातकोत्तर का प्रथम बैच सफलतापूर्वक अपनी डिग्री पूर्ण कर चुका हैं। जुलाई 2018 से महाविद्यालय में पादप रोग विज्ञान में चार सीटों पर स्नातकोत्तर में दाखिला आरम्भ किया जा चुका हैं तथा पी.एच.डी. में भी तीन विभागों (शस्य विज्ञान, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन व उद्यानिकी) में जुलाई 2018 से प्रवेश आरम्भ किया गया हैं। इस सत्र से साप्ताहिक सलाहकार बैठक की शुरूआत विद्यार्थियों के साथ की गई जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षणिक व व्यक्तिगत संशयों के समाधान से विद्यार्थी अभिप्रेरित होने लगे हैं।

4.1.3.1 विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या एवं प्राप्तांक प्रतिशत				कुल विद्यार्थी	टिप्पणी
	50 से कम	51 से 60	61 से 70	70 से अधिक		
बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि						
प्रथम वर्ष	3	11	23	9	46	परिणाम घोषित
द्वितीय वर्ष	1	6	28	23	58	परिणाम घोषित
तृतीय वर्ष	0	7	29	15	51	परिणाम घोषित
चतुर्थ वर्ष	0	7	20	17	44	परिणाम घोषित
स्नातकोत्तर कार्यक्रम						
स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष	0	0	0	12	12	परिणाम घोषित
स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष	0	0	1	10	11	परिणाम घोषित

नोटः–

1. प्रथम वर्ष के अंतर्गत 46 छात्र–छात्राओं में से 32 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
2. द्वितीय वर्ष के अंतर्गत 58 छात्र–छात्राओं में से 51 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
3. तृतीय वर्ष के अंतर्गत 51 छात्र–छात्राओं में से 44 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
4. चतुर्थ वर्ष के अंतर्गत 44 छात्र–छात्राओं में से 37 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की।
5. स्नातकोत्तर शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में 12 छात्र–छात्राओं व स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष में 11 छात्र–छात्राओं ने प्रथम श्रेणी प्राप्त की ।

4.1.3.2 छात्रवृत्ति विवरण

कुल 236 विद्यार्थियों में से 126 छात्र–छात्राओं ने केन्द्रीय एवं राजस्थान सरकार के कार्यक्रम के तहत् छात्रवृत्ति प्राप्त की है जिनमें 66 छात्राएँ भी शामिल है।

4.1.3.3 मेरिट/अन्य पुरस्कार

कृषि प्री–पीजी परीक्षा में महाविद्यालय के चार छात्र शीर्ष दस में स्थान हासिल करने में कामयाब रहे। जिनमें कमलेश कुमार ने आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन तथा अंजली जींगर ने शस्य विज्ञान में दोनों विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान हासिल कर पी.एच.डी. में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

4.1.3.4 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन/पखवाड़ा

4.1.3.4.1 गणतंत्र दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के प्रांगण में 69वां गणतंत्र दिवस मनाया गया, जिसमें कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के कर्मचारी व छात्र– छात्राओं ने भाग लिया। इस समारोह के मुख्य–अतिथि डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर ने सम्बोधित कर इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला।

4.1.3.4.2 विश्व योग दिवस

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के प्रांगण में ''विश्व योग दिवस'' 21 जून, 2018 का आयोजन डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के सान्निध्य में प्रातः 06:00 बजे सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के सभी अधिकारीगण, कर्मचारीगण व छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

4.1.3.4.3 प्रथम अभिविन्यास पाठ्यक्रम

प्रथम अभिविन्यास पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कर कमलों द्वारा किया गया। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के मण्डोर स्थित मुख्यालय पर नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों {30 सहायक प्राध्यापकों (10 महिला व 20 पुरूष)} हेतु 21 दिवसीय (11 जून, 2018 से 1 जुलाई, 2018) अभिविन्यास पाठ्यक्रम जो कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार प्रबंधन पर आधारित कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. विष्णुकान्त, भारतीय पुलिस सेवा, जोधपुर की सादर उपस्थिति में किया गया। मुख्य अतिथि के हाथों नवनियुक्त प्राध्यापकों को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें पाठ्यक्रम प्रमुख प्रो. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर रहे। नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों को अनुसंधान एवं प्रसार कार्य, सामान्य वित्तीय नियम, विद्यार्थी कल्याण कार्य, राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व, मृदा एवं पादप संरक्षण प्रयोगशाला निरीक्षण, पुस्तकालय, दस्तावेजों का अंकीकरण, अर्थशास्त्र, प्रगतिशील किसानों प्रक्षेत्र भ्रमण, काजरी भ्रमण, अटारी भ्रमण, नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों द्वारा प्रस्तुतीकरण जैसी विभिन्न गतिविधियों के बारे में विधिवत् रूप से अवगत करवाया गया।

4.1.3.4.4 द्वितीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम

द्वितीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कर कमलों द्वारा किया गया। कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के मण्डोर स्थित मुख्यालय पर 29 नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों व विषय वस्तु विशेषज्ञ {सहायक प्राध्यापकों (10) व विषय वस्तु विशेषज्ञ (19), (15 महिला व 14 पुरूष)} हेतु 21 दिवसीय (25

अगस्त, 2018 से 14 सितम्बर, 2018) अभिविन्यास पाठ्यक्रम जो कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार प्रबंधन पर आधारित कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न करवाया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. वजीर लाखड़ा, भूतपूर्व कुलपति, केन्द्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान, मुम्बई की सादर उपस्थिति में किया गया। मुख्य अतिथि के हाथों नवनियुक्त प्राध्यापकों को प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें पाठ्यक्रम प्रमुख प्रो. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जोधपुर रहे। नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों को अनुसंधान एवं प्रसार कार्य, सामान्य वित्तीय नियम, विद्यार्थी कल्याण कार्य, राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व, मृदा एवं पादप संरक्षण प्रयोगशाला निरीक्षण, पुस्तकालय, दस्तावेजों का अंकीकरण, अर्थशास्त्र, प्रगतिशील किसानों प्रक्षेत्र भ्रमण, काजरी भ्रमण, अटारी भ्रमण, नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों द्वारा प्रस्तुतीकरण जैसी विभिन्न गतिविधियों के बारे में विधिवत् रूप से अवगत करवाया गया।

4.1.3.4.5 अशैक्षणिक पदों की भर्ती परीक्षा 2018

अशैक्षणिक पदों की भर्ती परीक्षा 2018 (कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर) के विभिन्न पदों (स्टेनोग्राफर ग्रेड 2 – 226 अभ्यर्थी, सूचना सहायक – 256 अभ्यर्थी, ड्राईवर – 347 अभ्यर्थी, इलेक्ट्रिशियन – 135 अभ्यर्थी) के लिए लिखित परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर में अगस्त 2018 में किया गया।

4.1.3.4.6 स्वच्छ भारत अभियान

"स्वच्छ भारत अभियान" के अन्तर्गत विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्रांगण में प्रमुख द्वार, जलपान गृह, शेडनेट, अनुसंधान केन्द्र मार्ग, सिंचाई क्षेत्र एवं अनुसंधान प्रक्षेत्र मार्ग की

सफाई डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर एवं प्रो. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के साथ सभी कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राओं के सहयोग से सम्पन्न की गयी। जिसमें प्रो. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर ने अपने उद्बोधन में छात्र–छात्राओं को स्वच्छता का महत्व बताया।

4.1.3.4.7 पौधारोपण कार्यक्रम

पौधारोपण के अन्तर्गत विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्रांगण में प्रो. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के साथ सभी कर्मचारीगण एवं छात्र–छात्राओं के सहयोग से सम्पन्न किया गया। जिसमें विभिन्न प्रजातियों के करीब 201 पौधे लगाकर विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्रांगण को हरा–भरा रखने का प्रण लिया।

4.1.3.4.8 नेत्र परीक्षण शिविर

महाविद्यालय में निःशुल्क "नेत्र परिक्षण शिविर" का आयोजन (30 व 31 अगस्त, 2018) राजकीय चिकित्सालय, रेजीडेंसी, रातानाडा, जोधपुर की चलित शल्य क्रिया इकाई के तत्वावधान में किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित लगभग 250 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

4.1.3.4.9 शिक्षक दिवस

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के प्रांगण में "शिक्षक दिवस" 5 सितंबर, 2018 को आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के सभी अधिकारीगण, कर्मचारीगण व छात्र–छात्राओं ने भाग लिया एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया।

4.1.3.4.10 कक्षा प्रतिनिधि चयन तथा महाविद्यालय छात्र संघ का चुनाव

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर में छात्र संघ चुनाव 2018 का सफलतापूर्वक आयोजन सितंबर, 2018 को किया गया। जिसमें कक्षानुसार कक्षा प्रतिनिधि निर्विरोध चुने गये तथा महाविद्यालय स्तर पर अध्यक्ष पद पर सुश्री अन्तरा थाडा, सचिव पद पर श्री राकेश नटवाडिया एवं संयुक्त सचिव पद पर श्री मोहित कुमार सैनी निर्विरोध निर्वाचित किये गये। महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. उम्मेद सिंह ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सहायक निदेशक छात्र कल्याण डॉ. एस के मूण्ड उपस्थित रहे।

4.1.3.4.11 महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती

महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस 2 अक्टूबर 2018 को मनाया गया। इस अवसर पर महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के योगदान को याद किया गया। डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने अपने उद्बोधन में महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री से

जुड़ी विभिन्न जानकारियों को साझा किया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर ने उनके योगदान को याद कर इन महान आत्माओं के व्यक्तित्व को अपनाने की बात कहीं। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में छात्र–छात्राओं सहित कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

4.1.3.4.12 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगाँठ पर कार्यक्रमों का आयोजन

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगाँठ पर महाविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों (वाद–विवाद, निबन्ध, ड्राईंग व पेटिंग, भाषण, एक्टेम्पोर, प्रश्नोत्तरी, स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक, रक्तदान एवं पौधारोपण) का आयोजन कर इनके देशहित में अतुल्य योगदान को साप्ताहिक कार्यक्रम के रूप में मनाया गया। जिसमें रक्तदान शिविर के दौरान 29 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। सफाई अभियान व पौधरोपण गोदित गाँव लूणी में आयोजित किया गया।

4.1.3.4.13 रक्तदान शिविर

महाविद्यालय में डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर की सादर उपस्थिति में रक्तदान शिविर का आयोजन रक्त इकाई, महात्मा गाँधी अस्पताल के तत्वाधान में किया गया। इसका शुभारंभ डॉ. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर एवं छात्र रामकरण ने रक्तदान कर किया। शिविर में 29 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर रक्तदानी (Blood Donor) बने रहने का संकल्प लिया।

4.1.3.4.14 स्वच्छता कार्यक्रम

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगाँठ पर महाविद्यालय में आयोजित स्वच्छता कार्यक्रम में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यार्थियों (चरण सिंह चौधरी, विकास कुमार रैगर, रामकरण चौहान, संगीता कुमारी कुमावत एवं मनीष महारानीया) को सम्मानित किया गया।

4.1.3.4.15 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगांठ पर आयोजित साहस यात्रा

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की 150 वीं वर्षगांठ पर महाविद्यालय में आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा साहस यात्रा निकाली गयी। जिसके दौरान डॉ. उम्मेद सिंह, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर ने विद्यार्थियों को उद्बोधित करते हुए साहसिक निर्णयों पर अडिग रहने का संदेश दिया।

4.1.3.4.16 सर्जिकल स्ट्राईक दिवस

भारतीय सेना के साहसिक कदम को "सर्जिकल स्ट्राईक दिवस" के रूप में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधिनस्थ कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के प्रांगण में दिनांक 29.09.2018 को भूतपूर्व सैनिक छोटूराम की सादर उपस्थिति में सेना को विद्यार्थियों द्वारा परेड कर सलामी दी गई तथा उनके शौर्य का स्मरण किया गया।

4.1.3.4.17 नवनियुक्त अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए अनुकूलन कार्यक्रम

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधिनस्थ कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर में नवनियुक्त अशैक्षणिक

कर्मचारियों के लिए एक अनुकूलन कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 12.10.2018 से 24.10.2018 तक किया गया। विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक व अशैक्षणिक कर्मचारियों द्वारा नवनियुक्त अशैक्षणिक कर्मचारियों को अनुसंधान एवं प्रसार कार्य, सामान्य वित्तीय नियम, विद्यार्थी कल्याण कार्य, राष्ट्रीय सेवा योजना का महत्व, मृदा एवं पादप संरक्षण प्रयोगशाला निरीक्षण, पुस्तकालय, दस्तावेजों का अंकीकरण जैसी विभिन्न गतिविधियों के बारे में विधिवत रूप से अवगत करवाया गया। यह कार्यक्रम समन्वयिका डॉ. कृष्णा सहारण द्वारा सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया।

4.1.3.4.18 राष्ट्रीय एकता दिवस

31 अक्टूबर, 2017 को सरदार पटेल जी के जन्म दिवस को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के उपस्थिति में 'रन फॉर यूनिटी' दौड़ में छात्र–छात्राओं सहित कर्मचारीगण ने एक साथ दौड़कर एकता का परिचय दिया।

4.1.3.5 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE)

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE) के तहत बी.एस.सी (ऑनर्स) कृषि चतुर्थ वर्ष के 44 छात्र–छात्राओं का ऑरिऐन्टेशन प्रोग्राम 01 से 08 जनवरी, 2018 तक आयोजित कर उन्हें ग्रामीण परिवेश में ग्रामीण अनुभव के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, नागौर, बाड़मेर, जालोर एवं पाली भेजा गया।

4.1.3.6 कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित पुस्तक, पत्र, लोकप्रिय लेख

1.	अनुसंधान पत्र	–	28
2.	शोध पत्र सारांश	–	5
3.	पुस्तक अध्याय	–	3
4.	सारांश पुस्तक / सार–संक्षेप पत्र	–	7
5.	तकनिकी बुलेटिन / लोकप्रिय लेख	–	19

4.1.3.7 ट्रेनिंग/सेमिनार में भाग

1. Dr Banwari Lal delivered a lecture entitled "Sports and NSS" at Agriculture University Jodhpur" in the orientation course programme for Non-Teaching staff at COA Jodhpur on 20 Oct, 2018.
2. Dr Dama Ram presented a lecture entitled "Library: keeping and purchasing of books journals indexing of stocks" at Agriculture University Jodhpur" in the orientation course programme for Non-Teaching staff at COA Jodhpur on 23 Oct, 2018.
3. Dr Krishna Saharan participated and presented posterin India International Science Festival (IISF) 2018, Lucknow, UP India, during 05th-8thOct, 2018.
4. Dr S. K Mood delivered a lecture entitled "Students welfare and allied activities" in the orientation course programme for Non-Teaching staff at COA Jodhpur on 16 Oct, 2018.
5. Dr U N Shukla delivered a lecture entitled "Instructional farm and research activitie" at Agriculture University Jodhpur" in the orientation course programme for Non-Teaching staff at COA Jodhpur on 20 Oct, 2018.
6. Dr Vinod Kumar presented and invited lecture in the CSIR-IICT Platinum Jubilee International Conference on 'Biotechnological Research and Innovation for Sustainable Development' to be organized on 22-25 Nov, 2018.
7. Dr Vinod Kumar presented a lecture entitled "Academic rules and regulations at Agriculture University Jodhpur" in the orientation course programme for Non-Teaching staff at COA Jodhpur on 16 Oct, 2018.
8. Dr Vinod Kumar presented a lecture entitled "Science Education and Opportunity" organized an "INSPIRE Science Camp-2018" at Eternal University, Baru Sahib, from 03-09 Jan, 2018.
9. Dr. Krishna Saharan Assistant Professor (Microbiology), Dr. Vinod Kumar, Assistant Professor (Biochemistry), Dr. Dama Ram,

Assistant Professor (Plant Pathology), Dr. L. Netajit, Assistant Professor (Agricultural Statistics) Ms. Rupal Dhoot, Assistant Professor (GPB), and Er. Piyush Paradhan, Assistant Professor (Farm Machinery & Power Engineering) attended 21 days Orientation course on "Agricultural Education, Research and Extension Management" at Agriculture University, Mandor, Jodhpur, Rajasthan, India.

10. Dr. Krishna Saharan, attended and presented a poster tin the 4th India International Science Festival (5-8th Oct 2018), at Luchnow, UP, India.
11. Dr. L. Netajit Singh attended International Conferences on Challenge and solution for a Sustainable Environment 9th -11th Febbruary-2018 at Jaipur, Rajasthan
12. Prof. Ummed Singh participated and presented paper (Oral) in XXI Biennial National Symposium of Indian Society of Agronomy on Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario' held at MPUAT, Udaipur during October 24-26, 2018.
13. Prof. Ummed Singh participated in IInd Annual Higher Education and Human Resource Conclave, organized by Department of Higher and Technical Education, Government of Rajasthan at Jaipur during 24-25 September, 2018.
14. Shri P.R. Raiger, Assistant Professor (Soil Science), attended 21 days summer school on production of Bio- CNG Organic Manure through Anaerobic Agro- Waste Decomposition Techniques. At Dryland Farming Research Station, Arjia, Bhilwara (MaharanaPratap University Of Agriculture &Technology , Udaipur) August, 10-30, 2017(21 days)

4.1.3.8 खेल कूद प्रतियोगिता

1. अंतर–कृषि महाविद्यालय खेल–कूद प्रतियोगिता 2017–18 का आयोजन कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, पाली में दिनांक 28 से 30 अप्रैल, 2018 को किया गया। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के छात्र–छात्राओं ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया। कृषि महाविद्यालय, मण्डोर, जोधपुर के छात्र–छात्राओं ने इन्टर महाविद्यालय खेल कूद प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लिया।
2. धर्मेन्द्र ने 100 मीटर रेस में तृतीय एवं 200 मीटर रेस में पुरूष वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
3. इन्द्रा गोस्वामी एवं राजबाला ने 100 मीटर रेस में महिला वर्ग में क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये।
4. इन्द्रा गोस्वामी ने 200 मीटर रेस में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
5. मोहन लाल ने 800 मीटर रेस में पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
6. मोहन लाल एवं मुकेश कुमार ने 1500 मीटर रेस में पुरूष वर्ग में क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।
7. धर्मेन्द्र ने लम्बी कूद में पुरूष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
8. शैलेन्द्र कुमार एवं मुकेश कुमार ने त्रिकूद में पुरूष वर्ग में क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।
9. इन्द्रा गोस्वामी ने त्रिकूद में महिला वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
10. अनिता ने शॉट पुट में महिला वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
11. मुकेश कुमार ने तस्तरी फेंक में पुरूष वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
12. सुरभि जाँगिड़ एवं अनिता ने तस्तरी फेंक में महिला वर्ग में क्रमशः प्रथम एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया।
13. कृषि महाविद्यालय, मण्डोर ने 100 मीटर रिले दौड़ में पुरूष वर्ग (शैलेन्द्र कुमार, धर्मेन्द्र, शिवशंकर एवं बांकाराम) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
14. कृषि महाविद्यालय, मण्डोर ने 100 मीटर रिले दौड़ में महिला वर्ग (इन्द्रा गोस्वामी, राजबाला, अनिता एवं नंदा देवी) में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
15. कृषि महाविद्यालय, मण्डोर ने 400 मीटर रिले दौड़ में पुरूष वर्ग (धर्मेन्द्र, रविन्द्र सिंह, गणपत राम एवं बांका राम) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
16. कृषि महाविद्यालय, मण्डोर ने 400 मीटर रिले दौड़ में महिला वर्ग (इन्द्रा गोस्वामी, ज्योति वर्मा, साक्षी चौधरी एवं नंदा देवी) में तृतीय स्थान प्राप्त किया।
17. लम्बी कूद में सुरेन्द्र कुमार, ट्रिपल जम्प में शैलेन्द्र कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
18. टीम इवेन्ट के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के पुरूष वर्ग के छात्रों ने बैडमिन्टन, टेबल टेनिस व क्रिकेट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

19. वहीं कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के छात्र– छात्राओं ने अन्य प्रतिस्पर्धाओं में भी उम्दा प्रर्दशन कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

4.1.4 आलौच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ

- कृषि महाविद्यालय में 120 के.वी. का सोलर प्लांट स्थापित किया गया है जिससे प्रतिदिन उत्पादित बिजली महाविद्यालय में उपयोग के साथ–साथ अनुसंधान कार्यालय को भी उपलब्ध करवाई जाएगी।
- नवनियुक्त अशैक्षणिक कर्मचारियों का सात दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के छात्र–छात्राओं ने जेट प्री–पीजी 2018 परीक्षा व ICAR में अच्छा प्रदर्शन कर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त किया।
- महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति के निर्देशानुसार शैक्षणिक वातावरण में सुधार के उपायों को लागू किया गया हैं।
- सत्र 2018–19 से महाविद्यालय में एक और विषय पादप रोग विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा तीन विषयों शस्य विज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन व उद्यानिकी में पी.एच.डी. कार्यक्रम शुरु किया गया।
- महाविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन द्वारा सुनिश्चित की गयी।
- शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य हेतु एलसीडी प्रोजेक्टर का उपयोग कर पावर पाईन्ट प्रेजेन्टेशन द्वारा शिक्षण कार्य किया जा रहा हैं।
- 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति रहने पर उनके अभिभावकों को पत्र एवं दूरभाष द्वारा सूचना दी गई।

4.1.5 आधारभूत सुविधाएँ

4.1.5.1 छात्रावास

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर जोधपुर में 60 छात्राओं को समायोजित करने की क्षमता वाले एक छात्रावास को मंजूरी दे दी गई है और इसका निर्माण जल्द ही शुरू हो रहा है। हालांकि, वर्तमान में कॉलेज में छात्रों का कोई छात्रावास उपलब्ध नहीं हैं।

4.1.5.2 पुस्तकालय

1. पुस्तक संख्या – 2354
2. पत्रिका संख्या – 25
3. समाचार पत्र – 5 (हिन्दी – 2, अंग्रेजी – 3)
4. रोजगार समाचार पत्र – 1

4.1.6 शैक्षणिक एवं शोध फार्म

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के प्रक्षेत्र का क्षेत्रफल 12.74 हेक्टेयर है. यह प्रक्षेत्र सभी कृषि सुविधाओं से परिपूर्ण है। कृषि से सम्बंधित इम्प्लीमेंट्स जैसे कल्टीवेटर, हेरों, डिस्क प्लाऊ, मल्टी–पर्पज़ थ्रेशर, कैस्टर थ्रेशर, ड्रिप इरीगेशन, स्प्रिंकलर, अंडरग्राउंड इरीगेशन पाइप, टूबवेल, लेवेलर, ट्रेक्टर, वाटर टैंक, वाटरशेड और जी एल आर उपलब्ध है। वर्तमान में बटाई पद्धति से खेती की जा रही है। भविष्य में यहाँ छात्रों व अध्यापकों के अनुसंधान लगाये जाने सुनिश्चित किये गए है। साथ ही साथ कुछ प्रोजेक्ट के प्रयोग भी लगाये जाने है।

बीज उत्पादन

कृषि महाविद्यालय, जोधपुर के प्रक्षेत्र पर 2017–18 व 2018–19 के दौरान निम्नलिखित फसलों एवं उनकी किस्मों का बीज उत्पादन किया गया:

विवरण	फसल	किस्म	उत्पादन (क्विंटल)
खरीफ–2017	मूँग	जी.एम.–4	18.0
		जी.एम.–5	5.8
रबी–2017–18	जीरा	जी.सी.–4	7.0
जायद–2018	शंकर बाजरा	एम.पी.एम.एच. 21	5.15

4.1.7 छात्रोपयोगी सह–शैक्षणिक गतिविधियां

4.1.7.1 विशेष अध्यापन का आयोजन व शैक्षणिक भ्रमण

- कृषि महाविद्यालय मण्डोर, जोधपुर में नियमित कक्षाओं के साथ–साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अध्यापकगण एवं व्यवसायक ज्ञानीजन अपना योगदान दे रहे है।
- कृषि स्नात्तक (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने कृषि सूक्ष्म जीव विज्ञान विषय के अन्र्तगत जय नारायण व्यास विश्व विद्यालय की वनस्पति विज्ञान विभाग की विभिन्न प्रयोगशालाओं (पादप कार्यात्मक जीनोमिक्स, प्रोटियोमिक्स, BNF) का भ्रमण कर विभिन्न उपकरणों

एवं प्रयोगशालाओं में चल रहे विभिन्न प्रयोगों पर आधारित अनुसंधान कार्यों की जानकारी हासिल की।

- स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों ने डॉ. विकास पवरिया (सह आचार्य कृषि अर्थशास्त्र) के सान्निध्य में जोधपुर जीरा मण्डी का भ्रमण किया। और राष्ट्रीय कृषि बाजार के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

4.1.7.2 विशेष लेक्चर का आयोजन

- Dr. Balraj Singh,Hon'ble Vice Chancellor, AU, Jodhpur, Agriculture Education: Prospects and Challenges on the eve of Education day, 3rd Dec., 2016
- Dr. (Mrs.) Kamlesh Singh , Associate Prof. IIT Delhi, One month on line certificate course on 'Psycho-spiritual intervention programme for college students', May 1-30, 2018
- Dr. U.N. Shukla, Asstt. Prof. (Agronomy), CoA, Mandor, Group discussion on 'Organic farming: Its feasibility in India and world', 10th May, 2018
- Dr. C.S. Praharaj, Crop Production, IIPR Kanpur delivered a lecture on 'Tactical Water Management' on 15 Sept, 2018.

- Dr. D. R. Shivram, Finance Department, Jaipur delivered a lecture on "Prepration for JRF, SRF and Other agricultural competitive exams on 8 Sept, 2018.

4.1.7.3 मानवीय मूल्य एवं नैतिकता पर लेक्चर का आयोजन

- महाविद्यालय के छात्र व छात्राओं को आध्यात्मिक तौर पर हिन्दू संस्कृति के बारे में समय–समय पर विशेषज्ञों द्वारा बोध करवाया जाता हैं इस कड़ी में 31 अक्टूबर 2018 को संत सनकृष्ण प्रियादास, ISKON, Jodhpur द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

4.1.8 छात्र प्लेसमेन्ट्स व अन्य संस्थानों में प्रवेश

- कृषि महाविद्यालय मण्डोर में विभिन्न कंपनियों और प्रतिस्पर्धा परीक्षा के माध्यम से 11 विद्यार्थियों की विभिन्न बैंक, राज्य सरकार की सेवायें व अन्य संस्थानों में नियुक्ति हुई।
- कृषि महाविद्यालय मण्डोर से 8 स्नात्तक उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने देश के विभिन्न विश्वविद्यालय व संस्थानों में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की जे.आर.एफ परीक्षा के तहत प्रवेश लिया जिनमें से 4 छात्रों को जे.आर.एफ. छात्रवृति प्रदान की गई ।

4.1.9 अवार्ड और पुरस्कार (Faculty and staff)

1. Dr. Vinod Kumar Asst. Prof. (Biochemistry), College of Agriculture, conferred for BRICPL Young Biochemist Award in ICAAAS-2018, organized at JNU, New Delhi, on 28th Day of April, 2018
2. Dr. Vinod Kumar Asst. Prof. (Biochemistry), College of Agriculture, awarded as 'Outstanding participant' in the First Orientation Course programme of Agriculture University held on June 11-July 01, 2018.
3. Prof. B.S. Rajpurohit was honoured by AICRP on Pearl Millet in the 52nd Annual Group Meeting held at Agriculture University, Jodhpur, Rajasthan during March 22-24, 2018 for his outstanding contribution in the field of Pearl Millet Improvement.

4. Prof. Ummed Singh, was honoured with 'ISA Associateship' by Indian Society of Agronomy in the XXI National Biennial Symposium of Indian Society of Agronomy held at Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan during October 24-26, 2018 for his outstanding contribution in the field of agronomy.

4.1.10 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, मण्डोर जोधपुर द्वारा विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने एवं उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिये आवश्यक शैक्षणिक वातावरण जैसे–नियमित कक्षाओं का संचालन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल–कूद प्रतियोगिता, व्याख्यान इत्यादि का आयोजन समय–समय पर किया जा रहा हैं। शिक्षण कार्य के अतिरिक्त प्रशासनिक कार्यों में भी शिक्षकों द्वारा सहयोग किया जा रहा हैं।

4.2 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर (पाली)

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर लूणी नदी के संग्रहण क्षेत्र के परिवर्तनशील मैदान खण्ड–2 बी (जालोर, पाली एवं सिरोही जिले) में स्थित हैं। इस महाविद्यालय में कृषि विज्ञान (ऑनर्स) स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम में कुल 183 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। जिनमें प्रथम वर्ष के 47, द्वितीय वर्ष के 48, तृतीय वर्ष के 45 तथा अंतिम वर्ष के 43 विद्यार्थी हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थियों के तीसरे बैच ने जून, 2018 में अपनी डिग्री पूर्ण की है। इस वर्ष महाविद्यालय के 15 विद्यार्थियों ने भारत के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर में प्रवेश लिया है। चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों को आठवें सेमेस्टर में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (Rural Agriculture Work Experience) कार्यक्रम के तहत् कृषि सम्बन्धित कार्य एवं कृषकों की सामाजिक, आर्थिक, कृषि तकनीकी ज्ञान एवं औद्योगिक कार्य अनुभव सम्बन्धी कार्यानुभव प्राप्त करने हेतु गाँवों एवं औद्योगिक ईकाईयों में भेजा जायेगा। महाविद्यालय द्वारा छात्रों की शिक्षा सुचारू रूप से निष्पादित की जा रही हैं तथा छात्रों का प्रदर्शन उत्तम हैं।

महाविद्यालय के उद्देश्य

1. कृषि से सम्बन्धित विभिन्न विषयों का संपूर्ण ज्ञान प्रदान करना।
2. शिक्षा के साथ–साथ विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए कार्यक्रमों का आयोजन।
3. महाविद्यालय का प्रमुख कार्य कृषि से सम्बन्धित सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक शिक्षा प्रदान करना।
4. राष्ट्र के लिए अच्छे प्रशासक तैयार करना।

4.2.1 स्वीकृत कार्य एवं रिक्त पदों का विवरण

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
सहायक आचार्य	18	08	10
सह–आचार्य	04	01	03
आचार्य	01	01	00

ब. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
प्रयोगशाला सहायक+	04	02	02
निजी सहायक	01	01	00
कनिष्ठ लिपिक	01	01	00
फार्म मैनेजर	01	00	01
पम्प ऑपेरटर+	01	00	01
पुस्तकालय सहायक	01	00	01
कृषि पर्यवेक्षक	01	01	00
फार्म वर्कर	01	00	01
बुक लिफ्टर	01	00	01
खेल कोच	01	00	01
तकनिकी सहायक	02	01	01
सहायक अनुभाग अधिकारी	01	01	00
वाहन चालक	–	–	–

+ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद के विरुद्ध कार्यरत

4.2.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं की संख्या

4.2.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम

अ. लड़कों की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	एस.बी.सी.	अ.पि.व.	अनु.जाति	अनु.जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	07	00	21	02	06	36
द्वितीय वर्ष	04	00	19	08	06	37
तृतीय वर्ष	05	01	21	04	03	34
चतुर्थ वर्ष	07	00	17	05	04	33
कुल योग						140

ब. लड़कियों की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	एस.बी.सी.	अ.पि.व.	अनु.जाति	अनु.जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	02	01	07	01	00	11
द्वितीय वर्ष	01	00	06	00	04	11
तृतीय वर्ष	00	01	04	06	00	11
चतुर्थ वर्ष	02	00	05	02	01	10
कुल योग						43

4.2.2.2 कुल उत्तीर्ण विद्यार्थी जिन्होने वर्ष 2018 डिग्री पास कर ली हैं

डिग्री कार्यक्रम	सामान्य वर्ग	एस.बी.सी.	अ.पि.व.	अनु.जाति	अनु.जनजाति	कुल
स्नात्तक कार्यक्रम	05	00	23+	07	05	40
कुल योग						40

+एक विद्यार्थी गणित विषय में अनुत्तीर्ण

4.2.3 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2018–19 की प्रगति

- प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष बी.एस.सी. (कृषि) के प्रथम मध्य समयावधि (मिडटम) की परीक्षाएँ पूर्ण हो चुकी हैं तथा प्रायोगिक परीक्षाएँ नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है।
- विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं एवं तथ्यों इत्यादि की जानकारी से अवगत करवाने हेतु हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र, पत्रिकाएँ एवं प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु पुस्तकें भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं।
- शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य हेतु एल.सी.डी. प्रोजेक्टर का उपयोग कर पावर–पाईन्ट प्रेजेन्टेशन द्वारा शिक्षण कार्य करवाया जा रहा हैं।
- 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति रहने पर उनके अभिभावकों को पत्र एवं दूरभाष द्वारा सूचना दी जा रही हैं।
- कम्प्यूटर प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा का ज्ञान प्रदान करवाया जा रहा है।
- बच्चों के शारीरिक विकास हेतु खेल–कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल, कबड्डी, टेबल टेनिस, शतरंज, वॉलीबॉल एवं एथलेटिक प्रतियोगिता आदि खेल सम्मिलित हैं।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा पौध रोपण करवाया गया एवं समय–समय पर परिसर में सफाई अभियान चलाया जा रहा है।
- महाविद्यालय परिसर में सोलर प्लांट स्थापित किया गया है। जिससे महाविद्यालय के साथ–साथ अन्य संस्थानों को भी बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी।

4.2.3.1 विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या एवं प्राप्तांक प्रतिशत					कुल विद्यार्थी	टिप्पणी
	50 से कम	51 से 60	61 से 70	71 से 80	81 प्रतिशत से अधिक		
बी.एससी.(ऑनर्स) कृषि							
प्रथम वर्ष	00	16	29	04	00	49	परिणाम घोषित
द्वितीय वर्ष	00	05	25	14	02	46	परिणाम घोषित
तृतीय वर्ष	00	01	13	25	04	43	परिणाम घोषित
चतुर्थ वर्ष	00	06+	23	10	01	40	परिणाम घोषित

+एक छात्र के गणित विषय बाकी

4.2.3.2 छात्रवृत्ति विवरण

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, के छात्र–छात्राएँ छात्रवृत्ति में भी अपनी अग्रणी भूमिका अदा करते है। कृषि विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा छात्राओं के अध्ययन हेतु प्रोत्साहन राशि स्वरूप कुल 44 छात्राओं को रु. 12,000/– प्रति वर्ष दी जा रही है। इसके अलावा MHRD छात्रवृत्ति हेतु कई विद्यार्थियों ने आवेदन कर रखा है। जिसके परिणाम अभी अपेक्षित है। समाज कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति में अनुसुचित जाति के 26 अनुसुचित जनजाति के 19, अ.पि.व. के 8 एवं एस.वी.सी. के 02 छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति की सुविधा दी जा रही है। इसके अतिरिक्त अल्पसंख्यक के 03 छात्रों ने अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति एवं कई विद्यार्थियों ने श्रम विभाग, राजस्थान सरकार से दय छात्रवृत्ति हेतु आवेदन कर रखा है।

4.2.3.2.1 छात्रों द्वारा प्राप्त छात्रवृत्ति का विवरण 2017–18

छात्रवृत्ति का नाम	छात्रों की संख्या	अनुदान के स्त्रोत
एससी / एसटी / ओबीसी / एसबीसी	55	समाज कल्याण और अधिकारिता विभाग, जयपुर
पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति	2	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान
छात्राओं के लिए प्रोत्साहन राशि	43	कृषि विभाग, राजस्थान सरकार
अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति	03	अल्पसंख्यक मामलात विभाग, राजस्थान सरकार
कुल छात्रवृतियाँ	103	

4.2.3.3 कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के उत्तीर्ण छात्रों का राष्ट्रीय संस्थानों में नामांकन/प्रवेश

वर्ष 2018–19 में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर से 40 छात्रों ने बी.एस.सी. (ऑनर्स) कृषि में डिग्री उत्तीर्ण की। उनमें से उच्च शिक्षा हेतु विभिन्न राज्य व राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों में 11 छात्र–छात्राओं का स्नातकोत्तर शिक्षा हेतु प्रवेश हुआ।

4.2.3.4 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन/पखवाड़ा

4.2.3.4.1 कृषि महाविद्यालय सुमेपुर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

दिनांक 24.04.2018 को माननीय मुख्यमंत्री महोदया श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, राजस्थान सरकार के कर कमलो द्वारा कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय प्रो. बलराज सिंह, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं महाविद्यालय के अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे। प्रो. बलराज सिंह, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर ने 5 वें अधिष्ठाता समिति सिफारिश, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के अनुसार छपाई गई पाठ्यक्रम पुस्तक, सूचना बुलेटिन पुस्तक एवं किसानो के हित के लिए छपाया गया फोल्डर ''हरी खाद का प्रयोग कर अधिक उत्पादन लेंवे'' का विमोचन किया गया । इस कार्यक्रम में महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र के सभी कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे।

4.2.3.4.2 गणतन्त्र दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर में गणतन्त्र दिवस का आयोजन डॉ. एस.डी. रतनू, अधिष्ठाता के मुख्य अतिथ्य में दिनांक 26.01.2018 को प्रातः 8.00 बजे ध्वजारोहण कर शुभारंभ किया गया तथा सभी को अच्छे नागरिक बनकर देश की सेवा द्वारा जीवन को सफल बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर छात्र कल्याण इकाई के द्वारा देशभक्ति पूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत समूह गान एवं नृत्य, एकल गान एवं नृत्य, रोल प्ले, कविता इत्यादि प्रस्तुतियों द्वारा सभी को देश प्रेम की भावना से ओत–प्रोत किया।

4.2.3.4.3 विश्व योग दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में सभी प्रतिभागियों की शांति, सद्भाव, खुशी और सफलता हेतु 21 जून 2018 को विश्व योग दिवस का आयोजन किया गया। इस समारोह में डॉ. एस. डी. रतनू, अधिष्ठाता ने योग से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के बारे में अवगत करवाया तथा बताया कि योग का वर्णन हमारे वेदों और उपनिषदों में किया गया है, जो प्रत्येक व्यक्ति को नित्य कर्म की तरह करना चाहिए । कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. आर.के. राठौड़ के निर्देशन में सूर्य नमस्कार के साथ हुई जिसमें व्यस्त जीवन में खुश रहने के अनेक तरीके बताते हुए योग की विभिन्न कलाओं के सहज भाव से सम्पन्न करने का प्रदर्शन किया गया । डॉ. एच. पी. परेवा, सहायक प्रोफेसर (मृदा विज्ञान) ने कार्यक्रम में भाग ले रहे, अधिकारियों, विद्यार्थियों को योग की विभिन्न कलाओं सुरवासन, सिद्धासन, पद्मासन, गरूडासन, अर्ध चन्द्रासन एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया तथा बताया कि नियमित योग करने से असाध्य रोगों से भी निदान पाया जा सकता है ।

4.2.3.4.4 रैगिंग विरोधी समितियों का गठन

यूजीसी नियमन के अनुसार उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग रोकने के लिए 25 जून, 2018 को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में विभिन्न रैगिंग विरोधी समितियों का गठन किया गया। सत्र की शुरूआत (जुलाई, 2018) में संस्था के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर रैगिंग विरोधी फ्लेक्स / बैनर लगाए गए हैं।

रैगिंग सम्बंधित किसी भी शिकायत हेतु अधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों के फोन नंबर एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर कृषि महाविद्यालय एवं कन्या छात्रावास, परिसर में लगाए गए हैं।

4.2.3.4.5 उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में नव प्रवेशित विद्यार्थियों हेतु सत्र के आरम्भ में ही दिनांक 10 जुलाई, 2018 को उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन डॉ. आर. के. राठौड़ के निर्देशन में किया गया। महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार द्वितीय वर्ष के छात्र– छात्राओं ने नवागंतुकों का स्वागत किया तथा सभी नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं का तिलक लगाकर, रोली बाँधकर एवं मुँह मीठा कराकर अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम में समस्त नव प्रवेशित छात्र–छात्राएँ अकादमिक एवं कार्यालय कर्मचारियों से परिचित हुए। साथ ही उन्हें विभिन्न विषयों से जुड़े रोजगार के अवसरों से भी अवगत कराया गया। सम्बंधित प्रभारियों के द्वारा राज्य सरकार की स्वीकृत छात्रवृत्तियों, परीक्षा एवं अध्ययन सम्बन्धी नियम, आचरण संहिता, खेलकूद नियम, कन्या छात्रावास नियम, पुस्तकालय नियम एवं प्रक्रियाओं आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

4.2.3.4.6 स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में पूर्व वर्षों की भांति स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। जिसमें महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.डी. रतनू ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान के बारे में बताया तथा विद्यार्थी जीवन में अनुशासन एवं संयम के महत्व को समझाया। इस उपलक्ष पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति पेश की।

अधिष्ठाता महोदय द्वारा ध्वजारोहण

कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएँ

छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सामूहिक नृत्य

4.2.3.4.7 शिक्षक दिवस का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की याद में 5 सितंबर, 2018 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। इसमें बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि के विभिन्न सेमेस्टर्स के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। छात्रों ने शिक्षक दिवस के इस अवसर पर संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया एवं विभिन्न प्रस्तुतियाँ दी।

4.2.3.4.8 सर्जिकल स्ट्राइक वर्षगाँठ समारोह का आयोजन

दिनांक 29 सितम्बर 2018 को कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर में सर्जिकल स्ट्राइक वर्षगाँठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. एस.डी. रतनू ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि छात्रों को देशभक्ति की भावना से ओत–प्रोत होकर कार्य करना चाहिए तथा राष्ट्र के प्रति समर्पित होकर देश सेवा करने का सन्देश दिया।

4.2.3.4.9 महात्मा गाँधी जयंती कार्यक्रम का आयोजन

महात्मा गाँधी के जन्म दिन पर 2 अक्टूबर, 2018 को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के कर्मचारियों व विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता ही सेवा है, के संदेश के साथ गाँधी जयंती समारोह सम्मान पूर्वक मनाया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.डी. रतनू ने विद्यार्थियों को परिसर स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। डॉ. आर.एल. भारद्वाज ने विद्यार्थियों को अहिंसा एवं सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. एच. पी. परेवा, डॉ. पी.सी मीणा, डॉ. ऋचा सचान एवं कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र के डॉ. दिलीप कुमार एवं डॉ. आर.के.राठौड आदि मौजूद रहे।

4.2.3.4.10 वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में अधिष्ठाता महोदय, डॉ. आर. एल. भारद्वाज, डॉ. एच.पी. परेवा, डॉ. ऋचा सचान, की उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक छात्र–छात्रा को वर्ष के प्रारम्भ में ही चार पौधों को गोद लेकर चार साल तक उन पौधों की देखभाल करनी है। कार्यक्रम के अन्तर्गत चम्पा, गुलमोहर, अशोक, बोगनविलिया तथा नीम आदि के पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

4.2.3.4.11 राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रजातांत्रिक जीवन शैली अपनाने तथा समाज की निःस्वार्थ सेवा भावना को बनाए रखने की दिशा में किए गए अपने प्रयासों में विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना आरंभ की गई है। राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र–छात्राओं को अन्य व्यक्तियों के विचारों से सहमत होने तथा अन्य जीवों का ध्यान रखने की भावना के विकास में सहायक है। राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने मिलकर महाविद्यालय में चारों ओर पौधरोपण का आयोजन कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर व कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर में सफाई अभियान चलाकर परिसर क्षेत्र को साफ–सुथरा किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत सप्ताह में एक दिन महाविद्यालय में कार्यक्रम डॉ. आर.एल. भारद्वाज, प्रभारी, राष्ट्रीय सेवा योजना, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के निर्देशन में किया जा रहा है। इस योजना के मुख्य विषय ''मैं नहीं बल्कि आप'' में यह विश्वास निहित है कि किसी व्यक्ति का कल्याण कुल मिलाकर पूरे समाज के कल्याण पर निर्भर करता है, अतः राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवी समाज के कल्याण तथा विभिन्न सामाजिक बुराइयों को दूर करने तथा पर्यावरण, स्वच्छता, कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा से संबंधित सामुदायिक समस्याओं के प्रति चेतना लाने में प्रयासरत रहते हैं।

4.2.3.5 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम

शैक्षणिक सत्र 2018–2019 में चतुर्थ वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में प्रस्तावित है।

4.2.3.6 प्रकाशन

1.	अनुसंधान पत्र	–	11
2.	पुस्तकें	–	2
3.	पुस्तक अध्याय	–	01
4.	सारांश पुस्तक / सार–संक्षेप पत्र	–	7
5.	तकनिकी बुलेटिन / प्रायोगिक गाइड	–	3
6.	लोकप्रिय लेख	–	4
7.	फोल्डर	–	3
8.	रेडिओ वार्तालाप	–	6

4.2.3.7 ट्रेनिंग/सेमिनार/लेक्चर

4.2.3.7.1 ट्रेनिंग में भाग

कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर द्वारा 21 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 11 जून, 2018 से 1 जुलाई, 2018 किया गया जिसमें महाविद्यालय के निम्नलिखित सहायक प्राध्यापकों ने ट्रेनिंग ली।

अधिकारी का नाम	पद	विषय
डॉ. सुरेश चन्द मीणा	सहायक आचार्य	पादप रोग विज्ञान
डॉ. ऋचा सचान	सहायक आचार्य	प्रसार शिक्षा
डॉ. हर्षवर्धन सिंह शेखावत	सहायक आचार्य	आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन
डॉ. दिनेश कुमार	सहायक आचार्य	गणित

4.2.3.7.2 ट्रेनिंग/सेमिनार में लेक्चर

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के सहायक आचार्य, सह–आचार्य तथा अधिष्ठाता के द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा आयोजित 21 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में लेक्चर दिया गया।

अधिकारी का नाम	पद	लेक्चर का विषय	दिनांक	ट्रेनिंग/सेमिनार
डॉ. एस. डी. रतनू	अधिष्ठाता	कृषि महाविद्यालय सुमेरपुरः एक अवलोकन एवं भविष्यवादी अल्पकालिक दृष्टि	15.06.2018	उन्मुखीकरण कार्यक्रम
डॉ. आर. एल. भारद्वाज	सह–आचार्य	सोजत मेहन्दीः खेती और व्यावसायीकरण	25.07.2018	उन्मुखीकरण कार्यक्रम
डॉ. आर. एल. भारद्वाज	सह–आचार्य	अनार उत्पादन तकनिकी	04.11.2018	उन्मुखीकरण कार्यक्रम

अधिकारी का नाम	पद	लेक्चर का विषय	दिनांक	ट्रेनिंग/सेमिनार
डॉ. आर. एल. भारद्वाज	सह–आचार्य	नर्सरी प्रबंधन	04.11.2018	उन्मुखीकरण कार्यक्रम
डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा	सहायक आचार्य	शुष्क और अर्द्ध शुष्क क्षेत्र में मृदा कार्बनिक कार्बन में सुधार के लिए रणनीतियाँ	25.07.2018	उन्मुखीकरण कार्यक्रम
डॉ. दिनेश कुमार	सहायक आचार्य	A note on the Fractional Calculus and Applications	6–8 जुलाई, 2018	अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार

4.2.3.7.3 सेमिनार/संगोष्ठी में भाग

1. Dr. P.C. Meena, attended 38th Annual Conference on Voyage of Globalization: Invisible to the Visible Hand. 29-30, January-2018.
2. Dr. H.P. Parewa, attended seminar on "Sustainable Agricultural Practices for Seed Spices" held during 24-25 February, 2018 at ICAR-NRCSS, Ajmer.
3. Shri L.K. Jain, attended seminar on "Sustainable Agricultural Practices for Seed Spices" held during 24-25 February, 2018 at ICAR-NRCSS, Ajmer.
4. Dr. Dinesh Kumar, Assistant Professor (Mathematics) attended International Congress of Mathematics 2018 (ICM-2018); Organized by IMPA and the Brazilian Mathematical Society, 2nd - 4th November, 2017 from 1st - 9th August, 2018, Rio de Janeiro, Brazil. (Presented a Short Communication entitled: "Generalized fractional Kinetic equations associated with Aleph functions").
5. Dr. Dinesh Kumar, Assistant Professor (Mathematics) attended National Conference on "New Advances in Theoretical Computer Science, Algorithms, and Mathematical Modeling" & 29th Annual Conference of Rajasthan Ganita Parishad (TCSMM-18); Organized by Department of CSE & IT; Mathematics (Applied Sciences), JIET Group of Institutions, Jodhpur (Raj.) India, 27th - 28th April, 2018. (Presented a Research Paper entitled: "Sumudu transforms of generalized fractional Kinetic equations").

4.2.3.9 खेलकूद

महाविद्यालय में खेलकूद एवं एथलीट गतिविधियों के लिए व्यवस्था है। पूर्ण विकसित बास्केटबॉल, वॉलीबॉल एवं मल्टीजिम महाविद्यालय में आकर्षण का केन्द्र है। महाविद्यालय में फुटबाल एवं क्रिकेट के पूर्ण विकसित मैदान भी छात्रों के लिए उपलब्ध है।

4.2.3.9.1 वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, (पाली) में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन 12 एवं 13 अक्टूबर, 2018 को डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा, सहायक प्राध्यापक एवं आयोजन सचिव की देखरेख में किया गया। दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2018–19 का शुभारम्भ अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर डॉ. एस.डी.रतनू ने 400 मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर किया। दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में 100, 200, 400, 800, 1500 मीटर दौड़, तस्तरी फेंक, त्रिकूद, लंबी कूद, भाला फेंक, गोला फेंक, कबड्डी, वॉलीबाल, फुटबाल, चेस, बैंडमिंटन, टेबल टेनिस एवं क्रिकेट आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अमृतपाल सिंह, बी. एस. सी. (ऑनर्स) कृषि चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थी ने 100, 200, एवं 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरूष)

100 मीटर दौड़ को एथलिट समाप्त करते हुए

कबड्डी मैच के बाद खिलाडी

1500 मीटर दौड़ के विजेता

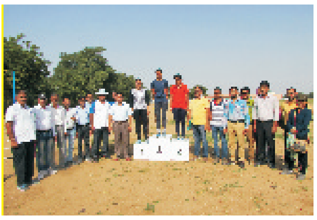
400 मीटर दौड़ के विजेता

कबड्डी

लम्बी कूद

और बी. एस. सी. (ऑनर्स) कृषि, चतुर्थ वर्ष की सुश्री हंसा देवी ने प्रतियोगिता में 200, 400 एवं 800 मीटर दौड़, लंबी कूद तथा त्रिकूद में प्रथम स्थान प्राप्त कर सर्वश्रेष्ठ एथलीट (महिला) चुनी गई। कबड्डी एवं क्रिकेट में चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। फुटबाल में प्रथम वर्ष की टीम विजेता रही।

4.2.3.9.1 अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में दिनांक 29 एवं 30 अप्रेल, 2018 को कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के दो दिवसीय अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकुद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन श्रीमान जोराराम कुमावत मुख्य अतिथि, नगरपालिका अध्यक्ष, सुमेरपुर द्वारा किया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.डी. रतनू ने खिलाड़ियों को खेल की भावना से खेलने की सलाह दी एवं खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते हुए, कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया । इस कार्यक्रम में तीनों महाविद्यालयों के 27 छात्राएँ एवं 50 छात्रों ने कुल 13 प्रतियोगिता में भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मदन राठौड़, विधायक एवं उप मुख्य सचेतक, राजस्थान सरकार, कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. ईश्वरसिंह निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र सिंह देवड़ा, प्रधान, पंचायत समिति सुमेरपुर, जोराराम कुमावत अध्यक्ष नगरपालिका, सुमेरपुर एवं समाजसेवी नारायण कुमावत आदि ने विजेताओं और प्रतिभागियों को विभिन्न पदक, ट्राफियाँ और प्रमाण पत्र वितरित किए। श्री प्रवीण रावल, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर को सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष) और सुश्री हंसा देवी, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर को सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट पदक से सम्मानित किया गया।

अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का विहंग दृश्य

4.2.3.10 पुस्तकालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय ओपन सेल्फ पद्धति के द्वारा संचालित है एवं वर्तमान में 2538 पुस्तकें, उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में रेप्रोग्राफी की सुविधा उपलब्ध है। पुस्तकालय में आधुनिक कम्प्यूटर्स मय यू. पी. एस. सुविधा से उपलब्ध इन्टरनेट सेन्टर भी कार्यरत है। विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं एवं तथ्यों इत्यादि की जानकारी से अवगत करवाने हेतु हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ भी उपलब्ध कराई जा रहा हैं।

1. पुस्तक संख्या – 2538
2. पत्रिका संख्या – 5
3. समाचार पत्र – 5

4.2.4 आलौच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ

1. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के परीक्षा हॉल में मोबाइल जेमर की स्थापना की गई है।
2. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के दो कक्षाओं को स्मार्ट कक्षा में परिवर्तित किया गया है।
3. विद्यार्थियों के उपयोग हेतु शीतल एवं शुद्ध जल की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है।
4. विद्यार्थियों के शिक्षण हेतु प्रत्येक कक्षा में एल सी डी प्रोजेक्टर की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।
5. महाविद्यालय के मीटिंग हॉल में टेबल एवं कुर्सियों की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।
6. विद्यार्थियों के प्रशिक्षण हेतु महाविद्यालय के खेल मैदान में क्रिकेट नेट अभ्यास सेट की स्थापना की गई है।
7. कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में 120 के.वी. का सोलर प्लांट स्थापित किया गया है, जिससे प्रतिदिन उत्पादित बिजली महाविद्यालय में उपयोग के साथ–साथ अनुसंधान कार्यालय को भी उपलब्ध करवाई जाएगी।
8. महाविद्यालय में शस्य विज्ञान, प्रसार शिक्षा, आनुवंशिकी, कम्प्यूटर, उद्यान विज्ञान, पादप रोग विज्ञान की प्रयोगशालाएँ भी स्थापित की गई।
9. महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र पर वर्षा जल संग्रहण हेतु एक डिग्गी का निर्माण किया गया।

10. महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति के निर्देशानुसार शैक्षणिक वातावरण में सुधार के उपायों को लागू कर लिया गया हैं।
11. महाविद्यालय में शिक्षकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक मशीन द्वारा सुनिश्चित की जा रही हैं।
12. 75 प्रतिशत से कम उपस्थिति रहने पर उनके अभिभावकों को पत्र एवं दूरभाष द्वारा सूचना भेजी जा रही हैं।
13. विद्यार्थियों को सूचना तकनिकी की सुविधा हेतु महाविद्यालय में संचालित कक्षाओं के समय इंटरनेट की सुविधा प्रदान करना।
14. स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय तथा अनुसंधान उप–केन्द्र परिसर में स्वच्छता का पूरे वर्ष विशेष ध्यान रखा गया है।

4.2.5 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर अपने शिक्षकगणों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों की सहायता से सफलता के नए आयाम पाने को अग्रेषित है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में नियमित कक्षाएं एवं अत्याधुनिक तकनिकों द्वारा शिक्षण, विद्यार्थियों के उत्साह एवं लगन को बढ़ाता है। वर्तमान सत्र में शिक्षा के साथ–साथ शारीरिक विकास पर भी सम्पूर्ण ध्यान केन्द्रित किया गया है जिसमें नियमित खेलकूद गतिविधियाँ करना एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योगाभ्यास भी सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा प्रायोगिक शिक्षा पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया एवं इसके लिए आधारभूत सुविधाएं तैयार करवाई गई।

4.2.6 आधारभूत सुविधाएँ

4.2.6.1 वाहन सुविधा

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में एक बस, एक बोलेरो, दो ट्रेक्टर की सुविधा है। जिनमें से बस की सुविधा छात्र–छात्राओं को कॉलेज से विभिन्न गतिविधियों तथा प्रायोगिक कक्षाओं की बाहरी भ्रमण में काम में ली जाती है। बस की बैठक क्षमता 56 है। बोलेरों का उद्देश्य महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यो तथा यात्राओं के लिए है। ट्रेक्टर का उपयोग फार्म पर की जाने वाली गतिविधियों तथा कृषि इंजिनियरिंग की कक्षाओं के लिए छात्र–छात्राओं के प्रायोगिक अध्ययन में उपयोगी है।

4.2.6.2 छात्रावास

वर्तमान में महाविद्यालय में एक छात्रावास छात्राओं के लिए उपलब्ध हैं जिसकी क्षमता 51 है। इस छात्रावास में वर्तमान में 43 छात्राएँ निवास कर रही है। यह छात्रावास कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र के पुराने भवन में संचालित किया जा रहा हैं। छात्रावास में टेलीविजन, वाटर कुलर, रेफ्रीजरेटर एवं इन्डोर खेलों की पर्याप्त व्यवस्था है।

4.2.6.3 पुस्तकालय

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में विभिन्न प्रकार की पाठ्य पुस्तके पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है, जो कि विद्यार्थी आवश्यकतानुसार पुस्तकालय से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु भी पुस्तकें उपलब्ध हैं।

4.2.6.4 कम्प्यूटर प्रयोगशाला

महाविद्यालय में सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला सूचारू रूप से संचालित की जा रही है साथ में इन्टरनेट की व्यवस्था भी है। जिसमें 30 कम्प्यूटर की सुविधा उपलब्ध है।

4.2.6.5 शैक्षणिक एवं शोध फार्म

महाविद्यालय में 20 हे. क्षेत्र में शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान के लिए पूर्ण विकसित प्रक्षेत्र है, जिसमें फसलों के साथ–साथ छात्रों को प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं संकाय अधिकारियों द्वारा विभिन्न शोध कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

4.2.7 छात्रोपयोगी सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ

4.2.7.1 विशेष अध्यापन का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के विद्यार्थियों को सभी विषयों का समुचित ज्ञान हो इस हेतु मॉडल्स, चार्ट्स एवं पोस्टर्स बनाने हेतु प्रेरित किया जाता है । जिसमें विद्यार्थियों ने अत्यधिक उत्साह दिखाते हुए विभिन्न ज्वलन्त एवं पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषयों पर मॉडल्स बनाए।

4.2.7.2 विशेष लेक्चर का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के विद्यार्थियों हेतु समय–समय पर विभिन्न उत्साहवर्धक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष लेक्चर का आयोजन महाविद्यालय के अनुभवी शिक्षकगणों द्वारा किया गया है। साथ ही बाहर से अनुभवी प्रशिक्षकों के द्वारा भी समय–समय पर लेक्चर का आयोजन किया जा रहा है।

4.2.7.3 मानवीय मूल्य एवं नैतिकता पर लेक्चर का आयोजन

1 डॉ. (श्रीमती) कमलेश सिंह, प्रोफेसर, मनोविज्ञान, आईआईटी, नई दिल्ली द्वारा मानव मूल्यों और नैतिकता पर दिनांक 18.07.2018 को विशेष व्याख्यान दिया गया। इसमें महाविद्यालय के करीब सभी छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहें। साथ ही पूरे सेमेस्टर में मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता पर स्काईप एवं विडियो के माध्यम से भी डॉ. (श्रीमती) कमलेश सिंह ने सभी छात्र–छात्राओं के ज्ञान में वृद्धि की है।

2 डॉ. ऋचा सचान, सहायक प्राध्यापक, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के द्वारा बी.एस.सी. कृषि प्रथम वर्ष के छात्रों को पूरे सेमेस्टर में मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता पर अध्यापन कराया गया है।

4.2.8 छात्र प्रशिक्षण एवं प्लेसमेन्ट्स सेल

कृषि महाविद्यालय में छात्र प्रशिक्षण एवं प्लेसमेन्ट सेल कार्यरत है जिसके माध्यम से छात्रों का प्लेसमेन्ट होता है। डॉ. हनुमान प्रसाद परेवा, सहायक प्राध्यापक इस प्रशिक्षण एवं प्लेसमेन्ट सेल के प्रभारी है। इस वर्ष एक छात्र श्री राजेश कुमार का गोडवार किसान सहकारी प्राइवेट लिमिटेड में प्लेसमेन्ट हुआ।

4.2.9 अवार्ड व पुरस्कार

1 डॉ. एच.पी. परेवा, सहायक प्राध्यापक एवं साथियों को 24–25 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर, राजस्थान एवं सीडा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

2 डॉ. एल.के. जैन, सहायक प्राध्यापक को 24–25 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर, राजस्थान एवं सीडा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

3 डॉ. एच.पी. परेवा, सहायक प्राध्यापक को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में मृदा विज्ञान प्रयोगशाला के स्थापना एवं विकास करने तथा दो वर्षों तक लगातार कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अन्तर कृषि महाविद्यालय खेल–कूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र से दिनांक 08.05.2018 को सम्मानित किया गया।

4 डॉ. पी.सी मीणा, सहायक प्राध्यापक को कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर में पुस्तकालय के विकास करने हेतु माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशस्ति–पत्र से दिनांक 08.05.2018 को सम्मानित किया गया।

5 श्री अनिरूद्ध चौधरी, प्रयोगशाला सहायक को कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर में कम्प्युटर प्रयोगशाला के विकास करने हेतु माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र से दिनांक 08.05.2018 को सम्मानित किया गया।

6 Dr. Dinesh Kumar awarded Dr. D.S. Kothari Postdoctoral Fellowship of University Grant Commission (UGC), Government of India, New Delhi. (Awarded on April 03, 2018, 75th List) (Ref. No.F.4-2/2006 (BSR)/MA/17-18/0017).

7 Dr. Dinesh Kumar awarded the International Open Arms travel grant (amount of grant is BRL 8,800.00 (Brazilian Reals) by IMPA and the Brazilian Mathematical Society, to attain ICM 2018 from 1st to 9th August, 2018, Rio de Janeiro, Brazil.

4.2.10 शिक्षण एवं प्रशिक्षण

विभिन्न लक्षित लाभार्थियों के लिए सूचना के प्रसार हेतु कृषि विभाग एवं आत्मा, राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर के सहायक प्रोफेसरों के द्वारा व्याख्यान।

प्रशिक्षण का नाम	प्रशिक्षण की तारीख	विषय पर व्याख्यान	प्रशिक्षण स्थान
आत्मा योजनान्तर्गत जिला स्तरीय दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	08.02.2018	जल बचत एवं ड्रीप सिंचाई पद्धति	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर
आत्मा योजनान्तर्गत जिला स्तरीय दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	09.02.2018	रेपिड कम्पोस्टिंग विधि एवं जैव उर्वरक का महत्व	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर
आत्मा योजनान्तर्गत जिला स्तरीय दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	15.03.2018	समन्वित पोषक प्रबंधन	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) खरीफ 2018 – 19 दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	10.08.2018	खरीफ फसलों में समन्वित पौषक तत्व प्रबंधन	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) खरीफ 2018 – 19 दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	16.08.2018	मृदा स्वास्थ्य कार्ड हेतु मृदा नमूना लेने की विधि	कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, सुमेरपुर

प्रशिक्षण का नाम	प्रशिक्षण की तारीख	विषय पर व्याख्यान	प्रशिक्षण स्थान
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) खरीफ 2018 – 19 दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	20.08.2018	मृदा नमूना एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड	अनुकूलन परीक्षण केन्द्र, सुमेरपुर
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (तिलहन) खरीफ 2018 – 19 दो दिवसीय कृषक प्रशिक्षण	21.08.2018	फसलों में पोषक तत्वों की कमी के लक्षण एवं निवारण	अनुकूलन परीक्षण केन्द्र, सुमेरपुर

4.3 कृषि महाविद्यालय, नागौर

माननीय मुख्यमंत्री महोदया की बजट घोषणा वर्ष 2015–16 के बिन्दु संख्या–77 की पालना में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अधीन कृषि महाविद्यालय, नागौर की स्थापना की गई। कृषि महाविद्यालय, नागौर में कुल 175 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। इस प्रकार वर्तमान में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष का शिक्षण कार्य संचालित है। वर्तमान में महाविद्यालय अपने नवनिर्मित परिसर में संचालित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय स्तर पर पद भरने हेतु आवश्यक कार्यवाही अधिकांश विषयों हेतु पूर्ण कर ली गई है तथा वर्तमान में शिक्षण कार्य उन्हीं के द्वारा संचालित किया जा रहा है। साथ ही कुछ विषयों के अध्यापन हेतु शिक्षण कार्य गेस्ट फैकल्टी द्वारा सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

महाविद्यालय के उद्देश्य

1. उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान कराना
2. शिक्षा के साथ साथ अन्य गतिविधियों (खेल–कूद, राष्ट्रीय सेवा योजना) में विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाना ।
3. विद्यार्थियों को उच्चशिक्षा एवं रोजगार हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाना।
4. राष्ट्र के लिए अच्छे प्रशासक तैयार करना।

4.3.1 स्वीकृत एवं रिक्तपदों का विवरण

अ. शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
सहायक आचार्य	10	10	–
सह–आचार्य	02	02	–
आचार्य	01	00	01

ब. गैर–शैक्षणिक पदों का विवरण

पद का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	भरे हुए पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
प्रयोगशाला सहायक+	04	04	–
निजी सहायक	01	00	01
कनिष्ठ लिपिक	01	01	00
फार्म मैनेजर	–	–	–
पम्प ऑपरेटर	–	–	–
पुस्तकालय सहायक	01	00	01
कृषि पर्यवेक्षक	01	01	00
वाहन चालक	.	.	.

+ विरुद्ध पद, 'संविदा पर REXO द्वारा

4.3.2 शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र–छात्राओं की संख्या

4.3.2.1 स्नात्तक कार्यक्रम

अ. लड़कों की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	02	00	20	08	00	30
द्वितीय वर्ष	01	00	17	06	01	25
तृतीय वर्ष	06	04	18	06	02	36
चतुर्थ वर्ष	03	16	00	05	04	28
कुल योग						**119**

ब. लड़कियों की संख्या

कक्षा	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
प्रथम वर्ष	01	00	14	00	01	16
द्वितीय वर्ष	02	00	13	02	02	19
तृतीय वर्ष	00	01	09	00	00	10
चतुर्थ वर्ष	02	00	04	02	01	09
कुल योग						**54**

4.3.2.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम

अ. लड़कों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
खाद्य प्रौद्योगिकी	02	0	0	0	0	02
कुल योग						**02**

ब. लड़कियों की संख्या

विषय	सामान्य वर्ग	एस.बी. सी.	अ.पि. व.	अनु. जाति	अनु. जनजाति	कुल
खाद्य प्रौद्योगिकी	00	0	0	0	0	00
कुल योग						00

4.3.3 विभाग के प्रमुख कार्य तथा प्रत्येक कार्य के विरूद्ध वर्ष 2018–19 की प्रगति

- कृषि महाविद्यालय नागौर का शिक्षण कार्य अपने नवीन भवन में प्रारम्भ हो चुका है।
- फूड साइंस में स्नातकोत्तर पाठयक्रम प्रारम्भ किया गया।
- महाविद्यालय परिसर में फुटबॉल एवं क्रिकेट हेतु खेल मैदान बनवाया गया।
- जल संग्रहण हेतु लगभग 30 लाख लीटर क्षमता की तीन डिग्गियाँ बनवाई गई।
- प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष बी.एस.सी. (कृषि) के प्रथम मध्य समयावधि (मिडटर्म) की परीक्षाएं पूर्ण हो चुकी हैं तथा प्रायोगिक परीक्षाएँ नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है।
- एम.एस.सी. फूड साइंस के छात्रों प्रथम मध्य समयावधि (मिडटर्म) की परीक्षाएँ पूर्ण हो चुकी हैं तथा प्रायोगिक परीक्षाएं नवम्बर माह के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है।
- महाविद्यालय अध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव कक्षा प्रतिनिधि चयन का चुनाव सितम्बर माह में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।
- विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाओं एवं तथ्यों इत्यादि की जानकारी से अवगत करवाने हेतु हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्र, पत्रिकाएँ एवं प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु पुस्तकें भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं।
- शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य हेतु एल.सी.डी. प्रोजेक्टर का उपयोग कर पावर–पाईन्ट प्रेजेन्टेशन द्वारा शिक्षण कार्य करवाया जा रहा हैं।
- कम्प्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना कर विद्यार्थियों को कम्प्यूटर शिक्षा का ज्ञान प्रदान करवाया जा रहा है।
- बच्चों के शारीरिक विकास हेतु खेल–कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल, कबड्डी, टेबल टेनिस, शतरंज, वॉलीबॉल इत्यादि खेल सम्मिलित हैं।
- राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा पौध रोपण करवाया गया एवं समय–समय पर परिसर में सफाई अभियान चलाया गया।
- महाविद्यालय परिसर में 120 किलोवाट का सोलर प्लांट स्थापित किया गया है जिससे महाविद्यालय के साथ–साथ अन्य संस्थानों को भी बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी।

4.3.3.1 विद्यार्थियों का शैक्षणिक प्रदर्शन

कक्षा	विद्यार्थियों की संख्या एवं प्राप्तांक प्रतिशत					कुल विद्यार्थी	टिप्पणी
	50 से कम	51 से 60	61 से 70	71 से 80	81 प्रतिशत से अधिक		
बी.एससी.(ऑनर्स) कृषि							
प्रथम वर्ष	0	17	23	08	0	48	परिणाम घोषित
द्वितीय वर्ष	0	09	26	06	0	41	परिणाम घोषित
तृतीय वर्ष	0	11	20	05	0	36	परिणाम घोषित

4.3.3.2 छात्रवृत्ति विवरण

कृषि महाविद्यालय नागौर, के छात्र–छात्राएँ छात्रवृत्ति में भी अपनी अग्रणी भूमिका अदा करते है। कृषि विभाग राजस्थान सरकार द्वारा छात्राओं के अध्ययन हेतु प्रोत्साहन राशि स्वरूप कुल 54 छात्राओं को रु. 12,000/– प्रति वर्ष दी जा रही है। इसके साथ ही एक छात्र को विज्ञान एवं तकनिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा इन्सपायर छात्रवृत्ति दी जा रही है। इसके अलावा MHRD छात्रवृत्ति कई विद्यार्थियों ने आवेदन कर रखा है। जिसके परिणाम अभी अपेक्षित है। समाज कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति में SC के 16] ST के 06 एवं OBC/General के 30 छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति की सुविधा दी जा रही है।

4.3.3.3 महत्वपूर्ण दिवसों एवं कार्यक्रमों का आयोजन/पखवाड़ा

4.3.3.3.1 योग दिवस का आयोजन

योग दिवस का आयोजन 21 जून को कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र परिसर पर किया गया। इस कार्यक्रम के अधिष्ठाता

महोदय, डॉ. महेश कुमार पूनिया, डॉ. कानसिंह राठौड़, डॉ. मदन मोहन कुमावत एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान अधिष्ठाता महोदय ने योग से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत करवाया।

4.3.3.3.2 सात दिवसीय स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, नागौर द्वारा ''स्वच्छ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम'' का आयोजन 2 जुलाई से 8 जुलाई, 2018 तक गोगेलाव ग्राम में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति महोदय, डॉ. बलराज सिंह ने कार्यक्रम की शुरूआत में पारिस्थिति तंत्र में होने वाले बदलाव जैसे– जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण व सूखे की समस्या के प्रमुख कारण तथा इन सभी समस्याओं के समाधान पर विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। महाविद्यालय अधिष्ठाता, डॉ. महेश कुमार पूनिया ने प्लास्टिक कचरे की समस्या तथा उसके समाधान पर जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम में ग्राम सरपंच पोखराज जी, ग्रामीण जन एवं महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे। विद्यार्थियों एवं ग्रामवासियों ने मिलकर सम्पूर्ण गाँव के अपशिष्ट पदार्थ, प्लास्टिक कचरा व गंदे पानी के निकास की समस्या का निस्तारण तथा सफाई कर मुख्य सड़क के दोनों तरफ पौधारोपण किया। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर व कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, नागौर में सफाई अभियान चलाकर परिसर क्षेत्र को साफ–सुथरा किया गया एवं मुख्य सड़क के चारों तरफ सफाई की गई।

4.3.3.3.3 गाँधी जयंती पर स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, नागौर, कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, नागौर तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, अठियासन में गाँधी जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. महेश कुमार पूनिया ने विद्यार्थियों को परिसर स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं व समस्त स्टाफ द्वारा सफाई अभियान चलाकर परिसर को साफ–सुथरा किया गया तथा पेड़–पौधों की निराई–गुड़ाई कर पानी देकर पेड़ बचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर डॉ. अर्जुन सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र, ने विद्यार्थियों को अहिंसा एवं सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थी, कर्मचारी व अधिकारी मौजूद रहे।

4.3.3.3.4 वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि महाविद्यालय, नागौर, कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, कृषि विभाग, नागौर एवं इफको द्वारा माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत लगभग 200 गुलमोहर तथा नीम के पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

4.3.3.3.5 स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

कृषि महाविद्यालय, नागौर एवं कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र, नागौर ने सम्मिलित रूप से स्वतंत्रता दिवस मनाया जिसमें महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. महेश पूनिया ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान के बारे में बताया तथा विद्यार्थी जीवन में

अनुशासन एवं संयम के महत्व को समझाया। इस उपलक्ष्य पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों पर प्रस्तुति पेश की।

4.3.3.4 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम

ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2018–2019 में चतुर्थ वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में प्रस्तावित है।

4.3.3.5 कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रकाशित पुस्तक, पत्र, लोकप्रिय लेख

1. अनुसंधान पत्र – 30

4.3.3.6 ट्रेनिंग/सेमिनार/लेक्चर

श्री शक्ति सिंह भाटी, सहायक प्रोफेसर ने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं राजस्थान अनार उत्पादन संघ द्वारा 3–4 अक्टूबर 2018 को आयोजित कार्यशाला (अनार उत्पादन एवं विपणन) में अनार की फसल में सूत्रकृमि प्रबन्धन पर लेक्चर दिया।

4.3.3.7 महाविद्यालय छात्र संघ चुनाव

महाविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव तथा कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न कराया गया।

छात्रों का नाम	कक्षा	चयनित पद
नरेन्द्र चौपड़ा	प्रथम वर्ष	कक्षा प्रतिनिधि
कैलाश चन्द्र जाट	द्वितीय वर्ष	संयुक्त सचिव
हेमन्त गुर्जर	तृतीय वर्ष	महासचिव
सुरेन्द्र मुंडेल	चतुर्थ वर्ष	अध्यक्ष

4.3.3.8 पुस्तकालय

कृषि महाविद्यालय, नागौर में पुस्तकालय आधुनिक सुविधाओं के साथ सुचारू रूप से संचालित है। इस पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की प्रामाणिक संदर्भ 3000 के लगभग पुस्तकें उपलब्ध है। ये सभी पुस्तकें कृषि स्नातक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम को समाविष्ट करती है। पुस्तकों में लगभग 90 प्रतिशत किताबें अंग्रेजी भाषा में व 10 प्रतिशत किताबें हिन्दी भाषा में उपलब्ध है। इनके अलावा पुस्तकालय में इस वित्तीय वर्ष में 5000 के लगभग नई पुस्तकें, पत्रिकाएँ, ई–पत्रिकाएँ तथा ई–किताब भी उपलब्ध कराई जाएगी। पुस्तकालय में नियमित रूप से हिन्दी व अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र उपलब्ध होते हैं व साथ ही साथ पुस्तकों का व्यवस्थापन विशेष क्रम में किया गया है।

4.3.4 आलौच्य वर्ष की विशेष पहल एवं उपलब्धियाँ

1. कृषि महाविद्यालय, नागौर में 120 के.वी. का सोलर प्लांट स्थापित किया गया है, जिससे प्रतिदिन उत्पादित बिजली महाविद्यालय में उपयोग के साथ–साथ अन्य संस्थानों को भी उपलब्ध करवाई जाएगी।
2. महाविद्यालय के नवीन परिसर में मृदा परीक्षण, पौध संरक्षण, आनुवांशिकी के साथ ही जैव प्रौद्योगिकी एवं पादप कार्यिकी की प्रयोगशालाएँ भी स्थापित की गई।
3. महाविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान उप–केन्द्र पर वर्षा जल संग्रहण हेतु लगभग 30 लाख लीटर क्षमता की तीन डिग्गियों का निर्माण किया गया।
4. महाविद्यालय के छात्रों को खेलकूद हेतु पाँच लाख रुपए की लागत से फुटबॉल एवं क्रिकेट मैदान तैयार करवाया गया।
5. महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सहायक प्राचार्यो के द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की ए.एस.ए. सी.ओ.डी.ई.आर. स्कीम के अंतर्गत 13 परियोजनाएँ प्रेषित की गई।
6. महाविद्यालय के द्वारा पश्चिमी राजस्थान की आवश्यकताओं को देखते हुए किस्मों की उन्नति हेतु जैव प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र का प्रायोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, जयपुर में डॉ. सौरभ जोशी द्वारा प्रेषित किया गया।

4.3.5 ग्राम गोद योजना

ग्राम गोद योजना के तहत महाविद्यालय में गोगेलाव गाँव को गोद लिया।

4.3.6 सार संक्षेप

कृषि महाविद्यालय, नागौर अपने नवीन परिसर एवं नवनियुक्त शिक्षकगणों की सहायता से सफलता के नए आयाम पाने को अग्रेषित है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में नियमित कक्षाएँ एवं अत्याधुनिक तकनिकों द्वारा शिक्षण, विद्यार्थियों के उत्साह एवं लगन को बढ़ाता है। वर्तमान सत्र में शिक्षा के साथ–साथ शारीरिक विकास पर भी सम्पूर्ण ध्यान केन्द्रित किया गया है जिसमें नियमित खेलकूद गतिविधियाँ करना एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योगाभ्यास भी सुनिश्चित किया गया है। इसके अलावा प्रायोगिक शिक्षा पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया एवं इसके लिए आधारभूत सुविधाएं तैयार करवाई गई।

4.3.7 आधारभूत सुविधाएँ

4.3.7.1 वाहन सुविधा

कृषि महाविद्यालय, नागौर में एक बस, एक बोलेरो, एक ट्रेक्टर की सुविधा है। जिनमें से बस की सुविधा छात्र–छात्राओं को महाविद्यालय से शहर तक लाने, ले जाने में तथा महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रायोगिक कक्षाओं की बाहरी अपेपज में काम में ली जाती है। बस की बैठक क्षमता 56 है। बोलेरों जीप का उद्देश्य महाविद्यालय डीन एवं अन्य प्रशासनिक कार्यों तथा यात्राओं के लिए है। ट्रेक्टर का उपयोग कॉलेज फार्म पर की जाने वाली गतिविधियों तथा ट्रेक्टर इंजिनियरिंग की कक्षाओं के लिए छात्र–छात्राओं के प्रयोगिक अध्ययन में उपयोगी है।

- विद्यार्थियों को उपयोग हेतु शीतल एवं शुद्ध जल की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी।
- विद्यार्थियों के बैठने हेतु उच्च गुणवत्ता वाली टेबल एवं कुर्सी की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी।
- विद्यार्थियों के शिक्षण हेतु प्रत्येक कक्षा में LCD PROJECTER एवं SPEAKER की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी।

4.3.7.2 छात्रावास

वर्तमान में महाविद्यालय के छात्रों हेतु छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं है परन्तु छात्र एवं छात्राओं हेतु शीघ्र ही छात्रावास बनवाना अपेक्षित है।

4.3.7.3 पुस्तकालय

कृषि महाविद्यालय, नागौर में विभिन्न प्रकार की पाठ्य पुस्तके पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है जो कि विद्यार्थी आवश्यकतानुसार पुस्तकालय से प्राप्त कर सकते है । इसके अलावा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु भी पुस्तकें उपलब्ध है।

4.3.7.4 कम्प्यूटर प्रयोगशाला

कृषि महाविद्यालय, नागौर में कम्प्यूटर विज्ञान के प्रायोगिक हेतु दो कम्प्यूटर प्रयोगशालाएँ उपलब्ध है जिसमें 25 से अधिक कम्प्यूटर उपलब्ध है।

4.3.7.5 शैक्षणिक एवं शोध फार्म

कृषि महाविद्यालय, नागौर के अन्तर्गत शैक्षणिक एवं शोध कार्य हेतु लगभग 50 हैक्टेयर जमीन उपलब्ध है। जिसमें से लगभग 30 हेक्टेयर में मूंग की GAM-5 किस्म बीजोत्पादन हेतु लगाई गई तथा विद्यार्थियों के प्रायोगिक अवलोकन हेतु बाजरे की MPMH-17 किस्म, तिल की RT-346, RT-351 एवं ग्वार की RGC-1003, RGC-1066 किस्म, मूंगफली की RG-510 तथा मोठ की RMO-257 की बुवाई की गई।

4.3.8 छात्रोपयोगी सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ/खेलकूद प्रतियोगिता

4.3.8.1 अन्तर कक्षीय खेल–कूद प्रतियोगिता

कृषि महाविद्यालय, नागौर द्वारा तीन दिवसीय अन्तर कक्षीय खेल–कूद प्रतियोगिता का 15–17 सितम्बर को आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति डॉ. बलराज सिंह द्वारा किया गया। डॉ. बलराज सिंह ने विद्यार्थियों को उद्बोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में पढाई के साथ–साथ

खेलों का भी बहुत महत्त्व है। इससे विद्यार्थी का शारीरिक तथा मानसिक रूप से विकास होता है एवं दिमाग को नकारात्मक विचारों से मुक्ति मिलती है। खेल प्रभारी हंसा लाखराण ने बताया कि इस प्रतियोगिता के दौरान कुल 19 गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यतः–कबड्डी, बॉलीबॉल, बेडमिन्टन, टेबल टेनिस , क्रिकेट, फुटबॉल तथा एथलेटिक्स (100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, 1500 मीटर दौड़, रिले दौड़, लम्बी कूद, ऊंची कूद, त्रि–कूद, जवेलियन थ्रो, डिस्कस थ्रो, तथा शोटपुट) इत्यादि खेलों का समायोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा किए गए प्रदर्शन तथा स्कोर कार्ड के आधार पर महाविद्यालय के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को सामान्य चैंपियनशिप का पुरस्कार मिला। इसी दौरान व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर छात्रों में छात्र रजनीश काजला तथा छात्राओं में छात्रा हंसा गुर्जर एवं प्रेम सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे।

4.3.8.2 अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर (पाली) में दो दिवसीय अन्तर कृषि महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में चयनित छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिसमें 400 मीटर दौड़ छात्र वर्ग में नागौर के वेदप्रकाश ने द्वितीय व मुकेश कुमार रूडला ने 3.55 मीटर लम्बी कूद लगाकर प्रथम स्थान तथा कल्पना चौधरी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। त्रिकूद में प्रेम द्वितीय स्थान पर रही। डिस्कस थ्रो छात्र वर्ग में पपाराम 800 मीटर दौड़ छात्रा वर्ग मे मनीषा चौधरी द्वितीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ छात्रा वर्ग में सुनिता कंवर तृतीय स्थान तथा गोला फेंक छात्र वर्ग में रजनीश काजला द्वितीय स्थान पर रहे।

4.3.8.3 विशेष अध्यापन का आयोजन

कृषि महाविद्यालय नागौर के विद्यार्थियों हेतु समय–समय पर विभिन्न उत्साहवर्धक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष लेक्चर का आयोजन अनुभवी शिक्षकगणों द्वारा किया गया हैं।

4.3.8.4 विशेष लेक्चर का आयोजन

कृषि महाविद्यालय नागौर के विद्यार्थियों को विषयों का समुचित ज्ञान हो इस हेतु मॉडल्स, चार्ट्स एवं पोस्ट्र्स बनाने हेतु प्रेरित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अत्यधिक उत्साह दिखाते हुए विभिन्न ज्वलन्त एवं पाठ्यक्रम में सम्मिलित विषयों पर मॉडल्स बनाये जिसे माननीय कुलपति महोदय द्वारा भी प्रोत्साहित किया गया।

4.3.8.5 राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम विवरण

कृषि महाविद्यालय, नागौर में दिनांक 04.10.2018 को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. नेमाराम, सहायक निदेशक छात्र कल्याण द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शंकर लाल चौधरी, वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ व नोडल अधिकारी, जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम–नागौर ने विद्यार्थियों को मनोरोगों जैसे– स्किजाफ्रेनिया, अवसाद, मेनिक डिप्रेसिव साइकोसिस, मिर्गी, फोबिया व युवाओं में बढ़ती नशाखोरी एवं आत्महत्या की प्रवृत्ति आदि मनोरोगों के सामान्य लक्षण, पहचान एवं उपचार के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. महेश पूनिया ने विद्यार्थियों को बढ़ते अवसाद व नशाखोरी से दूर रहने की सलाह दी।

4.3.9 अवार्ड और पुरस्कार

महाविद्यालय के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों हेतु कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में 21 दिनों का अभिविन्यास पाठयक्रम करवाया गया जिसमें श्री शक्ति सिहं भाटी को उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत किया गया।

5. प्रकाशन

5.1 अनुसंधान पत्र

1. Anita Todawat, Sharma, S.R., Hansa Lakhran and Hemraj (2017) Effect of Vermicompost and Zinc on Growth, Yield attributes and Yield of Green gram *under semi arid region of Rajasthan. International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 6(9)
2. Ayant, F.Y. and Kumar, D. (2018) Fredholm type integral equation with special functions. *Acta Universitatis Sapientiae Mathematica (De Gunter).*10(1):5-17.
3. Ayant, F.Y. and Kumar, D. (2018) Generating relations and multivariable Aleph-function. *Analysis (De Gruyter).*38(3): 137-143.
4. Bagri, R.K., Kumar, V. and Manju kumara (2017) Management of black scurf disease of potato using chemicals Penflufen and Boric acid. *Inter. J. of Chemical Studies.* 2349-8528.
5. Baheti, B.L., Mukesh Dodwadiya, and Bhati, S. S. (2017) Eco-friendly management of maize cyst nematode, *Heterodera zeae* on sweet corn (*Zea mays L. saccharata*). *Journal of Entomology and Zoology Studies.* 5(6) 2320-7078.
6. Bairwa, R.K., Dhaka, B.L., Poonia, M.K., Nagar, B.L. and Balai, C. M. (2017) Coriander a Potential Seed Spice Crop of Humid South Eastern Plains-Zone of Rajasthan. *International J. Curr. Microbial., App., Sci.*6(4):2385-2391.
7. Bharadwaj, R.L, Sundriya, M.M and Choudhary, B. R. (2017) Effect of different pruning dates and severty on growth and quality parameter of Ber. *Indian Journal of Arid Horticulture.* 12(1-2): 28-34.
8. Bharadwaj, R.L., Sundriya, M.M and Kumar, S. R (2018) Effect of irrigation methods and mulching on growth and yield parameters on Chilli. *Journals od Spices and Aromatic Crops.* 27(1): 81-87.
9. Bhardwaj, R.L., Sundria, M.M., Kumhar, S.R. and Kumar, N. (2018) Effect of irrigation methods and mulching on growth and yield parameters of chilli (*Capsicum annum* L.) in arid condition. *Journal of Spices and Aromatic Crops*. 27 (1): 81-87.
10. Choudhary, A., Yadav, S.R., Parewa, H.P.(2018) Effect of wool waste in conjunction with FYM and inorganic fertilizer on growth and yield of cabbage (*Brassica oleracea* var. capitata). *International Journal of Chemical Studies.* 6(4): 3059-3063.
11. Choudhary, Santosh, Choudhary, B.R. and Kumhar, S.R. (2017) Genetic variability in the garlic genotypes for growth, yield and yield attributing traits. *Annals of Plant and Soil Research.* 19(1): 115 – 120.
12. Chouhan, K.S., Kakralya, B.L., Mamta Bajya and Rekha Sodani (2017) Salicylic acid mitigate the adverse effect of high temperature stress on yield and yield determining parameters of wheat (*Triticum aestivum* L.) *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*. 6(4): 1052-1055.
13. Chowhan, R.S., Dayya, P. and Shukla, U.N. (2018) Sustainable E-agriculture knowledgebase for information dissemination to develop Indian Agriculture sector and empower rural farmers. *International Journal of Advanced Research in Computer and Communication Engineering*. 7(4): 105-112.
14. Dama Ram, Devi, T. Prameela.,Kamil, Deeba. Tyagi, Akanksha. andShekhar, V. Chandra. (2017) A combined morpho – molecular approach towards identification of *Curvularia* species Annals of Plant Protection Science 25(1)/0974-0163.
15. Deewan, P., Patel, J.J., Verma, R and Parewa, H.P. (2018) Leaf area index, productivity and water use pattern of summer clusterbean influenced by different irrigation scheduling and growth regulators. *International Journal of Chemical Studies*. 6(4): 1978-1984.
16. Gopal Singh, Vinod Kumar, Ashutosh dubey, Sanjeev Agrawal, A.K. Verma (2018) Cloning, sequencing and in silico analysis of *β-Glucosidase* (GH-1 family) from *Bacillus subtilis* strain P. *Indian Journal of Biotechnology.* 17(3): 431-440.
17. Jain, L.K. and Parewa, H.P. (2017) Management of Agronomical constraints for enhancing seed spices production in Rajasthan. *International Journal of Seed Spices.* 7(2): 87-92.
18. Jain, L.K., Hanuwant Kumar, Anirudh Choudhary, Hanuman Parewa and Phool Chand Meena (2017) Impact of crop rotation on weed management. *Rashtriya Krishi.* ISSN -0974-0759.
19. Jangid, K.C., Siddiqui, A.U. and Bhati, S. S. (2017) Shelf-life of different formulations of *Steinernema masoodi* under laboratory conditions. *Journal of Entomology and Zoology Studies.* 5(4): 2320-7078.
20. Joshi, S. Rajani and Kalla, P.N. (2017) "GM Technology: A Solution for the World Food Crisis". *Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci.* 2319-7706.

21. Joshi, S., Revathi, T., Umadevi, G., Sameer Kumar and G. Anuradha (2017) Study of sterility mosaic disease resistance on immortal population in pigeonpea. *International Journal of current microbiology and applied sciences*.2319-7692.

22. K.M. Singh, R.C. Shakywar, M.M. Kumawat*, R.K. Patidar, T. Riba, A.K. Sureja and A.K. Pandey (2017) Eco-friendly management of bacterial wilt (*Ralstonia solanacearum*) of brinjal in Arunachal Pradesh. *Indian Journal of Horticulture.74(1): 85-90.*

23. Kartar Singh, Dama Ram, Manoj Choudhary, Bhartraj Meena, L S Rajput and S K Khirbat (2017) Factor affecting disease development on fruit rot of Chilli caused *Colletotrichum capsoci. Annals of Plant Protection Science.* 26(1): 0974-0163.

24. Kavita Bhadu, Agrawal K.K. and Choudhary Rakesh (2018) Yield and economics of green gram and black gram as influenced by nutrient management under organic farming. *International Journal of Chemical Studies* 6(3): 391-395.

25. Kavita Bhadu, Agrawal, K.K. and Choudhary Rakesh (2018) Yield and economics of green gram as influenced by nutrient management under organic farming. *International Current Microbiology Applied Science.* 3565-3572.

26. Kavita Bhadu, Choudhary Rakesh, Poonia Tanuja, Patridar Payal, Choudhray K. M. and Kakraliya S. K. (2018) A review paper on concept, benefits and constraints of conservation agriculture in India. *International Journal of Chemical Studies*, 6(4): 36-40.

27. Krishna Saharan, Lukas Schütz, Ansgar Kahmen, Andres Wiemken, Thomas Bollerand, Natarajan Mathimaran (2018) Finger Millet Growth and Nutrient Uptake Is Improved in Intercropping With Pigeon Pea Through Biofertilization and Bioirrigation Mediated by Arbuscular Mycorrhizal Fungi and Plant Growth Promoting Rhizobacteria. *Frontiers Environ. Science.* 6(46).doi: 10.3389/fenvs.2018.00046. IF-4.3.

28. Kumar, D. Parewa H P. and Balesh Kumar. (2018) Attitude of farmers of Sirohi district of Rajasthan towards Soil Health Card (SHC) Scheme. *International Journal of Chemical Studies.* 6(4): 2892-2894.

29. Kumar, D., Ayant, F.Y. and J. Choi (2018) Application of product of the multivariable- A function and the multivariable Srivastava polynomials. *East Asian Math. J.* 34(3):295-303.

30. Kumar, D., Choi, J. and Srivastava, H.M. (2018) Solution of a General Family of Fractional Kinetic Equations Associated with the Generalized Mittag-Leffler Function. *Nonlinear Functional Analysis and Applications.* 23(3):455-471.

31. Kumar, D., Sharma, J. K., Meena, S.C., Parewa, H. P. and Ratnoo, S.D. (2018) Prevalence of yellow vein mosaic virus of okra [Abelmoschus esculentus (L.) Moench] in Sheoganj, transitional plain of Luni Basin (ZoneIIb) of Rajasthan *Journal of Entomology and Zoology Studies*. 6(4): 1383-1385.

32. Kumar, V., Singh, R.P., Kumar, S., Shukla, U.N. and Kumar, D. (2018) Effect of integrated nitrogen management and planting techniques on the productivity and economics of rain fed pearlmillet + greengram intercropping. *The Pharma Innovation Journal*. 7(10): 67-70.

33. Kumar, V., Singh, R.P., Kumar, S., Shukla, U.N. and Kumar, K. (2018) Performance of pearlmillet + greengram intercropping as influenced by different planting techniques and integrated nitrogen management under rainfed condition. *International Journal of Chemical Studies*. 6(3): 705-708.

34. Manju Kumari and Singh, M. (2017) Bio-intensive mamagement of collar rot of groundnut caused by *Aspergillus niger Inter. J. of Chemi. Studies.* 2349-8528.

35. Manju Kumari and Singh, M. (2017) Investigation of disease occurrence and pathogenicity test of *Aspergillus niger* causing collar rot of groundnut in Rajasthan. *Inter. J. of Chemi. Studies.* 2349-8528.

36. Manju Kumari and Singh, M. (2017) Management of collar rot disease of groundnut caused by *Aspergillus niger* through bio agents. *Inter. J. of Chemi. Studies.* 2349-8528.

37. Manju Kumari, Sharma, O.P. and Singh, M. (2017) Collar rot (*Aspergillus niger*) a serious disease of groundnut, its present status and future prospects. *Inter. J. of Chemi. Studies.* 2349-8528.

38. Meena, P.C. and Meena, P.C. (2017) Role of Woman in Agriculture as farmer and labour: An Emprical evidences of farm woman involvement in agriculture operations in Jaipur district of Rajasthan state. *Agriculture Update.* ISSN 0973-1520.

39. Meena, P.C., Meena, P.C. and Anirudh Choudhary (2018) Biofortification of cereal crops:- An emerging strategy to overcome hidden hunger. *International Journal of Chemical Studies.* ISSN 2341-4902.

40. Meena, P.C., Meena, P.C. and Jain, L.K. (2017) Consumption behavior of rural households:-A micro level study f Rajasthan, India. *Agriculture Update* ISSN -0974-1520

41. Meena, P.C., Meena, P.C., R. K. Rathore, L.K. Jain and Anirudh Choudhary (2017) A perfect avenue for entrepreneurial training in agriculture and allied field for rural youth. *Rashtriya Krishi.* ISSN -0974-0759.

42. Meena, P.C., Meena, P.C., H.P. Parewa, Anirudh Choudhary and Hanuwant Kumar (2017) Problem and prospects of dairy industry in India. *Rashtriya Krishi.* ISSN -0974-0759.

43. Meena, R.C., Khan, I.U., Ram, M., Raiger, P.R. and C.T. Satyavati. (2018) Genetic diversity of total phenolic, flavonoid and antioxidant activity in pearl millet genotypes grown in semi-arid region of Rajasthan. *International Journal of Chemical Studies.* 6(3): 1845-1849.

44. Mishra, M.L., Sood, S. and Shukla, U. N. (2018) Phyto-nutritional and mineral composition of Indian Horse Chestnut (*Aesculus indica*) seeds. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*. 7(1): 2159-2162.

45. Mishra, M.L., Sood, S. and Shukla, U.N. (2018) Standardization, development and sensory evaluation of snacks prepared from *Aesculus indica* flour (Tatwakhar). *The Pharma Innovation Journal.* 7(2): 89-93.

46. Mishra, M.L., Sood, S. and Shukla, U.N. (2018). Standardization, development and proximate composition of baked value added products by using Indian horse chestnut (*Aesculus indica*) flour. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 7(2): 1449-1458.

47. Mishra, M. L., Sood, S., Sood, A., Singh, B., Gulati, A. and Shukla, U. N. (2018) Mineral Estimation of Indian Horse Chestnut (*Aesculus indica*) Seeds after Crude Saponin/ Aescin Extraction. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 7(9): 2193-2196.

48. Mishra, M.L., Sood, S., Patial, V., Sood, A., Singh, B. and Shukla, U.N. (2018) Histo-pathological study of alloxan-induced diabetes effect on rat's organ after intake of different proportion of Aesculusindica (Tatwakhar) flour. *Journal of Entomology and Zoology Studies.* 6(4): 1813-1817.

49. Mulla, S.R., Joshi, S. and Joy Das (2017) Isolation, Cloning and Expression of Insecticidal-Protein-Encoding Gene tcdA from Photorhabdus luminescens in Escherichia coli. *Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci.* 6(9): 1718-1724.

50. Mulla, S.R., Joshi, S. Joy Das and Suresh, C.K. (2017) Isolation and characterization of photorhabdus luminiscens fromn western ghats of Karnataka. *Multilogic in Science*. 2277-7601.

51. Nisha Chaudhary, Priya Dangi, and Bhupendar Singh Khatkar (2017) Fractionation of unreduced gluten proteins on SECand their relationship with cookie quality characteristics. *International Journal of Food Science & Technology.* 54(2): 42-348.

52. Parewa, H. P., Yadav, J., Amitava Rakshit and Anirudh Choudhary (2018) Growth and yield attributes of wheat (Triticum astivum L) as affected by fertilizer levels, FYM and PGPR. *International Journal of Chemical Studies*. 6(5): 43-48.

53. Parewa, H.P., Anirudh Choudhary, Jain, L.K., Kumar, D. and Ratnoo, S.D. (2018) Green Manuring: Myth or Reality. *Indian Journal of Plant and Soil.* 5(1): 17-23.

54. Parewa, H.P., Moola ram, Jain, L.K. and Anirudh Chaudhary (2018) Residual effect of organic nutrient management practices on growth and yield of sesame (Sesamum indicum L.). *International Journal of Chemical Studies* 6(4): 2340-2342

55. Phool Chand Meena, Prem Chand Meena(2018) Role of Dairy in upliftment of farmer:-present day. *International Journal of Chemical sciences.* ISSN 2341-4902.

56. Poonia M.K., Mahendra Singh, Dhaka B.L., Bairwa R.K. and Bherulal Kumhar (2017) Impact of front line demonstration on the yield and economics of Coriander in Kota district of Rajasthan. *International J. Curr. Microbial., App., Sci*. 6(3):2344-2348.

57. Praharaj, C.S., Singh, Ummed, Singh, S.S. and Kumar, N. (2018) Tactical water management in field crops: The key to resource conservation. *Current Science. 115(7): 1262-1269.*

58. Preeti Singh, Seema and Hansa Lakhran (2017) A Holistic Approach for Mine Spoil Restoration. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 6(6)

59. Yadav, R.K., Yadav, M.R., Kumar, Rakesh, Parihar, C.M., Yadav, N., Bajiya, R., Ram, H., Meena, R.K., Yadav, D.K. and Yadav, B. (2017) Role of Biochar in Mitigation of Climate Change through Carbon Sequestration. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 6(4)

60. Rajani and Joshi, S. (2017) the role horticultural crops in enhancing nutrient security. *International Journal of current microbiology and applied sciences.* 2319-7706.

61. Rajdeep Mundiyara and Jakhar, M.L. (2017) Identify promising parents and crosses of Taramira (Eruca sativa Mill.) for Improvement in Irrigated and Drought Conditions. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*. 2278-4136.

62. Rakesh Choudhary, Bhadu Kavita and Poonia Tanuja (2018) To study of gap in technology adoption in rapeseed-mustard cultivation in Ambala. *Bulletin of Environment, Pharmacology and Life Science* 7(7): 63-67.

63. Rohitash Bajiya, Hansa Lakhran, Sandeep Kumar and Seema (2017) Biochar for Enhancing Agricultural Sustainability under Climate Change. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 6(2)

64. Rohitash Bajiya, Hansa Lakhran, Sandeep Kumar and Seema (2017) Biochar for Enhancing Agricultural Sustainability under Climate Change. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 6(2)

65. Seema, Ramawater Meena, Rekha Sodani, Sunita Yadav, Jatav, S. S. S. and Goswami, P. (2017) Suitability of Zinc-enriched Spinach (*Spinacea Oleracea* L.) for Human Consumption. *Journal of the Indian Society of Soil Science*. 64(4)

66. Sharma, O.P. and Manju kumara (2017) Management of dry root rot disease [*Rhizoctonia bataticola*] of chickpea through fungicides. *Inter. J. of Chemi. Studies.* 2349-8528.

67. Shukla, U.N. and Mishra, M.L. (2018) Present scenario, bottlenecks and expansion of pulse production in India. *A review*. *Legume Research* (DOI: 10.18805/LR-3998).

68. Shukla, U.N. and Mishra, M.L. (2018) Biofortification: Golden way to save life from. micronutrient deficiency. *Agricultural Reviews*. 39 (3): 202-209.

69. Singh, L.N. and Pandya, H.R. (2017) Elasticities of Consumption Expenditure in Rural and Urban Areas of Agro Climatic Zone-II of South Gujarat During Winter Season. *Trends in Biosciences*. 10(22): 4561-4564.

70. Singh, L.N., Darji, V.B. And Parmar, D.J. (2017) An Empirical Investigation on Area, Production and Productivity Trends of Wheat (*Triticumaestivum*) Crop for Vadodara District of Gujarat by Using Linear and Time Series Statistical Models. *Trends in Biosciences*. 10(16): 0974-8431.

71. Singh, L.N., Darji, V.B. and Sing, Y.S. (2018) Area, Production and Productivity of Wheat (*Triticumaestivum*) in Gujarat State: Forecasting by Using ARIMA Models. *International Journal of Bio-resource and Stress Management*. 7(5): 0976-3988.

72. Singh, L.N., Pandya, H.R. and Singh, N. (2018) Estimation of consumer unit scales in consumption expenditure of agro climatic zone-II of south Gujarat. *International Journal of Research in Applied, Natural and Social Sciences.* 5(6): 15-223.

73. Singh, M., Poonia, M.K., Kumhar, B. L. and Singh, G. (2017) Livelihood Security of Poor Families through Pratapdhan Backyard Poultry Rearing in Kota District of Rajasthan. *International J. Curr. Microbial., App., Sci*.6(4):2385-239.

74. Singh, R.N., Praharaj, C.S., Kumar, R., Singh, S.S. and Kumar, N. and Singh, Ummed., (2018) Strengthening soil health under rice fallow in Eastern Plateau of India with dwarf rice and moisture conservation practices. *Indian Journal of Agricultural Sciences* 88 (7): Under Press.

75. Singh, U., Praharaj, C.S., Singh, S.S., Hazra, K.K. and Kumar, N. (2018) Up-scaling nutrient, energy and system productivity of pigeonpea-wheat cropping system in Indo-Gangetic plains of India. *Journal of Environmental Biology.* 39(5): 647-658.

76. Singh, Ummed., Praharaj, C.S., Singh, S.S., Hazra, K.K. and Kumar, N. (2018) Effect of crop establishment practices on the performance of component cultivars under pigeonpea (*Cajanuscajan*)–wheat (*Triticumaestivum*) cropping system in IGP. *Indian Journal of Agricultural Sciences.* 88(5): 691–707.

77. Sundria, M.M. and Singh, M.D. (2018) Efficacy of spinetoram 12 SC against fruit borer and sucking pests of chilli. *Findings in Agricultural Research and Management (FARM) Journal*. 2(1):6-8. (eISSN: 2581-3285).

78. Sundria, M.M., Bishnoi, H.R., Rathore, B.S. and Rajpurohit, Abhishek (2018) Development of IPM technology for cumin and its evaluation in farmer participatory mode. *Annals of Arid Zone.* 57(1&2): 45-48.

79. Sunita Choudhary, Manish Kushwaha, Seema, Preeti Singh, Rekha Sodani and Sunil Kumar (2017) Cow urine: A boon For sustainable Agriculture. *International journal*

80. U. Khan, R.C. Meena, P.R. Raiger, B. S. Rathore, C. T. Satyavathi and B. Singh. (2017) Evaluation and Identification of Volatile Bio Active Compounds in Methanol Extract of Pearl Millet Genotypes by Gas Chromatography-Mass Spectroscopy. *International Journal of pure and Applied Bioscience.* 5(2): 526-531.

81. Uday Pratap Singh, Bhudeo Rana Yashu, Rekha Sodani and JP Srivastava (2017) Effect of elevated fluoride levels on morph-physiological parameters of wheat and barley. *Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry*. 6(6): 2245-2248.

82. V. Chandra Sekhar, T. Prameela devi, Deeba Kamil and Dama Ram (2018) Studies on Phylogeny of *Chaetomium* Species of India. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences.* 7(8): 3154-3166.

83. Yadav, V. L., Shukla, U.N. and Mehriya, M.L. (2018) Weed dynamics and yield of chickpea (*Cicer arietinum* L.) as influenced by pre and post-emergence herbicides. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*. 7(07): 2523-2532.

5.2 पुस्तकें

1. Rathore, V.S., Sharma, H., Ghasholia, R. P., Dadhich, Amit, Sundria, M. M. and Rathore, P.S. (2018) *Class-12-Krishi JeevVigyan*, Published by Rajasthan State Text Book Board, Jaipur, Page No. 1-178.

2. Archana Singh, Manendra Singh Negi, Ashutosh Dubey, Vinod Kumar, A. K. Verma*, Enzyme immobilization methods and applications in food industry, In: Enzymes in food technology: Improvements and innovations, Editor: M. Kuddus, Springer India 2018. https://doi.org/10.1007/978-981-13-1933-4.

3. Kakraliya, S.K., Singh, Ummed.,Bohra, A., Choudhary, K.K., Kumar, S., Meena, R.S. and Jat, M.L. 2018. Nitrogen and Legumes: A Meta-analysis In: Legumes for Soil Health and Sustainable Management (Eds., R. S. Meena et al. Springer Nature Singapore Pte Ltd.). Pp. 277-314. (DOI: 10.1007/978-981-13-0253-4_9).

4. Kumar, N., Hazra, K.K., Nath, C.P., Praharaj, C.S. and Singh, U. 2018. Grain Legumes for Resource Conservation and Agricultural Sustainability in South Asia. In: Legumes for Soil Health and Sustainable Management (Eds., R. S. Meena et al. Springer Nature Singapore Pte Ltd.). Pp. 277-314. (DOI: 10.1007/978-981-13-0253-4_3).

5. Verma, P., Yadav, A.N., Kumar V, Khan, M.A. and Saxena, A.K. (2018). Microbes in Termite Management: Potential Role and Strategies in Biological Control. In: Sustainable Termite Management. (eds Khan MA, Ahmad W), *Springer-Verlag*, Germany, https://doi.org/10.1007/978-3-319-68726-1_9.

6. Verma, P., Yadav, A.N., Kumar V., Singh, D.P. and Saxena, A.K. (2018). Beneficial plant-microbes interactions: Biodiversity of microbes from diverse extreme environments and its impact for crops improvement. In: Plant-Microbe Interactions in Agro-ecological Perspectives Vol.2 (eds Singh DP), *Springer-Verlag*, Germany, https://doi.org/10.1007/978-981-10-6593-4_22.

7. Yadav, A.N., Verma, P., Kumar, V., Sangwan, P., Mishra, S., Panjiar, N., Gupta, V.K. and Saxena, A.K. (2018). Biodiversity of the Genus Penicillium in Different Habitats. In: New and Future Developments in Microbial Biotechnology and Bioengineering. (eds Gupta et al.), *Elsevier*, Netherlands. Chapter 1, PP:3-18, ISBN: 978-0-444-63501-3, http://dx.doi.org/10.1016/B978-0-444-63501-3.00001-6.

8. Yadav, A.N, Verma P, Kumar V, Prasad R, Dhaliwal HS (2018). *Microbiome in Crops: Diversity, Distribution and Potential Role in Crops Improvements*. In: Crop Improvement through Microbial Biotechnology. (eds Prasad R, Gill SS, Tuteja N), Elsevier, USA, P. 305-332, https://doi.org/10.1016/B978-0-444-63987-5.00015-3.

9. Jain, L.K., Jain, R., Parewa, H.P., Ratnoo, S.D. (2018). Manual on Fundamentals of Agronomy. Scientific publication, Jodhpur. ISBN 978-93-87893-97-9.

10. Meena, P.C. (2018). An Econometric Analysis of Growth, Instability and Crop Diversification in Semi-Arid Eastern Plain Zone (Zone-III A) of Rajasthan. Archers & Elevators Publshing House Bangalore-560090- India. ISBN 978-86501-56-1.

5.3 पुस्तक अध्याय

1. Ram, D., Singh, Ummed., Rajput, L.S. Singh, K. and Kumar, S. 2018. Management of pulses crop diseases through cultural practices. In: Microbial Based Interventions for Sustainable Pest Management and Improving Soil Health. (Kumar, K., Singh, B., Mishra, R.K., Bandi, S.M. and Singh, N.P. Eds). Pp. 223-228. *Training Manual* (September/2018), ICAR-Indian Institute of Pulses Research, Kanpur, Uttar Pradesh-208 024, India.

2. Singh, Ummed, Saharan Krishna.,Praharaj, C.S. and Sutaliya, R. 2018. Improving beneficial microbial efficiency through cropping systems management. In: Microbial Based Interventions for Sustainable Pest Management and Improving Soil Health. (Kumar, K., Singh, B., Mishra, R.K., Bandi, S.M. and Singh, N.P. Eds). Pp. 229-237. *Training Manual* (September/2018), ICAR-Indian Institute of Pulses Research, Kanpur, Uttar Pradesh- 208 024, India.

3. Singh, Ummed., Jingar, A., Kumar, M., Shukla, U.N. and Singh, I. 2018. Pulses: Components of farming systems for sustainability. In: Designing Farming Systems for Low Rainfall Areas. (Tanwar, S.P.S., Singh, A., Khapte, P.S. and Kachhawaha, S. Eds). Pp. 105-120. *Training Manual* (September/2018), ICAR-Indian Institute of Pulses Research, Kanpur, Uttar Pradesh- 208 024, India.

4. Hanuman Prasad Parewa, Vijay Singh Meena, Lokesh Kumar Jain, Anirudh Choudhary (2018). Sustainable crop production and soil health management through plant growth-promoting rhizobacteria. In: Meena V. (eds) Role of Rhizospheric Microbes in Soil. Springer, Singapore, pp 299-329.

5.4 तकनिकी / लोकप्रिय प्रकाशित लेख

1. कविता भादू, पायल पाटीदार और राकेश चौधरी (2018) कृषि रसायनों के दुष्प्रभाव. हलधर टाइम्स. 25 जून –1 जुलाई 2018
2. कविता भादू, पायल पाटीदार और राकेश चौधरी. (2018) ग्रीष्मकाल गहरी जुताई फसल की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए लाभदायक. कृषक आराधना, 11 जून – 17 जून 2018
3. कविता भादू और राकेश चौधरी. (2018) जैव उर्वरक : मृदा एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक. कृषक आराधना, 04 जून – 10 जून 2018
4. कविता भादू, पायल पाटीदार और राकेश चौधरी. (2018) ड्रिप सिंचाई / टपक सिंचाई जल की अनावश्यक बर्बादी को रोकने के लिए आवश्यक. कृषक आराधना, 14 मई – 20 मई 2018
5. लोकेश कुमार जैन, पी.सी. मीणा और हनुमान प्रसाद परेवा (2017) वर्तमान परिपेक्ष्य में फसल विविधिकरण द्वारा कृषक आय में स्थायित्व। गिरनार, अंक–4, 7–9.
6. हनुमान प्रसाद परेवा, लोकेश कुमार जैन एवं अनिरूद्ध चौधरी (2018) हरी खाद– मृदा स्वास्थ्य एवं अधिक उपज लेने का सस्ता विकल्प । कृषक जागरण
7. हनुमान प्रसाद परेवा, अनिरूध चौधरी, लोकेश कुमार जैन एवं राजहंस वर्मा (2018) मृदा स्वास्थ्य कार्ड: आज की आवश्यकता एवं उपयोगिता। खाद पत्रिका, अगस्त, 08–11.
8. शंकर लाल सुंडा, आर.के जाखड़, अक्षिका भावरिया एवं हनुमान प्रसाद परेवा (2018) आधुनिक कृषि और पर्यावरण पर इसका प्रभाव। कृषक आराधना, 14 से 18 नवम्बर, 2018
9. करतार सिंह, दमा राम, मनोज चौधरी एवं संतोष कुमार विश्नोई (2018). बाजरा फसल के प्रमुख कीट, रोग एवं प्रबंधन. कृषि किरण 20–23.

5.5 तकनिकी बुलेटिन / लोकप्रिय लेख

1. Borana, H., Danga, M., Shukla, U.N., Mandiwal, M. and Gahlot, N. (2018) Ashwagand hakivaigyani kkheti. *Marumegh* 3(2): 45-47
2. Choudhary, Mahesh, Kumari, Anop, Choudhary, Santosh and Ranawat, Ragani (2018) Strawberry se postikta ke sath labh (Hindi). *Phal Phool*, November-December, pp 3-7.
3. Choudhary, Santosh, Nirmala and Choudhary, B.R. (2017) Keet Avrodhi Net House Me Kheera Utpadan. Directorate of Research, AU, Jodhpur, pp 1-34.
4. Gahlot, N., Shukla, U.N., Borana, H., Mandiwal, M. and Danga, M. (2018). Jaivikkheti. *Krishak Chetana* (May-June): 32-36
5. Jain, L.K., Parewa, H.P., Choudhary, Santosh and Shukla, U.N. (2017-18). Compiled and edited: Information Bulletin of Faculty of Agriculture, Agriculture University, Jodhpur (Rajasthan) of academic session 2017-18. pp 1-84.
6. Krishna Saharana, Ummed Singha, Andres Wiemkenb, Thomas Bollerb &Mathimaran Natarajanb (2018) Enhancing legume-cereal intercropping yield through "Biofertilization" and "Bioirrigation. Conference book abstract published in Frontier in Science pp56.
7. Kumari, Anop and Choudhary, Santosh. (2017) Audhanik taknek se Sawasthak podh utpaadan (Hindi). *Madhya Bharat Krashak Bharti*, October, pp 32.
8. Kumari, Anop and Choudhary, Santosh. (2017) छत पर लगाए सब्जियों का बगीचा (Hindi)जीएसएफसी कृषि जीवन July-September, pp 18-19.
9. Kumari, Anop and Choudhary, Santosh. (2017) Tuberose ke Kheti (Hindi). *Madhya Bharat Krashak Bharti*, July, Pp 30.
10. Mandiwal, M., Shukla, U.N., Gahlot, N., Borana, H. and Danga, M. (2018) Jalvayuparivartan. *Krishak Chetana* (May-June): 15-16
11. Mishra, M.L. and Shukla, U. N. (2018) Indian horse chestnut (*Aesculusindica*): A wild fruit. *Popular kheti* 5(4): 25-27.
12. Mishra, M.L. and Shukla, U. N. (2018) Nutritional efficacy of pseudo cereals: The under exploited crops in India. *Popular kheti* 5(4): 28-33.
13. Mishra, M.L. and Shukla, U.N. (2018) Papermint (*Menthapeperita*): A pharmaceuticals herb. *Marumegh* 3(3): 54-56
14. Mishra, M.L. and Shukla, U.N. (2018) Ramphal: An ethno-medicinal plant. *Marumegh*3 (1): 20-24.
15. Shukla, U.N. and Mishra, M.L. (2018) Hydroponics: Livelihood option for Urban Areas.*Indian Farmer 5 (06):575-581.*
16. Shukla, U.N., Mishra, M.L. and Yadav, V.L. (2018). Chare ke roop mein Azolla ka badhta mahatva. *Marumegh* 3 (2): 57-60.
17. Shukla, U.N., Ram, M. and Mishra, M.L. (2018). Precision agriculture and its application through mobile mapping system. *Popular kheti* 5 (4): 164-168.
18. Singh, L.N., Devi, E. P., Dev, E.B. and Deepshika Organic Agriculture: It's important in crop Cultivation Agrobios, Vol. XV, No.11, April, 2017, pp, 42-44

5.6 प्रायोगिक गाइड

1. Practical manual on "Soil, Plant and Water Analysis (SCHEM-4412)" which is presently being used by the students of B.Sc. (Hons.) Agriculture part-IV of the University. – Prepared by Dr. H.P. Parewa

2. Operational Manual on : Rural Agriculture work Experience (RAWE) Programme for B.Sc.(Hons) Agriculture (January, 2018) – Prepared by Dr. P.C. Meena
3. Practical Manual on: Fundamentals of Agri- business Management (Including project development. Appraisal and Monitoring) AECON-4321 year of publication -2018 - Prepared by Dr. P.C. Meena

5.7 फोल्डर्स

1. हनुमान प्रसाद परेवा, एस.डी. रतनू, लोकेश कुमार जैन एवं अनिरूद्ध चौधरी (2018) फसल उत्पादन में जैव उर्वरकों का महत्व एवं प्रयोग विधियाँ। प्रकाशकः अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, प्रकाशन संख्याः कृ.महा.सु. /2018/1, पृष्ठ संख्याः 1–6.
2. लोकेश कुमार जैन, एस.डी. रतनू, हनुमान प्रसाद परेवा एवं अनिरूद्ध चौधरी (2018) फसल विविधीकरणः आज की आवश्यकता। प्रकाशकः अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर, प्रकाशन संख्याः कृ.महा.सु./2018/2, पृष्ठ संख्याः 1–6.
3. एस.डी. रतनू, हनुमान प्रसाद परेवा, लोकेश कुमार जैन, अनिरूद्ध चौधरी एवं आर.के राठौड़ (2018) हरी खाद का प्रयोग कर अधिक उत्पादन लेवें। प्रकाशकः क्षैत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र, केशवना (जालोर), प्रकाशन संख्याः कृ.अ.के.के. जालोर/2018/1, पृष्ठ संख्याः 1–6.
4. ईश्वर सिंह, गरवर सिंह (2018) जीरे की वैज्ञानिक खेती कैसे करें। निदेशक प्रसार शिक्षा निदेशालय कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–1.
5. शिल्पा कुमारी, अर्चना करेल (2018) बेर फल वृक्षों में कृतन एवं पौध संरक्षण निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–2.
6. पूनम कुमारी, डॉ. ईश्वर सिंह (2018) सौंफ की उन्नत उत्पादन तकनिकी निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–3.
7. गरवर सिंह, छितरमल ओला (2018) राजस्थान में अनार की उन्नत बागवानी एवं उद्यान प्रवर्धन निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–4.
8. हनवंत कुमार, छितरमल ओला (2018) फसलों के कीट एवं रोगों का सूक्ष्म जैविक नियंत्रण निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–5
9. हरिसिंह भाटी, हनवंत कुमार (2018) किसानों की आज की आवश्यकता–मृदा स्वास्थ्य कार्ड निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–6
10. गरवर सिंह, हेमंत कुमार (2018) अजोला उत्पादन तकनीक निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–7.
11. अर्चना करेल, शिल्पा कुमारी। खाद्य परीरक्षण व आहार संरक्षण की विधियाँ निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–8.
12. छितरमल ओला, हरिसिंह भाटी (2018) बैंगन एवं टमाटर में समन्वित कीट प्रबन्धन निदेशक, प्रसार शिक्षा निदेशालय, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, प्र.शि.नि–9.

5.8 संगोष्ठी, सम्मेलन, सेमिनार में प्रकाशित शोध पत्र/सारांश

1. Krishna Saharan, Ummed Singh, Andres Wiemken, Thomas Boller & MathimaranNatarajan 2018. Enhancing legume-cereal intercropping yield through “Biofertilization” and “Bioirrigation” October 5-8th, 2018, India International Science Festival (IISF), Luchnow, UP.pp155.
2. Kumar, R., Yadav, S.S. and Singh, Ummed. 2018. Effect of herbicidal and mechanical weed control on nutrient uptake by mustard crop at different levels of sulphur. Extended Summaries, XXI Biennial National Symposium of Indian Society of Agronomy on Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario' October 24-26, 2018, MPUAT, Udaipur, India. Pp. 94.
3. Laxmi, V., Shukla, U.N. and Singh, Ummed. 2018. Pre and post-emergence herbicidal effect on plant population and yield of chickpea (*Cicerarietinum*L.). Extended Summaries, XXI Biennial National Symposium of Indian Society of Agronomy on Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario' October 24-26, 2018, MPUAT, Udaipur, India. Pp. 92-93.
4. Praharaj, C.S., Kumar, N., Singh, N.P., Singh, S.S. and Singh, Ummed. 2018. Enhancing pulses production in constrained rice fallows of India. Extended Summaries, XXI Biennial National Symposium of Indian Society of Agronomy on Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario' October 24-26, 2018, MPUAT, Udaipur, India. Pp. 619-620.
5. Singh, Ummed., Kumar, R., Praharaj, C.S. and Tripathi, C.M. 2018. Multi-nutrient supplements enhances chickpea (*Cicerarietinum*L.) yield under on farm trials. Extended Summaries, XXI Biennial National Symposium of Indian Society of Agronomy on Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario' October 24-26, 2018, MPUAT, Udaipur, India. Pp. 619-620.

6. पुरस्कार एवं सम्मान

1 प्रोफेसर बलराज सिंह, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, अगस्त 25, 2018 को कृषि विज्ञान एवं शोध के क्षेत्र में बहुआयामी–अनुकरणीय योगदान के लिए वीर दुर्गादास राठौड़ स्मृति द्वारा वीर दुर्गादास पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

2 कृषि अनुसंधान केन्द्र, जोधपुर को 4 अक्टूबर, 2018 को कृषि में प्लास्टिक और रसायनों के उपयोग के लिए सार्वजनिक धारणा को बदलने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने के लिए फिक्की द्वारा सम्मानित किया गया।

3 डॉ. बलराज सिंह, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर को वर्ष 2018 में नूनी अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

4 डॉ. एच.पी. परेवा, सहायक प्राध्यापक को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में मृदा विज्ञान प्रयोगशाला के स्थापना एवं विकास करने तथा दो वर्षों तक लगातार कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के अन्तर कृषि महाविद्यालय खेल–कूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र से दिनांक 08.05.2018 को सम्मानित किया गया।

5 डॉ. पी.सी मीणा, सहायक प्राध्यापक को कृषि महाविद्यालय सुमेरपुर में पुस्तकालय के विकास करने हेतु माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशस्ति–पत्र से दिनांक 08.05.2018 को सम्मानित किया गया।

6 श्री अनिरूद्ध चौधरी, प्रयोगशाला सहायक को कृषि महाविद्यालय, सुमेरपुर में कम्प्युटर प्रयोगशाला के विकास करने हेतु माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रशस्ति–पत्र से दिनांक 08.05.2018 को सम्मानित किया गया।

7 डॉ. एच.पी. परेवा एवं साथी सहायक प्राध्यापक 24–25 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर, राजस्थान एवं सीडा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

8 डॉ. एल.के. जैन सहायक प्राध्यापक 24–25 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केन्द्र, अजमेर, राजस्थान एवं सीडा द्वारा आयोजित संगोष्ठी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति हेतु पुरस्कार प्रदान किया गया।

9 Dr. Dinesh Kumar awarded Dr. D.S. Kothari Postdoctoral Fellowship of University Grant Commission (UGC), Government of India, New Delhi. (Awarded on April 03, 2018, 75th List) (Ref. No.F.4-2/2006 (BSR)/MA/17-18/0017).

10 Dr. Vinod Kumar Asst. Prof. (Biochemistry) College of Agriculture selected for BRICPL Young Biochemist Award in ICAAAS-2018, organized at JNU, New Delhi, on 28th Day of April, 2018

11 Dr. Vinod Kumar Asst. Prof. (Biochemistry) College of Agriculture, awarded as 'Outstanding participant' in the First Orientation Course programme of Agriculture University held on June 11-July 01, 2018.

12 Prof. B.S. Rajpurohit was honoured by AICRP on Pearl Millet in the 52nd Annual Group Meeting held at Agriculture University, Jodhpur, Rajasthan during March 22-24, 2018 for his outstanding contribution in the field of Pearl Millet Improvement.

13 Prof. Ummed Singh, Dean, College of Agriculture was honoured with 'ISA Associateship' by Indian Society of Agronomy in the XXI National Biennial Symposium of Indian Society of Agronomy held at Maharana Pratap University of Agriculture & Technology, Udaipur, Rajasthan during October 24-26, 2018 for his outstanding contribution in the field of agronomy.

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर - 342 304 (राजस्थान)